Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 210
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शनिवार,28 फरवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

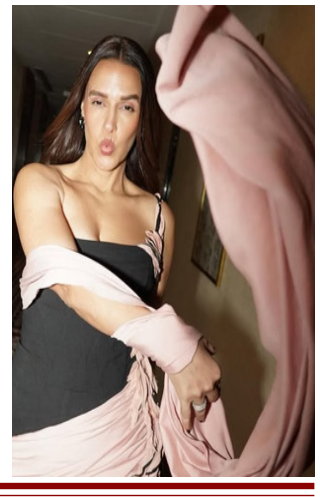

2 एनजीओ के हाथ होगी गोशालाओं की व्यवस्था

4 एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स का खजाना है ये

7 रणबीर कपूर के साथ नेहा धूपिया ने की मस्ती

प्रधानमंत्री ने भारतीय कंपनियों से बजट में हुई घोषणाओं का लाभ उठाने का किया आग्रह

निवेश और नवाचार के साथ आगे आए उद्योग

नयी दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय उद्योग से निवेश एवं नवाचार बढ़ाने का शुक्रवार को आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने आक्रामक पूंजीगत व्यय और बजट में लगातार अनुकूल नीतिगत माहौल बनाकर आधार तैयार कर दिया है और अब निजी क्षेत्र के लिए वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी वृद्धि के अगले चरण को आगे बढ़ाने का समय आ गया है। विकसित भारत के लिए प्रौद्योगिकी, सुधार एवं वित्त विषय पर बजट के बाद आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि सार्वजनिक पूंजीगत व्यय 11 वर्ष पहले दो लाख करोड़ रुपये था जो बढ़कर केंद्रीय बजट 2026-27 में 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। इसने विस्तार के लिए एक मजबूत नींव रखी है। उन्होंने कहा कि अधिक आवंटन निजी क्षेत्र को नए जोश के साथ निवेश करने और 2026-27 के बजट घोषणाओं का लाभ उठाने का संकेत देता है। मोदी ने कहा, भारतीय कंपनियों को नए निवेश का आह्वान किया। मोदी ने कहा, हमें

एवं नवाचार के साथ आगे आना चाहिए। वित्तीय संस्थानों को व्यावहारिक समाधान तैयार करने और बाजार विश्वास बढ़ाने में सहयोग देना चाहिए। उन्होंने सुधारों को ठोस परिणामों में तब्दील करने के लिए सरकार, उद्योग और ज्ञान क्षेत्र के भागीदारों के बीच घनिष्ठ सहयोग अवसंरचना में अधिक भागीदारी एवं वित्तीय मॉडल में नवाचार की आवश्यकता है... हमें परियोजना स्वीकृति पद्धतियों को मजबूत करना चाहिए और मूल्यांकन की गुणवत्ता में सुधार करना चाहिए। सरकार ने पिछले एक दशक में भारत की वृद्धि रणनीति को रिकॉर्ड स्तर के पूंजीगत व्यय के इर्द-गिर्द केंद्रित किया है। निजी निवेश को आकर्षित करने और मध्यम अवधि की उत्पादकता बढ़ाने के लिए राजमार्गों, रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, डिजिटल अवसंरचना तथा ऊर्जा नेटवर्क पर व्यय में तेज वृद्धि की गई है। हालांकि, निजी क्षेत्र ने अभी तक वह तथाकथित जुझारूपन (एनिमल स्पिरिट) पूरी तरह से प्रदर्शित नहीं किया है। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पिछले दशक में भारत की मजबूत क्षमता दृढ़ विश्वास-आधारित सुधारों और कारोबार सुगमता में निरंतर सुधार के प्रयासों से प्रेरित रही है। भारत ने प्रौद्योगिकी-आधारित सुशासन को अपनाया है, संस्थानों को मजबूत किया है और आज भी देश सुधारों के मार्ग पर अग्रसर है। उन्होंने कहा, सुधारों की तेज गति को बनाए रखने के लिए हमें केवल नीतिगत मंशा पर ही नहीं, बल्कि उत्कृष्ट क्रियान्वयन पर भी ध्यान देना होगा। सुधारों का मूल्यांकन उनके जमीनी प्रभाव के आधार पर होना चाहिए। पारदर्शिता, गति और जवाबदेही बढ़ाने के लिए हमें कृत्रिम मेधा, ब्लॉकचेन और डेटा एनालिटिक्स का व्यापक उपयोग करना चाहिए। उन्होंने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के तहत सरकार, उद्योग, वित्तीय संस्थानों और शिक्षाविदों के बीच सहयोग को औपचारिक रूप देने के लिए रिफॉर्म पार्टनरशिप चार्टर बनाने का प्रस्ताव रखा। मोदी ने कहा कि जब सरकार, उद्योग और ज्ञान क्षेत्र से जुड़े लोग एक साथ आते हैं, तो सुधार परिणामों में बदलते हैं और कागज पर की गई घोषणाएं जमीनी स्तर पर उपलब्धियों में तब्दील होती हैं। सरकार द्वारा घोषित निवेशक-हितैषी नीतियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश ढांचे को सरल बनाया गया है और अधिक पूर्वानुमेयता लाई गई है। इसके अलावा, बॉन्ड बाजार को गहरा करने के लिए कदम उठाए गए हैं।

शराब घोटाले में केजरीवाल-मनीष सिसोदिया बरी

कोर्ट ने कहा- बिना सबूत आरोप साबित नहीं होते

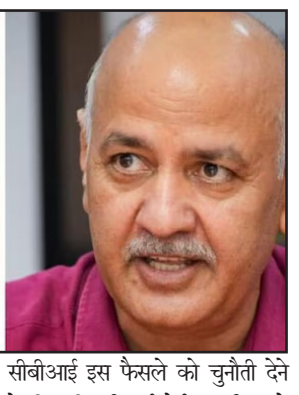

नई दिल्ली: दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को बहुचर्चित आबकारी नीति से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत कई अन्य को आरोप मुक्त कर दिया है। हालांकि अरविंद केजरीवाल को अभी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कोई राहत नहीं मिली है। अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि प्रथम दृश्य कोई भी आपराधिक षड्यंत्र नहीं मिला है। कोर्ट सीबीआई मामले में सुनवाई कर रही थी। उधर, सीबीआई सूत्र के मुताबिक, सिसोदिया समेत कुल 23 आरोपियों की ओर से आरोपों को निराधार बताया था। सीबीआई का आरोप है कि साउथ लॉबी ने दिल्ली की आबकारी मामला अपने पक्ष में कराने के लिए 100 करोड़ रुपये की रिश्वत दी थी। अरविंद केजरीवाल की ओर से वरिष्ठ वकील ने तर्क दिया था कि उनके खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल मुख्यमंत्री के तौर पर अपनी आधिकारिक जिम्मेदारियां निभा रहे थे और उन्हें किसी भी तरह की रिश्वत मांगने या लेने से जोड़ने वाला कोई प्रमाण नहीं है। उन्होंने यह भी कहा था कि केजरीवाल का नाम पहली चार्जशीट और तीन पूरक चार्जशीट में नहीं था, बल्कि चौथी पूरक चार्जशीट में जोड़ा गया, जो पहले की चार्जशीट का दोहराव है। बहस के दौरान अप्रूवर बने राघव मगुंटा के बयान का भी जिक्र हुआ था। बचाव पक्ष ने कहा कि ऐसा कोई सीधा लिंक नहीं है जिससे साबित हो कि केजरीवाल ने किसी से पैसे लेने को कहा था। सीबीआई इस फैसले को चुनौती देने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट जाएगी।इससे पहले 12 फरवरी को हुई सुनवाई में अदालत ने आरोप तय करने के मुद्दे पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और सभी आरोपियों की विस्तृत दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रखा था। सुनवाई में सीबीआई ने अदालत में दावा किया कि पहली चार्जशीट और पूरक आरोप पत्र में साजिश के पर्याप्त आधार मौजूद हैं, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष

सार संक्षेप

मानसा की गोली मारकर हत्या

मानसा : जिले के सरदूलगढ़ में शुक्रवार सुबह बदमाशों ने एक व्यापारी और उसके कर्मचारी की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। व्यापारी जसवीर सिंह अपने फार्म हाउस पर मौजूद थे। उनके साथ उनका कर्मचारी बलदेव सिंह भी था। इसी दौरान हथियारबंद बदमाश वहां पहुंचे और दोनों पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोलियां लगने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही मीना (एसएसपी) मानसा पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और फोरेंसिक टीमों को भी सबूत इकट्ठा करने के लिए बुलाया गया है। पुलिस ने इलाके की नाकाबंदी कर दी है और आरोपियों की तलाश जारी है। प्रारंभिक जांच में आपसी रंजिश या लूटपाट की आशंका जताई जा रही है।

बैंक ऑफ बड़ौदा चार मार्च को हरित बॉन्ड के जरिये जुटाएगा 10,000 करोड़ रुपए

मुंबई : सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक ऑफ बड़ौदा हरित अवसंरचना बॉन्ड जारी कर 10,000 करोड़ रुपए तक जुटाने की योजना बना रहा है। बाजार सूत्रों ने बताया कि आधार निर्गम आकार 5,000 करोड़ रुपए है। इसमें अधिक बोली आने पर 5,000 करोड़ रुपए तक की बोली रखने (ग्रीन शू) का विकल्प शामिल होगा जिससे कुल निर्गम आकार 10,000 करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा। इन बॉन्ड की अवधि सात वर्ष होगी। यह पांच मार्च 2033 को परिपक्व होंगे। भुगतान एवं आवंटन की तिथि पांच मार्च 2026 निर्धारित है। बॉन्ड निर्गम के लिए बोली चार मार्च को पूर्वाह्न 11 बजे से दोपहर 12.00 बजे के बीच एनएसई के इलेक्ट्रॉनिक बुक प्रोवाइडर (ईबीपी) मंच पर आयोजित की जाएगी। बॉन्ड पर वार्षिक ब्याज भुगतान होगा और इन्हें बंद बोली प्रक्रिया के माध्यम से समान प्रतिफल आधार पर आवंटित किया जाएगा। आवेदन की न्यूनतम राशि एक लाख रुपए है और उसके बाद एक लाख रुपए के गुणकों में बोली लगाई जा सकेगी।

राष्ट्रपति ने प्रचंड हेलीकॉप्टर में भरी उड़ान

जैसलमेर : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को राजस्थान के जैसलमेर में स्वदेशी हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड में उड़ान भरी। राष्ट्रपति ने भारत-पाकिस्तान सीमा के पास हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड में सह-पायलट के तौर में उड़ान भर कर इतिहास रच दिया है।द्रौपदी मुर्मू स्वदेशी लड़ाकू हेलीकॉप्टर में सह-पायलट बनकर उड़ान भरने वाली पहली राष्ट्रपति हैं। एलसीएच प्रचंड ने जैसलमेर स्थित भारतीय वायु सेना (आईएएफ) स्टेशन से उड़ान भरी। उड़ान से पहले कैप्टन ने राष्ट्रपति को जानकारी दी। जैतून के हरे रंग की वर्दी और हेलमेट पहने हुए उन्होंने प्रस्थान करने से पहले कॉकपिट से हाथ हिलाकर अभिवादन किया। भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति ने उड़ान के दौरान कॉकपिट से राष्ट्र के नाम संदेश भी दिया। उन्होंने कहा, प्रचंड हेलीकॉप्टर

आत्मनिर्भरता का एक सशक्त प्रतीक है। इस समय मैं जैसलमेर जिले के ऊपर उड़ान भर रही हूं। मैं हमारे वीर सैनिकों को हार्दिक शुभकामनाएं और गहरी कृतज्ञता व्यक्त करती हूं। आपको मेरा सादर सलाम। जय हिंद, जय भारत। यह उड़ान लगभग 25 मिनट तक चली। हेलीकॉप्टर पोखरण फायरिंग रेंज के ऊपर से गुजरा, जहां भारतीय वायुसेना शाम को ह्यवायु शक्तिह्न नामक अग्नि शक्ति प्रदर्शन आयोजित करेगी। राष्ट्रपति मुर्मू दिन-दुशाला-रात्रि प्रदर्शन का भी अवलोकन करेंगी। इससे पहले वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह ने राष्ट्रपति का जैसलमेर वायुसेना स्टेशन पर स्वागत किया।आज की इस उड़ान के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आक्रमण हेलीकॉप्टर में उड़ान भरने वाली पहली भारतीय राष्ट्रपति बन गई हैं। यह राष्ट्रपति द्वारा अग्रिम मोर्चे के सैन्य प्लेटफॉर्म के साथ उच्च-स्तरीय सहभागिता की श्रृंखला में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने पिछले वर्ष अक्टूबर में अंबाला वायुसेना स्टेशन पर राफेल लड़ाकू विमान में उड़ान भरी थी, जिससे वह भारतीय वायुसेना के दो अलग-अलग लड़ाकू विमानों में उड़ान भरने वाली पहली भारतीय राष्ट्रपति बनीं। अप्रैल 2023 में उन्होंने असम के तेजपुर वायुसेना स्टेशन पर सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान में लगभग 30 मिनट की उड़ान भरी थी। इस दौरान उन्होंने ब्रह्मपुत्र और तेजपुर घाटी के ऊपर से उड़ान भरते हुए हिमालय का दृश्य भी देखा। एलसीएच प्रचंड भारत का पहला स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया कॉम्बैट हेलीकॉप्टर है, जिसे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने निर्मित किया है। उन्नत एवियोनिक्स, स्टील्थ विशेषताओं, नाइट-अटैक क्षमता और एयर-टू-ग्राउंड व एयर-टू-एयर मिसाइलों, रॉकेट तथा 20 मिमी गन सहित शक्तिशाली हथियारों से लैस एलसीएच भारतीय वायुसेना की युद्ध क्षमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाता है।

केजरीवाल के बरी होने पर बोले पंकज चौधरी बोले

कानून और अदालतों के अपने-अपने काम हैं

बुलंदशहर। भारतीय जनता पार्टी

(भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष और केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने शुक्रवार को कहा कि कानून अपना काम करता है और अदालतें अपना काम करती हैं। शराब नीति मामले में दिल्ली की एक अदालत द्वारा आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को बरी किये जाने पर पंकज चौधरी ने कहा कि "कानून अपना काम करता है और अदालतें अपना काम करती हैं।" दोनों उप मुख्यमंत्रियों (केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक) को मुख्यमंत्री बनाने के संबंध में समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के '100 विधायक' वाले बयान पर उन्होंने कहा कि यह उनकी हताशा बोल रही है। चौधरी ने कहा, "वर्ष 2017 के बाद से उत्तर प्रदेश में जिस प्रकार से स्थिति बदली है और जातिगत राजनीति करने वालों की दुकान बंद हो चुकी है और वे इस हताशा में ऐसी बात कह रहे हैं।"

होली पर रेल यात्रियों की भीड़ संभालने की तैयारी, 1200 से अधिक विशेष ट्रेनें चलेंगी

नयी दिल्ली : होली के मद्देनजर दिल्ली और उत्तर रेलवे के प्रमुख स्टेशनों पर बढ़ने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रेलवे ने व्यापक तैयारियां की हैं। उत्तर रेलवे और अन्य जोनों से संचालित लगभग साढ़े सात सौ विशेष ट्रेनों की घोषणा की जा चुकी है। अधिकारियों का कहना है कि 31 मार्च तक यह संख्या बढ़कर 1200 से अधिक हो जाएगी। इन विशेष ट्रेनों का उद्देश्य त्योहार के दौरान यात्रियों को सुगम और सुरक्षित यात्रा सुविधा उपलब्ध कराना है। रेलवे का अनुमान है कि होली के आसपास

के दिनों में बड़ी संख्या में लोग अपने गृह राज्यों की ओर रवाना होंगे, जिससे दिल्ली के स्टेशनों पर यात्री दबाव बढ़ेगा। इसी को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त ट्रेनों, भीड़ नियंत्रण उपायों और सेवा प्रतिबंधों का खाका तैयार किया गया है। अधिकांश विशेष ट्रेनें दिल्ली के प्रमुख स्टेशनों नयी दिल्ली, पुरानी दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन, आनंद विहार टर्मिनल और दिल्ली सराय रोहिल्ला से संचालित होंगी। इसके अलावा उत्तर रेलवे के अन्य बड़े स्टेशनों से भी विशेष सेवाएं चलाई जाएंगी, ताकि यात्रियों का दबाव एक ही स्थान पर केंद्रित न हो। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, पिछले वर्ष होली के दौरान उत्तर रेलवे ने 280 विशेष ट्रेनें चलाई थीं। इस वर्ष यह संख्या बढ़ाकर साढ़े तीन सौ से अधिक कर दी गई है। अन्य जोनों द्वारा चलाई जा रही विशेष ट्रेनों को मिलाकर कुल संख्या 750 से अधिक हो चुकी है, जो मार्च के अंत तक 1200 के पार पहुंच सकती है। त्योहारी सीजन में नियमित ट्रेनों में टिकट की भारी मांग रहती है। कई यात्रियों को कंफर्म टिकट नहीं मिल पाता, जिससे उन्हें यात्रा में परेशानी होती है। विशेष ट्रेनों के संचालन से ऐसे यात्रियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। रेलवे का कहना है कि अतिरिक्त कोच और विशेष सेवाएं जोड़ने से वेटिंग लिस्ट कम होगी और अधिक यात्रियों को सीट उपलब्ध हो सकेगी।

कोलकाता समेत कई जिलों और बांग्लादेश में महसूस किए गए भूकंप के झटके

कोलकाता : बांग्लादेश के कुछ हिस्सों में 5.5 तीव्रता का भूकंप का झटका महसूस किए जाने के बाद कोलकाता और आसपास के जिलों में शुक्रवार दोपहर झटके महसूस किए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक अधिकारी ने कहा कि भूकंप दोपहर एक बजकर 22 मिनट पर महसूस किया गया। उन्होंने कहा कि भूकंप धरती की सतह से 10 किलोमीटर की गहराई में दर्ज किया गया था। अधिकारी ने बताया कि भूकंप का केंद्र बांग्लादेश के नयाबाजार नामक स्थान में था, जो कोलकाता से लगभग 100 किलोमीटर दूर है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि भूकंप से जानमाल के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। भूकंप के झटके लगभग 10 सेकंड तक महसूस किए गए जिससे कोलकाता के लोग घबरा कर अपने अपने घरों से निकलकर खुली सड़कों पर आ गए। भूकंप के पहले झटके के तुरंत बाद कोई और झटका महसूस नहीं किया गया। राज्य सचिवालय नबान्न, विधानसभा भवन और मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में काम करने वाले सरकारी कर्मचारियों में दहशत फैल गई, जो भूकंप के बाद के झटकों की आशंका में कार्यालय से निकलकर सड़कों पर आ गए। कोलकाता के आईटी हब सॉल्ट लेक और विभिन्न हिस्सों में स्थित बहुमंजिला आवासीय भवनों में भी इसी तरह के दृश्य देखने को मिले।

10 वीं की छात्रा ने बोर्ड परीक्षा के दौरान शौचालय में बच्चे को दिया जन्म, मचा हड़कंप

धार : मध्य प्रदेश के धार जिले में एक निजी स्कूल के शौचालय में कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा दे रही 17 साल की एक लड़की ने समय पूर्व बच्चे को जन्म दिया। छात्रा से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारुल बेलापुरकर ने शुक्रवार को बताया कि यह घटना पीथमपुर शहर के एक निजी स्कूल में हुई जब छात्रा मंगलवार को गणित विषय की परीक्षा दे रही थी। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान किशोरी ने पेट में तेज दर्द की शिकायत की और शौचालय जाने की अनुमति मांगी। अधिकारी ने बताया कि जब वह काफी देर तक कक्षा में वापस नहीं आई, तो परीक्षकों ने शौचालय में देखा जहां उन्हें नवजात शिशु के रोने की आवाज सुनाई दी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉ. प्रशांत कजावे ने बताया कि महिला कर्मचारी मौके पर पहुंचीं और लड़की तथा बच्चे को 108 एम्बुलेंस से सरकारी स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। उन्होंने कहा कि किशोरी और बच्चे दोनों की हालत स्थिर है। कजावे ने बताया कि शुरूआती जांच से पता चला है कि लड़की को 34 हफ्ते (आठ महीने) का गर्भ था और बच्चे का जन्म समय से पहले हो गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कहा कि इस संबंध में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है और मामला बेटमा थाने को स्थानांतरित कर दिया गया है। किशोरी ने बेटमा पुलिस को दिए अपने बयान में कहा कि वह एक नृत्य कार्यक्रम में हिस्सा लेने के दौरान एक लड़के से मिली थी और उसने उसके साथ दुष्कर्म किया, जिससे वह गर्भवती हो गई। अधिकारी ने कहा कि छात्रा ने यह भी आरोप लगाया कि लड़के ने उसे चुप रहने की धमकी दी थी और इसलिए उसने अपने माता-पिता को दुष्कर्म के बारे में नहीं बताया। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

यूपी में होली पर 4 दिन बंद रहेंगे स्कूल,कॉलेज और सरकारी दफ्तर

लखनऊ,। योगी सरकार ने होली के त्योहार को देखते हुए प्रदेश के लाखों सरकारी कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं के लिए बड़ी राहत की घोषणा की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आदेश जारी किया है कि होली के अवसर पर प्रदेश के स्कूल, कॉलेज और सरकारी दफ्तर लगातार तीन दिनों तक बंद रहेंगे। आधिकारिक कैलेंडर के अनुसार, 2, 3 और 4 मार्च को सार्वजनिक अवकाश रहेगा। 1 मार्च को रविवार है इसलिए प्रदेश में लगातार चार दिनों तक अवकाश का माहौल रहेगा। हालांकि, छुट्टियों के इस लंबे अंतराल को देखते हुए प्रशासनिक व्यवस्था में एक विशेष बदलाव किया गया है। 28 फरवरी को कार्यदिवस घोषित किया गया है, ताकि वेतन संबंधी प्रक्रियाएं और जरूरी विभागीय कार्य समय से पूरे किए जा सकें। इसके बदले में सरकार ने 3 मार्च को विशेष अवकाश देने का निर्णय लिया है, जिससे कर्मचारियों को अपने पैतृक निवास जाने और त्योहार मनाने में सुविधा होगी।मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों की आर्थिक खुशियों का ध्यान रखते हुए यह भी निर्देश दिया है कि फरवरी माह का वेतन होली से पहले ही जारी कर दिया जाए। आदेश केवल नियमित कर्मचारियों के लिए ही नहीं, आउटसोर्सिंग कर्मियों, संविदाकर्मियों और सफाई कर्मचारियों पर भी समान रूप से लागू होगा। सीएम ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि वेतन भुगतान में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होगी। बैंकिंग सेवाओं को लेकर भी प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट की है। सरकारी आदेश और बैंक कैलेंडर के अनुसार, 2 से 4 मार्च तक बैंक शाखाएं बंद रहेंगी, लेकिन इस दौरान एटीएम और ऑनलाइन बैंकिंग सेवाएं पूरी तरह सक्रिय रहेंगी।

विज्ञान प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन करते हुये मुख्य अतिथि अपर महाप्रबन्धक विनोद कुमार शुक्ल

गोरखपुर : अपर महाप्रबन्धक विनोद कुमार शुक्ल के मुख्य आतिथ्य में 27 फरवरी,2026 को पूर्वोत्तर रेलवे सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल,गोरखपुर का वार्षिकोत्सव सम्पन्न हुआ।इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने छात्र-छात्राओं द्वारा लगाई गई विज्ञान प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री मनोज कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने स्कूल की वार्षिक पत्रिका ह्याप्रेगेंसह्य का विमोचन किया तथा विभिन्न शैक्षिक व शिक्षणेत्तर गतिविधियों में उल्लेखनीय कार्यों एवं उपलब्धियों के लिये छात्र-छात्राओं एवं अध्यापक-अध्यापिकाओं को पुरस्कृत किया। मुख्य अतिथि श्री शुक्ल ने छात्र-छात्राओं द्वारा बनाये गये विज्ञान माडलों- सोलर सिस्टम, स्वचालित कार, हाइड्रोलिक ब्रिज मैगनेटिक टेज्न आदि का गहन अवलोकन किया तथा मॉडलों एवं उनकी क्रियाविधि से सम्बन्धित जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसकी विशिष्ट अतिथि एवं अन्य लोगों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। विशिष्ट अतिथि प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री मनोज कुमार ने शैक्षिक सत्र 2026-27 मेंविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी का पुरस्कार नंदिनी चौधरी कक्षा ग्यारह-ए को, तथा खेलकूद में ओवरऑल चैम्पियन का पुरस्कार श्रेया मिश्र (ब्लू हाउस) को प्रदान किया। उन्होंने कक्षा चार से कक्षा बारह तक प्रथम स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं को भी पुरस्कृत किया। विद्यालय का साहित्यिक वर्ग शील्ड रेड हाउस को वार्षिक खेलकूद शील्ड ब्लू हाउस को तथा ओवर ऑल शील्ड ब्लू हाउस को प्रदान की गई। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि ने अपने सम्बोधन में छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास पर बल देते हुये कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल,गोरखपुर शहर का अति प्राचीन विद्यालय है। इसकी स्थापना सन् 1907 में हुई थी। इस विद्यालय की गौरवमयी विरासत को अक्षुण्ण रखना है, यह हम सभी की जिम्मेदारी है और इसके लिये हमें कठिन परिश्रम करना आवश्यक है। प्रधानाचार्य श्री सूरज सिंह रावत ने विद्यालय के वार्षिक गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा विद्यालय के भविष्य की योजनाओं से अवगत कराया व उत्तरोत्तर विकास एवं बुलन्दियाँ छूने का संकल्प व्यक्त किया। अन्त में स्कूल के कार्यकारी अधिकारी एवं रेलवे भर्ती सेल के अध्यक्ष श्री राजेश कुमार गुप्ता ने विशिष्ट अतिथि एवं उपस्थित अतिथियों के स्कूल आगमन पर धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने विद्यालय के गौरवमयी स्तर को बनाये रखने के साथ-साथ छात्र-छात्राओं को निरन्तर आगे बढ़ने और बुलन्दियाँ छूने के लिये प्रेरित किया।

संक्षिप्त खबरें

एनजीओ के हाथ होगी गोशालाओं की व्यवस्था

बस्ती। देखरेख की कमी कहें या फिर ढिलाई अब शासन गोशालाओं को निजी हाथों में देने का फैसला किया है। गोशाला में संरक्षित पशुओं की देखभाल सरकारी कर्मी नहीं, बल्कि अब एनजीओ के कर्मी करते दिखेंगे। इसकी तैयारी शुरू हो गई है। जनपद में अभी 63 गोशालाएं संचालित हैं। इसमें 55 गोशाला ग्राम पंचायतों के अधीन हैं। नगर पालिका के अधीन तीन कान्हा गोशाला हैं, वहीं पांच गोशाला जिला पंचायत के अधीन संचालित हैं। यहां 3620 पशु संरक्षित किए गए हैं। अक्सर गोशालाओं में जांच के दौरान अव्यवस्था सामने आती है। कहीं, चारा की कमी तो कहीं-कहीं गंदगी और अन्य खामियां उभर कर सामने आ जाती हैं। इससे विभाग की छवि खराब होती है। अब इस समस्याओं के निजात के लिए प्रदेश स्तर पर इन गोशालाओं को एनजीओ के अधीन संचालित करने का फैसला किया गया है। विभाग के अनुसार, प्रति पशु 50 रुपये रोजाना मिलता है। इतने रुपये में ही एनजीओ को भी देखरेख करना होगा। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि आवेदन मांगे गए हैं। इच्छुक एनजीओ और स्वयंसेवी संस्थाएं गोशाला संचालन के लिए संपर्क कर सकते हैं। मानक पूरा करने वाले एनजीओ को यह जिम्मेदारी दी जानी है। बताया कि जो एनजीओ गोशाला के संचालन का जिम्मा उठाएंगी उन्हें तय मानक के अनुसार भुगतान किया जाएगा। ग्राम पंचायत, नगर निकाय और जिला पंचायत के अधीन 63 गोशालाएं संचालित हैं।

होली से पहले निगम के कर्मचारियों को मिलेगा महंगाई भत्ता

बस्ती। परिवहन निगम के नियमित/पूर्णकालिक कार्यरत कार्मिकों को होली से पूर्व महंगाई भत्ते का भुगतान किया जाएगा। इसके लिए वित्त नियंत्रक अजय जौहरी की ओर से दिशा-निर्देश जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के नियमित और पूर्णकालिक कर्मियों को होली से पहले बड़ी राहत देते हुए महंगाई भत्ते (डीए) में अब तक की गई बढ़ोतरी के भुगतान का निर्णय लिया गया है। निगम के वित्त नियंत्रक अजय जौहरी की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि शासन स्तर पर गठित अधिकृत समिति की स्वीकृति के बाद भुगतान का निर्णय लिया गया है। निदेर्शानुसार, प्रत्येक नियमित कर्मचारी को पांच हजार रुपये का अग्रिम भुगतान किया जाएगा। यह राशि आगामी स्वीकृत किस्तों के एरियर में समायोजित की जाएगी। जिन कर्मियों की अग्रिम धनराशि एरियर में समायोजित नहीं हो सकेगी, उनकी राशि आगामी महीने के वेतन से समायोजित की जाएगी। मुख्यालय से वित्तपोषित इकाइयों को छोड़कर अन्य इकाइयों को यह भुगतान निगम की आय से नगद करने के लिए अधिकृत किया गया है। होली अवकाश को देखते हुए सभी संबंधित इकाइयों को त्योहार से पूर्व भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इस संबंध में एआरएम आयुष भटनागर ने बताया कि होली से पहले नियमित परिवहन कर्मियों को महंगाई भत्ते में वृद्धि और अग्रिम भुगतान का लाभ मिलेगा। निगम के इस निर्णय से कर्मचारियों में उत्साह का माहौल है। इसका लाभ करीब पांच सौ कर्मचारियों को मिलेगा।

401 परीक्षार्थियों ने छोड़ी बोर्ड परीक्षा

बस्ती। यूपी बोर्ड के हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा के दौरान बृहस्पतिवार को काफी राहत महसूस की गई। सुबह की पॉली में हाईस्कूल गुजराती सिंधी और इंटरमीडिएट कृषि भौतिकी व कृषि जंतु विज्ञान विषय की परीक्षा कराई गई। इसमें परीक्षार्थियों की संख्या काफी कम होने से केंद्रों पर सन्नाटा पसरा रहा, कुल 401 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। सुबह केवल आठ केंद्रों पर यह परीक्षा कराई गई। गुजराती सिंधी में केवल दो विद्यार्थी पंजीकृत रहे। इसमें एक ही परीक्षार्थी परीक्षा में हिस्सा लिए। जबकि कृषि भौतिकी व कृषि जंतु विज्ञान विषय में पंजीकृत 233 में से 225 परीक्षार्थी उपस्थित हुए। आठ परीक्षार्थी अनुपस्थित हुए। द्वितीय पॉली में इंटरमीडिएट भूगोल विषय की परीक्षा हुई। इसमें पंजीकृत 6711 में से 6318 परीक्षार्थी उपस्थित हुए। जबकि 393 परीक्षार्थी अनुपस्थित हो गए।

पात्रों तक पहुंचाएं योजनाओं का लाभ

बस्ती। उत्तर प्रदेश शासन की प्राथमिकताओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा मंडलायुक्त अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में आयुक्त सभागार में बृहस्पतिवार को हुई। इस दौरान विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्धियों, वित्तीय, भौतिक प्रगति तथा लंबित प्रकरणों की विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने निर्देश दिया कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से पहुंचाएं। उन्होंने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, जल निगम, नियोजन, पंचायतीराज, पंचम वित्त राज आयोग, पर्यटन, लोकनिर्माण, लोक शिकायत, कृषि, छात्रवृत्ति, जलजीवन मिशन, फैमिली आईडी आदि योजनाओं की समीक्षा की।

15 दिवसीय माटी कला शिल्पकारी प्रशिक्षण शुरू

बस्ती। उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के मंडलीय खादी ग्राम उद्योग प्रशिक्षण केंद्र पिकौरा बक्श बस्ती में 26 फरवरी से 13 मार्च 2026 तक आयोजित 15 दिवसीय माटी कला शिल्पकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम का बृहस्पतिवार को शुभारंभ हुआ। सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर, अयोध्या व बस्ती के प्रशिक्षणार्थियों के बैच का शुभारंभ जिला सेवायोजन अधिकारी अवधेंद्र प्रताप वर्मा ने किया। मुख्य अतिथि ने लाभार्थियों को माटी कला से संबंधित विभिन्न उत्पादों की जानकारी तथा उसकी महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि परंपरागत मशीनों के स्थान पर आधुनिक माटी कला से संबंधित मशीनों का शत प्रतिशत उपयोग कर अधिक उत्पादन कर अधिक लाभ अर्जित किया जा सकता है। इस प्रशिक्षण केंद्र के प्राचार्य ध्यानचंद ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की उपयोगिता तथा महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही प्रशिक्षण के दौरान लाभार्थियों को अनुमन्य सभी सुविधाएं मुहैया कराने एवं प्रशिक्षण समाप्ति के उपरांत लाभार्थियों के खाते में 15 दिन की छात्रवृत्ति उपस्थिति के आधार पर ढाई सौ रुपया प्रतिदिन की दर से कुल 3750 मंत्र लाभार्थी के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से प्रेषित की जाएगी।

मासूम संग दुष्कर्म की कोशिश, ग्रामीणों ने आरोपी को पीटा

कप्तानगंज (बस्ती)। थाना क्षेत्र के एक गांव में मासूम बच्ची संग दुष्कर्म की कोशिश का मामला बृहस्पतिवार को प्रकाश में आया है। ग्रामीणों ने आरोपी युवक की जमकर पिटाई कर दी। इससे उसकी हालत नाजुक हो गई। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया है। युवक हरैर्या थाना क्षेत्र के एक गांव का रहने वाला बताया जा रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक आरोपी युवक का कप्तानगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती से संबंध था। वह वहां अक्सर आया-जाया करता था। मासूम युवती के घर के बगल रहती है। बताया जा रहा है कि देर शाम 7:50 मासूम घर के बाहर थी। इस बीच आरोपी युवती के घर से निकला और उसकी नजर मासूम पर पड़ गई। आरोप है कि आरोपी मासूम को पास में झाड़ी में ले जाकर दुष्कर्म की कोशिश करने लगा। इस बीच किसी की नजर उस पर पड़ गई। शोर मचाने पर आसपास के लोग जुट गए और युवक को पकड़ कर जमकर पिटाई कर दी। पुलिस को सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल आरोपी को लोगों के चंगुल से छुड़ाकर अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना पर आरोपी के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए।

प्रधानाचार्य अरूण कुमार सक्सेना ने कार्यक्रम के अन्त में ए.आई. (आर्टिफिशियल इन्टेलीजेंस) वर्कशॉप में उपस्थित मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया

गोरखपुर : एन.ई.रेलवे गर्ल्स इण्टर कालेज,गोरखपुर में 27 फरवरी,2026 को ए.आई. (आर्टिफिशियल इन्टेलीजेंस) पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री मनोज कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि श्री मनोज कुमार ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुये कहा कि यह मेरा नहीं आप का समय है और आपके आस-पास विश्व में क्या हो रहा है आपको यह जानना ज्यादा महत्वपूर्ण है। लर्निंग ए.आई. (आर्टिफिशियल इन्टेलीजेंस) केवल यूथ के लिये नहीं बल्कि भविष्य में क्या होने जा रहा है और आप ए.आई.(आर्टिफिशियल इन्टेलीजेंस) को कैसे कंट्रोल करने जा रहे हैं यह महत्वपूर्ण है। यह आप के द्वारा ही कंट्रोल होता है जो कि ए.आई. (आर्टिफिशियल इन्टेलीजेंस) से ज्यादा इंटेलिजेंट हैं। इसलिये इस स्थिति में आप पुस्तकों पर ज्यादा निर्भर हों क्योंकि आर्टिफिशियल इन्टेलीजेंस टूल्स केवल आपका हेल्पिंग टूल्स हैं और अपने ज्ञान के लिये इस पर निर्भर न हों। आप को अपनी क्षमता को बढ़ाना होगा और अपनी स्टडी पर ज्यादा फोकस करना होगा, जिससे आप आने वाले समय में इस तकनीकी को कंट्रोल कर सकें। कार्यशाला में छात्राओं को आर्टिफिशियल इन्टेलीजेंस के विभिन्न टूल्स के फीचर एवं उनके उपयोग के साथ-साथ इन टूल्स के प्रयोग के समय आवश्यक जोखिम एवं सावधानियों के बारे में भी बताया गया। मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रदर्शित ए.आई. (आर्टिफिशियल इन्टेलीजेंस) आधारित माडल का अवलोकन किया। प्रधानाचार्य अरूण कुमार सक्सेना ने कार्यक्रम के अन्त में ए.आई. (आर्टिफिशियल इन्टेलीजेंस) वर्कशॉप में उपस्थित मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से/होकर कुल 94 होली विशेष ट्रेनें 510 फेरों में चलाई जा रही हैं

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से देश के महानगरों एवं अन्य प्रमुख नगरों के लिये यात्रा करने वाले आरम्भिक यात्रियों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये, रिकॉर्ड संख्या में होली विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। ये ट्रेनें पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से अम्बाला, अमृतसर, चंडीगढ़, कोलकाता (सियालदह), धनबाद, आसनसोल, नई दिल्ली, हैदराबाद, पुणे, मुम्बई, गोंदिया, पुरी, राजकोट, वलसाड, वडोदरा, गुवाहाटी, राँची, श्री गंगानगर, जयपुर, जोधपुर आदि नगरों हेतु चलाई जा रही हैं। होली पर्व के उपरान्त यात्रियों को उनके गंतव्य तक वापसी हेतु बढ़ती मांग को देखते हुये पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से देश के महानगरों एवं अन्य प्रमुख नगरों के लिये 64 होली विशेष ट्रेनें 342 फेरों में चलाई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से होकर देश के प्रमुख नगरों के लिये 30 होली विशेष ट्रेनें 168 फेरों में चलाई जा रही हैं। इस प्रकार, पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से/होकर कुल 94 होली विशेष ट्रेनें 510 फेरों में चलाई जा रही हैं। इन होली विशेष ट्रेनों से यात्रा का विकल्प चुनकर रेल यात्री अपनी यात्रा को सुगम एवं आनन्ददायक बना सकते हैं। पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर से देश के प्रमख नगरों कोलकाता (सियालदह-06 फेरे), आसनसोल (06 फेरे), धनबाद (02 फेरे), मुम्बई (छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-32 फेरे एवं पुणे-32 फेरे), नई दिल्ली (14 फेरे), चंडीगढ़ (04 फेरे), गुवाहाटी (नारंगी-12 फेरे), राँची (10 फेरे) एवं वडोदरा (10 फेरे), हैदराबाद (08 फेरे), श्री गंगानगर (10 फेरे), जोधपुर (08 फेरे) आदि स्टेशनों के लिये होली विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त गोमती नगर से जयपुर (खातीपुरा-08 फेरे) एवं पुरी (मालतीपाटपुर-10 फेरे); बढ़नी से अमृतसर (08 फेरे); बनारस से मुम्बई (लोकमान्य तिलक टर्मिनस-08 फेरे एवं मुम्बई सेन्ट्रल-08 फेरे); छपरा से गोंदिया (02 फेरे); मऊ से अम्बाला कैंट (08 फेरे), जोधपुर (10 फेरे), वलसाड (04 फेरे) एवं वडोदरा (12 फेरे); गाजीपुर सिटी से मुम्बई (पुणे-08 फेरे); प्रयागराज रामबाग से अयोध्या कैंट (20 फेरे); लालकुआँ से राजकोट (10 फेरे), कोलकाता (08 फेरे) एवं किशनगंज (08 फेरे); टनकपुर से अछनेरा (46 फेरे) तथा काठगोदाम से मुम्बई सेन्ट्रल (10 फेरे) इत्यादि स्टेशनों के मध्य होली विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसी प्रकार, इस रेलवे के अन्य स्टेशनों से होकर देश के प्रमुख नगरों के लिये 30 होली विशेष ट्रेनें 168 फेरों में संचालित हो रही हैं। इन ट्रेनों के संचलन से मार्गवर्ती स्टेशनों के यात्रियों को जाने/आने में काफी सुविधा हो रही है। यात्रियों से अपील है कि यात्रा कार्यक्रम बनाते समय विशेष ट्रेनों में नियमित ट्रेनों के अतिरिक्त भी बर्थों की उपलब्धता की अवश्य जाँच कर लें। यात्रीगण ट्रेनों से सम्बन्धित सभी प्रकार की जानकारी रेलवन ऐप से प्राप्त कर सकते हैं।

नमामि गंगे ने गंगा किनारे महादेव संग खेली होली

वाराणसी। रंगभरी एकादशी के पावन पर्व पर गंगा किनारे महादेव के साथ होली खेलकर नमामि गंगे के सदस्यों ने काशी में रंगोत्सव की शुरूआत की। इस दौरान गंगा सेवकों ने महादेव संग खूब होली खेली। नमामि गंगे गंगा विचार मंच के जिला संयोजक शिवम अग्रहरि के संयोजन में गायघाट पर देवाधिदेव महादेव के विग्रहों को गंगाजल से स्नानादि के बाद पुष्पहार, धूप दीप, नैवेद्य आदि अर्पित की गई। महादेव को हर्बल अबीर, गुलाल समर्पित करने के साथ ही काशी में रंगोत्सव का आगाज हो गया। विविध रंगों के मेल से रंगोली आर्टिस्ट चांदनी विश्वकर्मा ने आकर्षक रंगोली में बाबा श्री काशी विश्वनाथ व माता गौरा की सुंदर कलाकृति बनाई। ओम जय शिव ओमकारा की धुन के साथ आरती प्रारंभ हुई तो सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से सहभागिता की। हर- हर महादेव के जयघोष से पूरा गंगातट गुंजायमान रहा। गंगासेवियों ने नाविकों, स्थानीय दुकानदारों, पुरोहितों आदि को अबीर-गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दी। संदेश दिया कि होली सामाजिक सद्भाव व आत्मीय संबंधों को प्रांगण करने का अवसर प्रदान करता है। इस दौरान रामप्रकाश जायसवाल, जय विश्वकर्मा, रश्मि साहू, रेनू जायसवाल, किरण पांडेय, चारुशिला सिन्हा, सपना वर्मा, ऊषा गुप्ता, सुमित मध्येशिया, शिवा, निखिल शामिल रहे।

बीएचयू में होली पार्टी के लिए डीजे की अनुमति नहीं, बिजली कनेक्शन भी काटा

वाराणसी। बीएचयू में शुक्रवार को उस समय छात्रों का गुस्सा फूट गया, जब होली पार्टी के दौरान बिजली काट दी गई। छात्रों ने डीजे के लिए अनुमति न मिलने और बिजली कनेक्शन काटने को लेकर विरोध जताया। बीएचयू के कला संकाय और बिड़ला छात्रावास की तरफ से आयोजित होली के कार्यक्रम में डीजे की अनुमति न मिलने पर छात्रों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। उनका कहना है कि डीजे की अनुमति नहीं मिली। इसके बाद ढोल की व्यवस्था करने के साथ ही हॉस्टल के रूम में बजाने वाला छोटा साउंड लाया गया लेकिन बिजली कनेक्शन काट दिया गया। इसे लेकर छात्रों ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया।

पिस्तौल दिखाकर धमकाने का आरोप

बस्ती। पिस्तौल दिखाकर धमकाने के आरोप में पुलिस तीन लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की है। थानाक्षेत्र के खमोखर निवासी विजय कुमार ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया है कि गांव के बाहर रोड पर कपड़े व कॉस्मेटिक की दुकान है। दुकान बंद कर वह किसी काम से दिल्ली चला गया था। 10 नवंबर 2025 की रात दुकान का ताला तोड़कर आरोपी मोहित व राजा इन्वर्टर की बैटरी व कास्मेटिक का करीब 50 हजार के सामान चुरा ले गए। इसके बाद वह किसी चोरी के मामले में जेल चला गया। पांच फरवरी को जेल से छुटकर आया तो पूछा कि दुकान से जो सामान चोरी किया था उसे वापस कर दो। इस पर वह भड़क गया और 17 फरवरी की रात करीब 10 बजे मोहित का भाई रोहित ने घर पर आकर पिस्तौल निकाल कर जान से मारने की धमकी दी।

सहायक सचिव/गोपनीय, महाप्रबन्धक कार्यालय अफजाल अहमद के सेवानिवृत्ति पर उनको स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुये महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर

गोरखपुर: महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने 27 फरवरी,2026 को महाप्रबन्धक सभाकक्ष में 28 फरवरी,2026 को सेवानिवृत्त होने वाले सहायक सचिव/गोरखपुर श्री अफजाल अहमद को स्मृति चिन्ह प्रदान कर भावभीनी विदाई दी तथा उनके स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना की । प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री मनोज कुमार ने 28 फरवरी,2026 को सेवानिवृत्त हो रहे महाप्रबन्धक के सहायक सचिव/गोपनीय श्री अफजाल अहमद एवं सहायक सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/निर्माण श्री रामप्रकाश को अपने कक्ष में समापक राशि का प्रपत्र एवं सेवा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों के स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना की। इसके अतिरिक्त उप मुख्य कार्मिक अधिकारी/मुख्यालय श्री वी.के.द्विवेदी ने कार्मिक विभाग के सभा कक्ष में 27 फरवरी, 2026 को आयोजित एक समारोह में 28 फरवरी, 2026 को सेवानिवृत्त हो रहे 09 अराजपत्रित रेलकर्मियों को समापक राशि का प्रपत्र एवं सेवा प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सेवा निवृत्त रेल कर्मियों को सम्बोधित करते हुए उप मुख्य कार्मिक अधिकारी/मुख्यालय श्री वी.के.द्विवेदी ने कहा कि आप सभी ने अपने जीवन का एक लम्बा समय रेलवे को दिया है। आपके अनुभव से हम आगे भी लाभ उठाते रहेंगे। इस अवसर पर कार्मिक एवं लेखा विभाग के अधिकारी, यूनियन के पदाधिकारी तथा सेवानिवृत्त होने वाले रेल कर्मियों के परिजन उपस्थित थे।लेखा विभाग में आयोजित एक अन्य समारोह में 28 फरवरी, 2026 को सेवानिवृत्त हो रहे राजपत्रित अधिकारी सहायक वित्त सलाहकार/रेल दावा अधिकरण, गोरखपुर श्री छठ्ठू राम को वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी/डब्ल्यू.एस.टी रोहित कुमार निरंजन ने समापक राशि का प्रपत्र एवं सेवा प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके सुखमय जीवन की कामना की।

वाराणसी से मिजार्पुर तक आयकर का ऑपरेशन क्लीन, पूर्वांचल में पहली बार हाईटेक कार्रवाई

वाराणसी। पूर्वांचल के कई जिलों में आयकर विभाग की टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। खनन कारोबारियों के ठिकानों पर एआई बार एआई और ड्रोन की सहायता से छापा मारा। आयकर विभाग की 200 सदस्यीय टीम ने बृहस्पतिवार को वाराणसी, सोनभद्र और मिजार्पुर के छह बड़े खनन कारोबारियों के ठिकानों पर कार्रवाई की। दिल्ली से आई तकनीकी विशेषज्ञों की टीम और गूगल की सहायता से खदानों का हवाई सर्वेक्षण किया गया। ड्रोन मैपिंग के जरिये खदानों की वास्तविक स्थिति जांची गई, जिसके बाद एआई सॉफ्टवेयर ने महज 4 घंटे में डेटा इंटरप्रिटेशन कर अवैध खनन और स्टॉक की सटीक जानकारी विभाग को उपलब्ध करा दी। बताया जा रहा है कि छापे में विभाग ने अब तक 10 करोड़ रुपये की संपत्ति और नकदी जब्त की है। जांच के दौरान टीम को कारोबारियों के पास से कई बेनामी खातों और संदिग्ध निवेश के दस्तावेज मिले हैं। विभाग ने तत्काल प्रभाव से 10 प्रमुख बैंक खातों पर प्रोहिबिटरी ऑर्डर (पीओ) लगा दिया है। अधिकारियों का कहना है कि इस करोड़ों के घोटाले में केवल कारोबारी ही नहीं, बल्कि खनन विभाग के कई रसूखदार अधिकारी भी रडार पर हैं। अभी और खुलेंगे राज आयकर विभाग की टीमें अभी भी दस्तावेजों की पड़ताल कर रही हैं। डिजिटल साक्ष्यों और जब्त कागजातों के आधार पर कई अन्य सफेदपोशों और अधिकारियों के नाम सामने आने की प्रबल संभावना है।

से निगरानी की जा रही है। ड्रोन उड़ाकर जांच भी किए गए। पूर्वांचल में आयकर विभाग ने पहली

1000 करोड़ का ठग दुबई से गिरफ्तार

लखनऊ,। शाइन सिटी ग्रुप के प्रमोटर और 1000 करोड़ के ठग राशिद नसीम को दुबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम उसे लखनऊ लेकर आएगी। 10 महीने पहले लखनऊ की विशेष अदालत ने राशिद को भगोड़ा घोषित किया था। राशिद नसीम और उसकी कंपनियों के खिलाफ पुलिस करीब 554 एफआईआर दर्ज कर चुकी है। आरोप है कि निवेश के नाम पर उसने लोगों से 800 से 1000 करोड़ रुपए की ठगी की है। लुभावने रिटर्न का वादा कर लोगों से पैसा वसूला गया और फिर 2019 में राशिद नसीम देश छोड़कर दुबई फरार हो गया था। दुबई पुलिस ने ईडी और आर्थिक अपराध शाखा (एडब) के अनुरोध पर ये कार्रवाई की है। संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय एजेंसियों के कॉर्डिनेशन से राशिद को पकड़ा गया है। लंबे समय से उसकी लोकेशन ट्रेस की जा रही थी। 1000 करोड़ की प्रॉपर्टी पहले ही जब्त सरकारी एजेंसियों ने राशिद और उससे जुड़ी कंपनियों की सैकड़ों करोड़ की संपत्तियां जब्त की हैं। 2021 में जारी एक ऑडियो में राशिद ने खुद दावा किया था कि सरकार उसकी करीब 500 करोड़ रुपए की संपत्ति कब्जे में ले चुकी है, जिसकी मौजूदा कीमत लगभग 1000 करोड़ रुपए बताई जाती है।

संक्षिप्त समाचार

बिजली तारों व ट्रांसफार्मर के पास न करें होलिका दहन

ग्वालियर। होली पर्व को सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल ढंग से मनाने के लिए जिला प्रशासन ने जिलेवासियों से सावधानी बरतने की अपील की है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि डामरीकृत सड़कों, बिजली व टेलीफोन तारों के नीचे तथा ट्रांसफार्मर के समीप होलिका दहन न किया जाए, ताकि आगजनी और दुर्घटनाओं से बचा जा सके। होलिका दहन में कंडों और नगर निगम की गौशाला में गोबर से निर्मित लकड़ी के उपयोग की सलाह दी गई है। साथ ही हर्बल रंग-गुलाल से आपसी भाईचारे के साथ होली मनाने तथा ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग रात्रि 10 बजे तक सीमित रखने की अपेक्षा की गई है।

श्रेया को सफलता

ग्वालियर। लिटिल जायंट्स इंटरनेशनल स्कूल, पोरसा की

छात्रा श्रेया अग्रवाल ने इतिहास रचा है। श्रेया ने जॉइंट एनटेरेंस एग्जामिनेशन मेन में 90.02 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। श्रेया ने हाईस्कूल की पढ़ाई एलजीआईएस स्कूल से की है। विद्यालय परिवार ने श्रेया को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी है।

वीर सावरकर को भारत रत्न देने की मांग

ग्वालियर। अखिल भारत हिन्दू महासभा ग्वालियर इकाई द्वारा स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर की 60वीं पुण्यतिथि पर स्वतंत्र वीर सावरकर सरोवर स्थित प्रतिमा स्थल पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। सभा के मुख्य वक्ता डॉ. जयवीर भारद्वाज, विशिष्ट अतिथि पवन गुप्ता, सरला शर्मा एवं लोकेश शर्मा रहे। अध्यक्षता रामबाबू सेन ने की। इस मौके पर मुख्य वक्ता ने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में वीर सावरकर एवं उनके भाइयों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने अंडमान-निकोबार की सेल्युलर जेल में दस साल की आजीवन कारावास की सजा काटी और कठोर यातनाएं झेलीं। इसके बावजूद उन्हें अब तक भारत रत्न से सम्मानित नहीं किया गया है। उन्होंने केंद्र सरकार से शीघ्र वीर सावरकर को भारत रत्न प्रदान करने की मांग की। सभा के अंत में कार्यकर्ताओं ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

विकास का मुख्य इंजन है युवा शक्ति : टेलर

ग्वालियर आगमन पर जोरदार स्वागत

■ ग्वालियर

भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर का गुरुवार को नगरागमन पर जोरदार स्वागत किया गया। तत्पश्चात कैंसर हॉस्पिटल के सभाकक्ष में युवा बजट संवाद में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रतीक तिवारी ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। मुख्य अतिथि श्याम टेलर ने ग्वालियर की भूमि को नमन करते हुए ग्वालियर की आवाज को भाजपा कि आवाज बताया। बजट को परिभाषित करते हुए कहा कि कैसे 2026 के आम बजट में युवा शक्ति को विकास का मुख्य इंजन माना गया है। उन्होंने कहा कि बजट में युवाओं के लिए शिक्षा, कौशल विकास अंतर्गत नई यूनिवर्सिटी, हर जिले मे गर्ल्स हॉस्टल, आईटीआई कॉलेज का अपग्रेडेशन, एजुकेशन टू एम्प्लॉयमेंट स्कीम, स्टार्ट अप के लिए कॉरपोरेट मित्र, टेक्नोलॉजी, स्पोर्ट्स, पर्यटन आदि को सम्मिलत किया गया है। जिससे युवाओं को रोजगार मिलने के साथ उनका सर्वांगीण विकास होगा। भाजपा महानगर अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने भाजपा में युवाओं के भविष्य को उज्जवल बताते हुए कहा कि भाजपा ही एकमात्र पार्टी है जिसमें 45 वर्ष के युवा भी अपनी प्रतिभा के दम पर राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जा सकते है। संचालन मोर्चा महामंत्री राहुल भदौरिया ने किया। अतिथियों का स्वागत प्रिंस मझवार,अमित जैन, गौरव मिश्रा, पंकज वाजपेयी ने किया। कटोरताल पर विवेक तिवारी, सागर पंडित,धीरज दुबे, राहुल दुबे, उदय अग्रवाल बल्ली दुबे आदि ने स्वागत किया।

जड़ में हिंदुत्व : कांग्रेस हताशा में कर रही अराजकता

भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर कहा है कि भाजपा का कार्यकर्ता सदैव राष्ट्रवाद की ऊर्जा से परिपूर्ण रहता है। उन्होंने युवा साथियों द्वारा दिखाए गए उत्साह को भाजपा और कार्यकर्ताओं की पहचान बताया। कांग्रेस द्वारा दिल्ली में आयोजित एआई समिट में किए गए प्रदर्शन पर श्याम टेलर ने कहा कि कांग्रेस का अर्धनग्न प्रदर्शन उसकी 'निम्न और ओछी मानसिकता' को दर्शाता है। यह प्रदर्शन भारत के बढ़ते गौरव, प्रधानमंत्री के सम्मान और भारतीय संस्कृति के सम्मान के खिलाफ है। उन्होंने इसे चुनावों में लगातार मिल रही हार से उपजी कांग्रेस की हताशा बताया। उन्होंने कहा कि अराजकता का यह रास्ता उनकी 'देश विरोधी मानसिकता' का परिचायक है। भोजशाला को लेकर एएसआई की रिपोर्ट सामने आने पर कहा कि इस देश की मूल संस्कृति और विचारधारा भारत की संस्कृति ही है। टेलर ने कहा भारत में हर जगह खोज करने पर मूल में हिंदुत्व ही मिलेगा। राहुल गांधी के 'बब्बर शेर' वाले बयान और 'केरला -02' फिल्म के विरोध से जुड़े सवालों पर टेलर ने कहा कि यदि देश विरोधी नारे लगाने वालों का समर्थन करना और 'भारत तेरे टुकड़े होंगे' जैसी मानसिकता का समर्थन करना ही 'बब्बर शेर' होना है, तो उन्हें राहुल गांधी की सोच पर तरस आता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास अब केवल अपनी 'फ्रस्ट्रेशन' निकालने के अलावा कोई मार्ग नहीं बचा है। उन्होंने राहुल गांधी को अपनी मानसिकता सुधारने या देश छोड़कर चले जाने की सलाह दी।

निकला भव्य रोड शो

प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर रोड शो करते हुए लोकमाता अहिल्या बाई होलकर प्रतिमा, अचलेश्वर महादेव के अभिषेक मे सम्मिलित होते हुए। इंदरगंज चौराहा, पाटनकर, दौलतगंज, महाराज बाड़ा होते हुए भाजपा कार्यालय मुखर्जी भवन पहुंचे। जहां पंडित दीनदयाल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। तत्पश्चात वरिष्ठ भाजपा नेता वैद्य गजेंद्रगडकर सहित अन्य नेताओं से मुलाकात की।

लायंस क्लब सदस्यों की रंगारंग डिस्को होली पार्टी

ग्वालियर। लायंस क्लब ग्वालियर आराध्या द्वारा एक होटल में डिस्को होली पार्टी का आयोजन किया गया। सभी ने डीजे पर होली के गीतों पर झुमके लगाए और आपसी सौहार्द के साथ रंगोत्सव का आनंद लिया। रंगों और उमंग से सराबोर इस कार्यक्रम में क्लब की सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए होली के गीतों पर जमकर धमाल भी मचाया। कार्यक्रम की संयोजिका लायन नीलम अग्रवाल एवं लायन रीना अग्रवाल रहीं। आयोजन में हाउसी और विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पंक्चुअलिटी अवॉर्ड सोनल अग्रवाल और अंजू गर्ग को प्रदान किया गया। वहीं, खेलों में सपना अग्रवाल ने एक माचिस की तीली से सर्वाधिक मोमबत्तियां जलाकर शानदार जीत दर्ज की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मीनाक्षी गोयल रहीं। अध्यक्षता नीता अग्रवाल ने की। आभार अंजू गर्ग ने व्यक्त किया। इस अवसर पर वंदना गुप्ता, रेनू, रश्मि, वर्षा, सोनाली आदि उपस्थित रहे।

अशोक बने कोषाध्यक्ष, होली मिलन समारोह 7 को

ग्वालियर। सकल ब्राह्मण महासमिति की कोर कमेटी की बैठक प्रधान कार्यालय ऊंट पुल, जिंसी नाले पर हुई। बैठक के मुख्य अतिथि डॉ. जयवीर भारद्वाज थे। अध्यक्षता प्रकाश नारायण शर्मा ने की। बैठक में सर्वसम्मति से अशोक कुमार शर्मा को समिति का कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इसके साथ ही 7 मार्च को शाम 4 बजे बुजुर्गों के सम्मान के साथ ब्राह्मण समाज का होली मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की जिम्मेदारी श्रीराम कौशल शर्मा, ब्रह्मदत्त पाण्डेय शास्त्री, रेनू शर्मा, प्रीति शर्मा, संगीता शर्मा, शशि गोस्वामी, अनिता योगेंद्र दीक्षित, अल्का मिश्रा, मंजू मिश्रा एवं संध्या शर्मा को सौंपी गई है।

होली से पहले अवैध शराब के खिलाफ अभियान, 300 लीटर कच्ची शराब जब्त

■ ग्वालियर

पुलिस ने होली के त्यौहार से पहले अवैध शराब की बिक्री के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया है। इसके चलते अवैध शराब के अड्डों पर पुलिस द्वारा दबिश दी जा रही है। गुरुवार को पुलिस ने मोहना थानाक्षेत्र में बरसाना मौहल्ला की कंजर बस्ती में दबिश देकर अवैध हाथ भट्टी पर बनाई जा रही 300 लीटर कच्ची शराब जब्त की है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि पूरन आदिवासी के खेत के पास ददोरी के हार में अवैध कच्ची शराब के ड्रम एवं शराब बनाने के उपकरण हाथ भट्टी आदि लगी होकर शराब छुपाई गई है। इस सूचना पर पुलिस ने दबिश दी तो कोटरा की ओट में 04 प्लास्टिक के ड्रम एवं शराब बनाने के उपकरण जिसमें 02 शराब बनाने की हाथ भट्टी, 02 हाथ भट्टी के ढक्कन मिले। जिन्हे चेक करने पर एक प्लास्टिक के नील ड्रम में करीब 200 लीटर हाथ भट्टी की अवैध कच्ची शराब एवं हरे रंग के प्लास्टिक के ड्रम में करीब 100 लीटर हाथ भट्टी की अवैध कच्ची शराब एवं 02 नीले प्लास्टिक के ड्रम खाली मिले। पुलिस द्वारा आसपास कोटरा चेक करने पर एक व्यकि पुलिस बल को देखकर जंगल की तरफ भागता दिखा जिसे घेरने का प्रयास किया, लेकिन वह खेतों में फसल खड़ी होने एवं कोटरो की आढ होने से उक्त व्यक्ति जंगल की तरफ भाग गया। आसपास खेतो में काम कर रहे किसानों से पूछताछ पर भागे व्यक्ति का नाम लोटन कंजर बताया। लोटन कंजर निवासी बरसाना मोहल्ला कंजर डेरा द्वारा उक्त देशी कच्ची शराब बनाना और विक्रय हेतु रखना पाए जाने से थाना मोहना में धारा 34(2) आबकारी एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध किया।

रामू शुक्ला की संविदा बढ़ाने पार्षदों की पैरवी

निगमायुक्त ने प्रस्ताव भेजने से किया इनकार

■ ग्वालियर

नगर निगम की परिषद बैठक के बाद कार्यपालन यंत्री रामू शुक्ला की संविदा नियुक्ति अवधि बढ़ाने को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई। गुरुवार को भाजपा पार्षद रवि तोमर, सोनू त्रिपाठी, दीपक मांझी के साथ पार्षद पति सुरेंद्र चौहान और हरिबाबू शिवहरे ने निगमायुक्त संघ प्रिय से मुलाकात कर शुक्ला की संविदा अवधि बढ़ाने का प्रस्ताव पास कराने की मांग की।

पार्षदों ने निगमायुक्त से आग्रह किया कि वे अपनी ओर से प्रस्ताव तैयार कर आगे भेज दें। उनका तर्क था कि अंतिम निर्णय तो शासन स्तर पर होना है, इसलिए प्रस्ताव अग्रेषित करने में आपत्ति नहीं होनी चाहिए। हालांकि निगमायुक्त ने साफ शब्दों में प्रस्ताव भेजने से इनकार कर दिया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इससे पहले भी कई इंजीनियरों की संविदा नियुक्ति बढ़ाने को लेकर सिफारिशें आई थीं, लेकिन उन्होंने किसी का भी प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ाया। गौरतलब है कि रामू शुक्ला की संविदा नियुक्ति आगामी तीन मार्च को समाप्त हो रही है। ऐसे में समय कम बचा है और पार्षदों की सक्रियता को लेकर निगम में चर्चाओं का दौर जारी है। नियम के अनुसार संविदा नियुक्ति बढ़ाने का पहला प्रस्ताव निगमायुक्त द्वारा तैयार कर मेयर इन काउंसिल को भेजा जाता है। वहां से स्वीकृति मिलने के बाद प्रस्ताव नगरीय प्रशासन आयुक्त को अग्रेषित किया जाता है, जहां से अंतिम आदेश जारी होता है। फिलहाल निगमायुक्त के रुख से स्पष्ट है कि शुक्ला की संविदा बढ़ाने का रास्ता आसान नहीं दिख रहा।

कार्यकर्ताओं को मिला संगठनात्मक मंत्र

ग्वालियर/डबरा। भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के अंतर्गत डबरा में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में पूर्व संभागीय संगठन मंत्री आशुतोष तिवारी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण केवल संगठनात्मक प्रक्रिया नहीं, बल्कि विचार, संस्कार और संकल्प का सशक्त अभियान है। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी ग्वालियर ग्रामीण के जिलाध्यक्ष प्रेम सिंह राजपूत, ग्वालियर संभाग प्रशिक्षण प्रभारी मधुसूदन भदौरिया, पूर्व जिलाध्यक्ष कौशल शर्मा एवं वीरेन्द्र जैन सहित पार्टी के अपेक्षित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गरिमामयी उपस्थिति के साथ सहभागी रहे। वक्ताओं ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के दर्शन, 'पंच परिवर्तन' के ध्येय और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को आत्मसात करते हुए भाजपा संगठन बूथ स्तर तक सुदृढ़ किया जा रहा है। आत्मनिर्भर भारत और सशक्त मध्यप्रदेश के निर्माण के लक्ष्य के साथ कार्यकर्ता पूर्ण समर्पण भाव से कार्य कर रहे हैं। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रसेवा को साधना मानकर संगठन की मजबूती के लिए प्रतिबद्ध है। यही वैचारिक शक्ति और संगठनात्मक सामर्थ्य पार्टी की सतत सफलता का आधार है।

स्मार्ट सिटी इन्क्यूबेशन सेंटर से सशक्त हुए युवा, एक मार्च को जेप टू डोर होगा लॉन्च

■ ग्वालियर

स्मार्ट सिटी के इन्क्यूबेशन सेंटर से जुड़कर शहर के युवा आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। तकनीकी मार्गदर्शन, संसाधनों की उपलब्धता और स्टार्टअप फ्रेंडली वातावरण ने कई युवा उद्यमियों को अपने सपनों को साकार करने का मंच प्रदान किया है। इसी कड़ी में स्थानीय उद्यमिता और डिजिटल नवाचार को नई दिशा देने के उद्देश्य जेप टू डोर प्रा.लि. आगामी 1 मार्च को शाम 4 बजे बैजाताल में अपने फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म का शुभारंभ करने जा रहा है। इस कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कंपनी के फाउंडर एवं सीईओ यश सूरी और आशिषिका सूरी ने पत्रकारों से चर्चा में बताया कि जेप टू डोर का उद्देश्य स्थानीय रेस्टोरेंट्स, छोटे व्यापारियों और होम-बेस्ड फूड उद्यमियों को एक मजबूत डिजिटल मंच उपलब्ध कराना है। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से वे तकनीक का उपयोग कर अपने व्यवसाय का विस्तार कर सकेंगे और अधिक ग्राहकों तक अपनी पहुंच बना पाएंगे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में ग्वालियर के 150 से अधिक प्रसिद्ध लोकल रेस्टोरेंट्स जेप टू डोर से जुड़ चुके हैं। कंपनी का दावा है कि यह प्लेटफॉर्म ग्राहकों को सुरक्षित, विश्वसनीय और स्थानीय स्तर पर समर्थित फूड डिलीवरी सेवा प्रदान करेगा। स्टार्टअप का मानना है कि यह लॉन्च केवल एक एप्लीकेशन की शुरुआत नहीं, बल्कि शहर में रोजगार सृजन, डिजिटल परिवर्तन और स्थानीय व्यापार को नई पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर शिवांगी भदौरिया, दुजेश वर्मा एवं नीरज वर्मा भी उपस्थित रहे।

जांच में खुली पोल, बाहरी व्यक्तियों के हाथों चल रहे थे समूह

दो दर्जन स्व-सहायता समूह तीन साल के लिए प्रतिबंधित

■ ग्वालियर

जिले में पोषण आहार वितरण व्यवस्था में गंभीर अनियमितताएं उजागर होने के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए 24 स्व-सहायता समूहों को तीन वर्ष के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। शिकायत की जांच में सामने आया कि समूहों का संचालन नियमों के विपरीत बाहरी व्यक्तियों द्वारा किया जा रहा था और समूह की महिलाओं को वास्तविक लाभ से वंचित रखा जा रहा था।

जानकारी के अनुसार कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में पारदी मोहल्ला, शिंदे की छावनी निवासी एक व्यक्ति द्वारा शिकायत की गई थी। शिकायत में पोषण आहार वितरण में गड़बड़ी और वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाया गया था। जिला प्रशासन ने संयुक्त कलेक्टर की अध्यक्षता में जांच दल गठित कर पूरे प्रकरण की जांच कराई।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास उपासना राय ने बताया कि जांच में सामने आया कि संबंधित समूहों का संचालन वास्तविक सदस्यों के बजाय बाहरी व्यक्तियों द्वारा किया जा रहा था। समूह की महिलाओं को न तो कार्यप्रणाली की जानकारी थी और न ही बचत राशि की स्थिति का पता था। उन्हें लाभांश भी वितरित नहीं किया जा रहा था। अभिलेखों का समुचित संधारण नहीं पाया गया और चेक पर हस्ताक्षर कराकर राशि बाहरी व्यक्तियों द्वारा निकाली जा रही थी। जांच में गड़बड़ी सामने आने के बाद सभी 24 समूहों को पोषण आहार वितरण कार्य से तीन वर्ष के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। साथ ही जिन बाहरी व्यक्तियों या कथित ठेकेदारों की भूमिका सामने आई है, उनकी भी विस्तृत जांच की जा रही है।

दुष्कर्म मामले में दो आरोपियों को अग्रिम जमानत

ग्वालियर। गुमशुदगी के बाद दुष्कर्म मामले के दो आरोपितों को न्यायालय ने अग्रिम जमानत देने के आदेश दिए हैं। आरोपी राहुल जाटव एवं सूरजभान की ओर से पैरवी करने वाले अधिवक्ता सृष्टि सिंह एवं आकाश राजपूत ने बताया कि कुछ दिन पूर्व एक विवाहित महिला अपने भाई के साथ मायके जाने के लिए निकली थी किन्तु रास्ते में से ही स्टेशन से गायब हो गई। घर वालों के काफी ढूंढने पर भी जब नहीं मिली तब जीआरपी थाना में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। तब पुलिस द्वारा महिला को पुणे महाराष्ट्र से बरामद किया गया। उसके कथन लेख किए गए जिसमें न्यायालय को दिए बयान में उसने बताया कि मुख्य आरोपी के द्वारा शादी का झांसा देकर अपने दो दोस्तों के साथ ले गया और पुणे में उससे शादी कर अपने अन्य दो दोस्तों की सहायता से दुष्कर्म किया गया। जिला एवं सत्र न्यायालय ने इस मामले में दो आरोपीयों राहुल जाटव और सूरजभान को अग्रिम जमानत का लाभ दिया है।

विजयपुर विधानसभा चुनाव याचिका पर निर्णय सुरक्षित

ग्वालियर। विजयपुर विधानसभा निर्वाचन से जुड़ी एक महत्वपूर्ण याचिका पर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने सुनवाई पूरी कर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान पक्ष और विपक्ष दोनों पक्षों की दलीलों को विस्तार से सुना गया, जिसके बाद अदालत ने याचिका के संबंध में निर्णय पर विचार करते हुए अपना फैसला सुरक्षित रख दिया है। जिसका ऐलान आगामी तारीखों में किया जाएगा। वर्ष 2023 में हुए विधान सभा चुनाव में कांग्रेस के मुकेश मल्होत्रा से भाजपा के रामनिवास रावत पराजित हुए थे। बाद में श्री रावत ने चुनाव याचिका दायर करते हुए तर्क रखा कि श्री मल्होत्रा ने अपने हलफनामे में कुछ आपराधिक प्रकरणों को छुपाया था। दोनों पक्षों की ओर से वरिष्ठ अभिभाषकों ने लंबी बहस की। न्यायमूर्ति जीएस अहलूवालिया ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है।

दो स्थानों से साढ़े चार करोड़ की शासकीय भूमि कराई मुक्त

सरकारी जमीन पर कार्रवाई, 15 हजार वर्गफुट अतिक्रमण हटाया

■ ग्वालियर

जिले में सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराए जाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को राजस्व विभाग की टीम ने शहर से सटे दो स्थानों पर कार्रवाई करते हुए लगभग 15 हजार वर्गफुट शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया। मुक्त कराई गई जमीन की अनुमानित कीमत लगभग साढ़े चार करोड़ रुपए बताई गई है।

पहली कार्रवाई ग्राम रमौआ में हुई, यहां शासकीय सर्वे क्रमांक-71 की लगभग 10 हजार वर्गफुट जमीन पर की गई घेराबंदी को हटाया गया। यहां जेतल विहार कंस्ट्रक्शन के डायरेक्टर वीरेन्द्र गुप्ता द्वारा पार्क की बाउंड्री बनाकर अतिक्रमण किया गया था। इस प्रकरण में पूर्व में तहसीलदार सिटी सेंटर द्वारा बेदखली आदेश जारी करते हुए 20 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया था। लेकिन उसके बाद भी जब अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो राजस्व, पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम ने मशीनों की मदद से निर्माण हटवा दिया।

इसी तरह ग्राम डोंगरपुर में भी अतिक्रमण हटाया गया। यहां सर्वे क्रमांक-187 की लगभग 5 हजार वर्गफुट शासकीय भूमि पर कुछ लोगों द्वारा पार्क विकसित कर अतिक्रमण किया गया था। इस मामले में भी तहसीलदार सिटी सेंटर द्वारा बेदखली आदेश जारी कर 10 हजार रुपए का अर्थदंड अधिरोपित किया गया था। गुरुवार को संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पूर्ण की।दोनों स्थानों पर यह कार्रवाई एसडीएम झांसी रोड अतुल सिंह के नेतृत्व में की गई। अभियान में तहसीलदार सिटी सेंटर कुलदीप दुबे, राजस्व निरीक्षक रवि करैया सहित नगर निगम और पुलिस बल मौजूद रहा।

1045 गर्भवतियों की जांच, प्रसव तक विशेष फॉलोअप के निर्देश

एचआरपी में क्लीनिक, 432 महिलाएं हाईरिस्क चिन्हित

■ ग्वालियर

जिले में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत इस बार बीते दो दिन लगातार 31 शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में एचआरपी (हाईरिस्क प्रेग्नेंसी) क्लीनिक आयोजित की गईं। इन क्लीनिकों में कुल 1045 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिनमें से 432 महिलाएं हाईरिस्क गर्भवती पाई गईं।

जिलाधीश ने चिन्हित हाईरिस्क गर्भवती माताओं का प्रसव तक नियमित फॉलोअप सुनिश्चित करने के स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव और जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दीपाली माथुर ने बताया कि जांच के दौरान जरूरतमंद महिलाओं की निःशुल्क सोनोग्राफी, हीमोग्लोबिन सहित अन्य रक्त जांच व यूरिन जांच कराई गई। 14 महिलाओं को अस्पताल में भर्ती किया गया, 216 की अल्ट्रासोनोग्राफी हुई तथा 69 को आयरन सुक्रोज दिया गया। महिलाओं को फल व पौष्टिक आहार भी वितरित किया गया।

सम्पादकीय

विदेश नीति को बदलते प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इतिहास में अपना नाम किन अक्षरों में दर्ज कराना चाहते हैं, ये तो पता नहीं, लेकिन भारत की विदेश नीति का जो गौरवशाली स्वर्णिम इतिहास रहा है, उसे वो पूरी तरह मटियामेट करना चाहते हैं, यह साफ नजर आ रहा है। वैसे भी जब इतिहास की पूरी समझ न हो, या जानबूझकर इतिहास को नजरंदाज किया जाता है तो वर्तमान और भविष्य दोनों किस तरह खतरे में पड़ जाते हैं, इसका बड़ा उदाहरण नरेन्द्र मोदी की इजरायल यात्रा से मिल ही रहा है। महज दो दिनों के लिए मोदी इजरायल गए, लेकिन वहां जो कुछ उन्होंने कहा, उससे भारत की बरसों की मेहनत पर पानी फिर गया है। बुधवार को इजरायली संसद नेसेट में जिस तरह का भाषण प्रधानमंत्री मोदी ने दिया है, उसमें वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं। क्योंकि इजरायल ने फिलीस्तीन में हमास को खत्म करने के नाम पर जो नरसंहार किया, उस पर दुनिया भर में चिंता जाहिर की जा रही है, लेकिन भारत के प्रधानमंत्री ने इजरायली संसद में जाकर हमास की न केवल आलोचना की, बल्कि तीन साल पहले 7 अक्टूबर को इजरायल पर हुए हमले की तुलना भारत में मुंबई के आतंकी हमले से कर दी। माना कि दोनों में निर्दोष लोगों की ही जान गई, लेकिन सोचने वाली बात ये है कि नरेन्द्र मोदी को यूपीए सरकार में हुआ मुंबई हमला अगर याद आया तो खुद की सरकार में हुए पुलवामा और पहलगाम जैसे बड़े आतंकी हमलों को वो कैसे भूल गए। होता तो यही है कि इंसान को हाल की बात पहले याद आती है और पुरानी बात बाद में। लेकिन मोदीजी के साथ उल्टा ही हो रहा है। उन्हें अपने कार्यकाल का कुछ याद नहीं रहता, केवल कांग्रेस की सरकारों की बातें याद पड़ती हैं। अपने संबोधन में मोदी ने गजा शांति पहल को क्षेत्र में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की दिशा में एक रास्ता बताया। यानी सीधे-सीधे अमेरिका की तारीफ उन्होंने की। इसके साथ ही इजरायल के साथ एकजुटता का संदेश देते हुए कहा कि कहीं भी आतंकवाद शांति को हर जगह खतरे में डालता है। गौर कीजिए कि मोदी ने इजरायल की कुर्बानियों का जिक्र किया लेकिन गजा में मारे गए 70 हजार लोगों की हत्या और हमदर्दी के लिए एक शब्द नहीं कहा, वो कह भी नहीं सकते थे, क्योंकि उन्हें तो ट्रंप और नेतन्याहू से दोस्ती निभानी है। मोदी ने गजा नरसंहार को पूरी तरह नजरन्दाज किया, यहां तक तो ठीक है, लेकिन दुख इस बात का है कि अपने साथ-साथ उन्होंने पूरे देश की जनता को इजरायल के साथ खड़ा दिखाया। मोदी ने कहा, श्मैं भारत की जनता की ओर से हर खोई हुई जान के लिए गहरी संवेदना लेकर आया हूं और हर उस परिवार के लिए जिनका संसार 7 अक्टूबर 2023 को हमास के बर्बर आतंकवादी हमले में टूट गया। हम आपका दर्द महसूस करते हैं। हम आपका दुख साझा करते हैं। भारत इजरायल के साथ मजबूती से, पूरे विश्वास के साथ, इस पल में और उसके आगे भी खड़ा है। कोई भी कारण नागरिकों की हत्या को जायज नहीं ठहरा सकता। कुछ भी आतंकवाद को जायज नहीं ठहरा सकता।श कितने सुविधाजनक तरीके से मोदी ने गजा में नेतन्याहू के इजरायली आतंकवाद का जिक्र तक नहीं किया। जबकि खुद इजरायल की जनता अपनी सरकार के ऐसे बर्बर रवैये के खिलाफ है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मोदी के भाषण पर उन्हें इतिहास की याद दिलाते हुए नेहरू के इजरायल के निर्माण पर आइंस्टीन को लिखे पत्र में व्यक्त विचारों का हवाला दिया। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया- अप्रैल 1955 में आइंस्टीन के निधन से कुछ समय पहले, आइंस्टीन और नेहरू ने परमाणु विस्फोटों और हथियारों के मुद्दे पर पत्रों का आदान-प्रदान किया था।श नेहरू ने 11 जुलाई 1947 को आइंस्टीन को जवाब में लिखारू श्मैं मानता हूं कि जबकि मेरी यहूदियों के लिए बहुत अधिक हमदर्दी है, मुझे अरबों की दुर्दशा के लिए भी उतनी ही हमदर्दी है। किसी भी घटना में, पूरा मुद्दा दोनों पक्षों की ओर से उच्च भावना और गहरे जुनून का हो गया है।श नेहरू ने यहूदियों के नजरिए पर सवाल उठाते हुए कहारू श्मैंने फिलिस्तीन की इस समस्या पर अच्छा ध्यान दिया है और दोनों पक्षों द्वारा जारी की गई किताबों और पैम्फलेट्स को पढ़ा हैय फिर भी मैं यह नहीं कह सकता कि मैं इसके बारे में सब जानता हूं, या मैं क्या किया जाना चाहिए पर अंतिम राय देने के लिए सक्षम हूं। मुझे पता है कि यहूदियों ने फिलिस्तीन में एक अद्भुत काम किया है और वहां के लोगों के स्तर को ऊं चा उठाया है, लेकिन एक सवाल मुझे परेशान करता है। इन सभी उल्लेखनीय उपलब्धियों के बाद, वे अरबों की सद्भावना हासिल करने में क्यों विफल रहे? नेहरू ने लिखा- वे अरबों को अपनी इच्छा के विरुद्ध कुछ मांगों को मानने के लिए क्यों मजबूर करना चाहते हैं? नजरिए का तरीका ऐसा रहा है जो समझौते की ओर नहीं ले जाता, बल्कि संघर्ष की निरंतरता की ओर ले जाता है। मुझे कोई संदेह नहीं कि गलती एक पक्ष तक सीमित नहीं है बल्कि सभी ने गलती की है। मुख्य समस्या फिलिस्तीन में ब्रिटिश शासन की निरंतरता रही है। तो यहां जयराम रमेश ने इजरायल और फिलीस्तीन दोनों पर नेहरू जी के विचार बता दिए।

दक्षिण एशिया सुरक्षा पर वाशिंगटन का आक्रामक रवैया भारत के लिए भी सिरदर्द

नित्य चक्रवर्ती

12 फरवरी के राष्ट्रीय चुनाव में अपनी पार्टी की शानदार जीत के बाद बीएनपी प्रमुख तारिक रहमान को बांग्लादेश का प्रधानमंत्री बने हुए सिर्फ एक हफ्ता हुआ है। 60 साल के प्रधानमंत्री, जो ब्रिटेन में 17 साल के देश निकाला के बाद स्वदेश लौटे हैं, से उम्मीद की जा रही थी कि वे देश की खराब अर्थव्यवस्था और इसके प्रशासन को फिर से दुरुस्त करने को सबसे ज्यादा प्राथमिकता देंगे, लेकिन उनके ध्यान का केन्द्र अचानक बदल गया है, क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका प्रशासन बहुत ज्यादा सक्रिय हो गया है और नई सरकार से हैं ताकि चीनी राजदूत योवेन को मात दी जा सके, जो पिछले तीन सालों से ढाका में सक्रिय हैं और सरकार और राजनीतिक पार्टियों के हर स्तर पर बड़े सम्पर्क बना रहे हैं। प्रधानमंत्री तारिक रहमान और उनके विदेश मंत्री खलीलुर रहमान के पद संभालने के बाद, जो एक बहुत अनुभवी विदेश सेवा अधिकारी थे, ने हमेशा की तरह तीन बड़े देशों भारत, अमेरिका और चीन के साथ रिश्तों की पुनर्समीक्षा की और बांग्लादेश के फायदे के लिए क्या कदम उठाए जाने चाहिए, इस पर बात की। अभी-अभी घोषित अमेरिका-बांग्लादेश व्यापार समझौते की समीक्षा पर भी चर्चा हुई। तीनों बड़े देशों

के साथ रिश्तों में संतुलन बनाने के मुद्दे दृष्टिपटल पर थे। जब शनिवार 21 फरवरी को शुरूआती बातचीत चल रही थी, तो अमेरिकी राजदूत ब्रेंटक्रिस्टेंसन ने बिना बांग्लादेश का नाम लिए एक कड़े बयान में कहा कि, वह दक्षिण एशिया में चीन के बढ़ते असर को लेकर परेशान हैं। ट्रंप की तरफ से तारिक को भेजे गए पत्र में यह भी कहा गया था कि अमेरिका-बांग्लादेश साझेदारी आपसी सम्मान और एक मुक्त और खुला भारत-प्रशांत को बढ़ावा देने में एक जैसे फायदे पर आधारित है। इसका असल में मतलब है कि अमेरिका अब चीन के खिलाफ अपनी भारत-प्रशांत सुरक्षा रणनीति में बांग्लादेश को एक भागीदार के तौर पर चाहता है, ठीक वैसे ही जैसे ट्रंप ने अपनी चीन विरोधी सुरक्षा रणनीति में भारत को एक भागीदार के तौर पर शामिल किया है। इस प्रकार तारिक रहमान के लिए, अपनी स्थिति को स्थिर किये जाने से पहले ही, उन्हें अमेरिका की तरफ से यह धमकी मिल रही है कि अगर नई सरकार अमेरिका के साथ बेहतर रिश्ते बनाना चाहती है, तो उसे चीन के खिलाफ अमेरिका की रणनीति का हिस्सा बनना होगा। जाहिर है,

चीन के खिलाफ रूख अपनाने के लिए कहकर बांग्लादेश के अंदरूनी मामलों में दखल दे रहा है। अमेरिका की तरफ से ऐसा खुला दावा हाल के महीनों में नहीं देखा गया है। असल में, अंतरिम सरकार के पहले के आधे समय में अमेरिकी दूतावास के अधिकारी इतने सक्रिय नहीं थे, लेकिन 12 फरवरी के चुनाव पास आते ही हालात बदल गए। बांग्लादेश को लेकर ट्रंप प्रशासन के नजरिए में अचानक बदलाव आया। नए अमेरिकी राजदूत ब्रेंटक्रिस्टेंसन ने इस साल 12 जनवरी को ढाका में अपना कार्यभार संभाला, अर्थात 12 फरवरी के चुनाव से ठीक एक महीना पहले। तब सेब्रेंट समेत अमेरिकी अधिकारी बीएनपी और जमात दोनों नेताओं को साध रहे

अगले दिन चीन ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी, जब चीनी दूत योवेन ने बांग्लादेश के विदेश मंत्री से मुलाकात की और कहा कि चीन बांग्लादेश की श्सर्वप्रथम बांग्लादेश नीत्यि को मानने की घोषणा की तारीफ करता है और ढाका को चीन का सहयोग हर जगह होगा और यह किसी तीसरे देश के खिलाफ नहीं है। तारिक सरकार ढाका की धरती से अमेरिकी दूतावास के चीन विरोधी रवैये से बहुत शर्मिंदा है, लेकिन सरकार अमेरिका को बड़े भाई की भूमिका निभाने से रोकने के लिए बहुत कम काम ही कर सकती है। ढाका में राजनीतिक सूत्रों का कहना है कि बांग्लादेश और चीन के बीच पिछले रक्षा समझौते से अमेरिका चिंतित है। अमेरिका चाहता है कि बांग्लादेश रक्षा सहयोग के लिए चीन के साथ अपनी भविष्य की बातचीत को आगे न बढ़ाए। जहां तक धारणा का सवाल है, बांग्लादेश के लोग ज्यादातर भारत और अमेरिका दोनों के खिलाफ भावनाएं रखते हैं। 5 अगस्त, 2024 को हसीना सरकार के गिरने के बाद से पिछले अठारह महीनों में, अमेरिका के लिए भावनाओं में गिरावट की तुलना में लोगों के बीच चीन का प्रभाव बढ़ा है। 2025 की शुरूआत में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख डॉ. यूनुस के चीन दौरे में, बांग्लादेश के अलग-अलग जिलों में औद्योगिक क्षेत्र बनाने में चीन के निवेश में एक बड़ी कामयाबी मिली। बांग्लादेश में भारतीय सीमा के पास ड्रोन के लिए एक फैक्टरी लगाने का समझौता हुआ। तारिक सरकार से अब अमेरिका ने उस समझौते की नए सिरे से समीक्षा करने को कहा है। हाल ही में हस्ताक्षरित हुए अमेरिकी व्यापार समझौते की एकतरफा शर्तों ने दिखाया है कि कैसे नए बांग्लादेशी प्रधानमंत्री तारिक रहमान को वॉशिंगटन और बीजिंग के साथ रिश्तों को लेकर एक नाजुक संतुलन बनाने के चुनौतीपूर्ण कार्य से जूझना पड़ रहा है, क्योंकि दोनों उनके देश में असर डालने की होड़ में हैं। एक तरफ, अमेरिका अपने बाजार तक पहुंच, सुरक्षा सहयोग और विनियामक लाभ का प्रचार कर रहा है, तो दूसरी ओर चीन अवसंरचना, औद्योगिक समेकीकरण और रक्षा उपकरणों की आपूर्ति का वादा कर रहा है। चीन बांग्लादेश का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार और एक बड़ा अवसंरचनात्मक निवेशक बना हुआ है, जो बंदरगाहों के आधुनिकीकरण से लेकर औद्योगिक क्षेत्रों तक के परियोजनाओं को वित्तपोषित कर रहा है। अमेरिका बांग्लादेश का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है और लंबे समय से इसका सबसे बड़ा विदेशी निवेशक रहा है, हालांकि प्रत्यक्ष विदेशी पूंजीनिवेश (एफडीआई) स्टॉक तेजी से गिरा है। जून 2023 तक के वित्तीय वर्ष में लगभग 4 अरब डॉलर से गिरकर सितंबर 2025 तक यह लगभग 1 अरब डॉलर तक नीचे आ गया है, विशेषकर यूनुस राज के दौरान राजनीतिक उथल-पुथल और निवेशकों के कमजोर भरोसे की वजह से। सितंबर 2025 तक बांग्लादेश में चीनी एफडीआई स्टॉक लगभग 3 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। बीजिंग ने कई दूसरे कम विकसित देशों के साथ-साथ बांग्लादेशी निर्यात को शून्य-टैरिफ पहुंच भी दिया है। पहले 2022 में 98 प्रतिशत उत्पादनों को सीमाशुल्क-मुक्त पहुंच दिया और बाद में इस पेशकश को बढ़ाया। चीन बांग्लादेश को एक बड़ी रक्षा प्रणाली आपूर्तिकर्ता के तौर पर अपनी जगह बनाए रखने के लिए बहुत उत्सुक है। अब ट्रंप प्रशासन इस पर एतराज कर रहा है। पहले के सालों में ऐसी स्थिति नहीं थी। बीजिंग बांग्लादेश में हो रहे विकासक्रम पर करीब से नजर रख रहा है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग खुद डॉ. यूनुस से उनकी बैठक में मिले और बांग्लादेश के साथ रिश्ते बढ़ाने में व्यक्तिगत दिलचस्पी दिखाई ताकि यह दक्षिण एशियाई देश चीनी मदद से अच्छी-खासी नौकरियां पैदा कर सके। चीन नहीं चाहेगा कि अमेरिका के दबाव की वजह से उसके समझौते रद्द हो जाएं। तारिक रहमान पर उनके सलाहकारों और थिंक टैंक की तरफ से बहुत ज्यादा दबाव है कि वे बांग्लादेश प्रथम नीति पर टिके रहें और बीएनपी चुनावी घोषणापत्र के मुताबिक बांग्लादेश की रणनीतिगत स्वायत्तता को ध्यान में रखकर काम करें। अगले कुछ दिन बताएंगे कि क्या तारिक में अमेरिका के दबाव को नजरअंदाज करने और सिर्फ बांग्लादेश के हितों को ध्यान में रखकर काम करने की हिम्मत है?

इथनाल ब्लेन्डिंग समस्या है समाधान नहीं

अरविन्द मोहन

चंपारण की चीनी मिलों के आसपास बचपन गुजारने के चलते उनके कचरे से निकलने वाली बास और राजनैतिक चचाओं की याद हमेशा के लिए मन में रह गई है। कई बार किसान मिल में गन्ना उतारकर खाली बैलगाड़ी में मिल का छोआ वाला कचरा उठा लाते थे और अपने खेत में खाद की तरह इस्तेमाल करते थे। इसकी दुर्गंध तो मिलों दूर से भी ज्यादा लगती थी और लोग कुछेक दिन उन खेतों की तरफ जाने से बचते थे। नेता लोग इसी छोआ अर्थात मोलासेज से केमिकल कारखाना लगवाने या श्पेट्रोल बनानेश और बगास अर्थात गन्ने की सीठी से कागज बनाने का प्लांट लगवाने की बात करते थे। हमारे कुमारबाग में बेतिया राज की जमीन खाली थी। वहीं आसपास की चीनी मिलों से इन बाई-प्रॉडक्टों से स्वर्ग बसाने का वादा होता था जो आज तक पूरा नहीं हुआ। गन्ने से पेट्रोल बनाने की बात उन दिनों कचरे से सोना बनाने जैसी लगती थी पर बायो डीजल और बायो पेट्रोल का जमाना भी आया। हमारे यहां झटरोपा से तेल बनाने का प्रयोग चला तब तक अमेरिका ने मक्का और अन्य कृषि उत्पादों से बायो पेट्रोल बनाना शुरू करा दिया

क्योंकि पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत बेतहाशा बढ़ने लगी और सौ डालर प्रति बैरल का रेट भी पीछे हो गया। ऐसे में मक्का वगैरह से पेट्रोल बनाना 75 डालर प्रति बैरल जितने रेट पर संभव हो तो कौन मानता? हमारे यहां भी झटरोपा वाला प्रयोग तभी हुआ और अनाज से तेल बनाने की चर्चा शुरू हुई। वह तो हुआ नहीं लेकिन नितिन गडकरी के परिवहन मंत्री बनने वाले राज में इसी छोआ अर्थात मोलासेज से पेट्रोल बनाने और पेट्रोल में मिलाकर बेचने का काम शुरू हुआ जो आज परवान पर है। यह काम सिर्फ गन्ना चीनी मिलों का न होकर सारे ब्रुअरीज(शराब कारखाने) के कचरे से होना शुरू हुआ है। करीब बीस फीसदी ब्लेन्डिंग के बिना पेट्रोल बिकता नहीं और कुछ पेट्रोल की खपत में बीस फीसदी का मतलब बहुत बड़ा हुआ। कीमत और विदेशी मुद्रा की बचत का हिसाब लगाएं तो और उजली तस्वीर दिखेगी पर जल्दी ही इस मामले में भी उत्पादन क्षमता जरूरत से ऊपर निकल जाएगी यह कल्पना से परे की चीज है। लेकिन आज यह स्थिति आ गई है। गन्ने के अलावा कुछ कृषि उत्पादों के इस्तेमाल की चर्चा भी है। लेकिन अमेरिका से जिस लटकी हुई व्यापार संधि को श्सपनों का सौदाश बताया जा रहा है उसमें मक्के की कुछ खास किस्म के आयात की बात भी थी और माना जाता है कि इसका प्रयोग इथनाल बनाने में हो सकता है। वैसे भारत खुद भी बड़े पैमाने पर मक्का पैदा करने लगा है जो मुर्गीपालन और मछलीपालन समेत देश की पूरी जरूरत से ज्यादा ही है। ऐसे में अगर हम अभी ही इथनाल अपनी जरूरत से ज्यादा बनाने लगे हों तो अमेरिका से मक्का आयात करने का तर्क समझना मुश्किल है। अभी वह व्यापार समझौता हो, मक्का आयात हो उसका इस्तेमाल इथनाल बनाने में हो जैसे सारे लेकिन परंतु पर क्यों जाएं, अभी तो मौजूदा स्थिति ही इस कारोबार को परेशान करने वाली है। देश में इथनाल बनाने की कुल क्षमता 18 अरब लीटर की है जबकि पेट्रोलियम कंपनियां 11 से 12 अरब लीटर माल खरीदती हैं। देश में अब बिना इथनाल मिला पेट्रोल बिकता ही नहीं और मिलावट भी बीस फीसदी मात्रा तक है। इतना होने पर भी पूरा देशी इथनाल खपाने में परेशानी हो रही है। उधर तीन अरब लीटर और उत्पादन क्षमता इस साल बढ़ेगी। तब क्या होगा यही सोचकर व्यवसाय के लोग चिंतित हैं। यह सही है कि महंगे पेट्रोल के साथ बिकने से अच्छी कीमत वसूल होती है लेकिन खुद इथनाल की कीमतों और मांग आपूर्ति का हिसाब बहुत अनिश्चितता वाला है। सार्वजनिक क्षेत्र की तीनों कंपनियां, इंडियन आयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम यह सारा माल खरीदकर तेल में मिलाकर बेचती हैं। अब हो यह रहा है कि पेट्रोल की खपत में तो मात्र छह फीसदी सालाना की वृद्धि है जबकि इथनाल उत्पादन की क्षमता ज्यादा रफ्तार से बढ़ रही है। अगर तीन अरब लीटर की क्षमता और बढ़ी तो यह वृद्धि 20 फीसदी हो जाएगी। फिर कीमतों और आपूर्ति का खेल एक अन्य स्तर पर जाएगा, अगर अमेरिकी मक्का भी इस खेल में शामिल हुआ तो क्या दृश्य होगा? यह कल्पना ही की जा सकती है और यह विकल्प भी नहीं है कि मिलावट को बीस फीसदी से बढ़ा दिया जाए। क्योंकि इथनाल की मिलावट से ईंधन की ऊर्जा का स्तर कम होता है-बीस फीसदी की मिलावट से यह गिरावट छह फीसदी की होती है और इसके खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाना भी हो चुका है। अभी तक अदालत ने ग्राहकों के दावे को दरकिनार रखा है। एक दूसरी शिकायत इस मिलावटी ईंधन का गाड़ी के इंजन पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव की है। माना जाता है कि पिछले दिनों मिलावट की सीमा बढ़ाने पर भी विचार हुआ था लेकिन तभी सोशल मीडिया में यह बहस छिड़ गई कि मिलावटी ईंधन का गाड़ियों के इंजन पर बुरा असर होगा। यह बात खास तौर से भारत में बिकने वाली गाड़ियों पर लागू होती है क्योंकि यहां इस विशेष ईंधन से चलने वाले इंजन लगाए ही नहीं जाते। इथनाल मिश्रित ईंधन की कीमत घटाने की मांग भी उठती रही है लेकिन उसकी कीमत ज्यादा होने के नाम पर सरकार ने इस मांग को ठुकरा दिया था पर असल में तो इथनाल बाई-प्रोडक्ट ही है जो चीनी और शराब जैसे उद्योगों से निकलने वाले कचरे से बनता है।

राशिफल

मेषः- किसी श्रेष्ठजन के प्यार से मन प्रसन्न होगा। किसी की कटु वाणी मन को दुखित कर सकती है। उच्च महत्वकांक्षाएं व्यावसायिक क्षेत्र में अधिक परिश्रम के लिए प्रेरित करेंगी। आलस्य कतई न करें।

बृषभ :- भौतिक महत्वकांक्षाएं अभाव का एहसास कराएंगी। परिजनों से कुछ भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। अच्छी योजनाओ द्वारा महत्वपूर्ण कायरें को समयानुकूल पूर्ण करेंगे।

मिथुन :- भावनाओं पर नियंतण्ररख अपने दायित्वों के प्रति सजग होना प्रगति का सूचक है। बचकाना स्वभाव महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा। शिक्षा-प्रतियोगिता में परिश्रम का लाभ मिलेगा।

कर्क :- महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। भौतिक-सुख साधन में व्यय संभव। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें।

सिंह :-भावना से उद्वेलित मन निकट संबंधों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। पूर्वाग्रहवश संबंधियों के प्रति नकारात्मकता को न पालें। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन में नकारात्नक विचार ला सकती हैं।

कन्या:- पिता के सहयोग से मुश्किल दिनों में राहत मिलेगी। बालसुलभता व असंयमित शब्दों का प्रयोग संबंधों में कटुता लाएगा। आकस्मिक नई आशंकाओं से प्रभावित मन कोई गलत निर्णय ले सकता है।

तुला:- कुछ नयी अभिलाषाएं आपको उत्साहित करेंगी। शासन-सत्ता की दिशा में केंद्रित लोगों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी महत्वपूर्ण दायित्व की पूर्ति हेतु समुचित व्यवस्था हेतु मन चिंतित होगा।

वृश्चिक:- किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां अर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। भावनाप्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है।

धनु:- रोजगार क्षेत्र में आपकी महत्वपूर्ण योजनाएं सार्थक होती हुई नजर आएंगी। श्रेष्ठजनों से नजदीकियां पैदा होंगी। व्यावसायिक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। कुछ प्रबल इच्छाएं आपको उद्वेलित करेंगी।

मकर:- सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा।

कुंभ:- पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे। शासन-सत्ता से जुड़े लोगों को लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। पूजा-पाठ में पूरा दिन मन केंद्रित होगा। नये दायित्वों की पूर्ति होगी।

मीनः- नये संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। जीविका क्षेत्र में मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रयत्नशील होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

पेंटागन ने ईरान के खिलाफ बड़े ऑप्रेशन के खतरे की चेतावनी दी

पेंटागन ईरान के खिलाफ लंबे मिलिट्री कैंपेन को लेकर प्रेसिडेंट ट्रम्प के सामने चिंता जता रहा है। उसने सलाह दी है कि जिन वॉर प्लान पर विचार किया जा रहा है, उनमें अमरीका और सहयोगी देशों के नुकसान, कमजोर एयर डिफेंस और जरूरत से ज्यादा फोर्स होने जैसे रिस्क हैं। मौजूदा और पुराने अधिकारियों ने कहा कि ये चेतावनियां ज्यादातर ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने डिफेंस डिपार्टमैंट में और नैशनल सिक्योरिटी काऊंसिल की मीटिंग्स के दौरान दी हैं लेकिन पेंटागन के दूसरे लीडर्स ने भी ऐसी ही चिंताएं जताई हैं। ईरान पर हमलों के लिए जिन ऑप्शन पर विचार किया जा रहा है, उनमें शुरूआती सीमित हमलों से लेकर सरकार को गिराने के मकसद से कई दिनों तक हवाई कैंपेन चलाना शामिल है। अधिकारियों ने कहा कि सभी ऑप्शन में रिस्क होता है लेकिन खास तौर पर लंबे कैंपेन से अमरीकी सेना और हथियारों के स्टॉक पर काफी खर्च आ सकता है, अगर ईरान जवाबी कार्रवाई कर पाता है, तो इससे रीजनल पार्टनर्स की सुरक्षा मुश्किल हो सकती है। अगर अमरीका बड़ी मात्रा में एयर-डिफेंस हथियारों और दूसरी चीजों का इस्तेमाल करता है, जिनकी आपूर्ति कम है, तो इससे चीन के साथ भविष्य में होने वाले संभावित झगड़े की तैयारियों पर भी असर पड़ सकता है। अमरीका ने 2003 के ईराक युद्ध के बाद से मिडल ईस्ट में सबसे ज्यादा एयर पावर इकट्ठी की है, जिसमें एक एयरक्राफ्ट-कैरियर स्ट्राइक ग्रुप भी शामिल है। दूसरा कैरियर अब मेडिटेरेनियन में है। केन की चेतावनियों के बारे में मीडिया रिपोर्टर्स के बाद, ट्रम्प ने सोमवार को बाद में सोशल-मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट किया, ह्यह्यजनरल केन, हम सब की तरह, जंग नहीं देखना चाहेंगे लेकिन अगर ईरान के खिलाफ मिलिट्री लैवल पर जाने का फैसला होता है, तो उनकी राय है कि यह आसानी से जीता जा सकेगा।ह्यह्यट्रम्प प्रशासन अभी भी ईरान के साथ एक संभावित डील पर बातचीत कर रहा है, जिससे अमरीका को उम्मीद है कि तेहरान के न्यूक्लियर वैपन की तरफ जाने के रास्ते बंद हो जाएंगे, जिसे ईरानी नेताओं ने आगे बढ़ाने से मना कर दिया है, साथ ही उसके बैलिस्टिक-मिसाइल प्रोग्राम और हिजबुल्लाह और हमास जैसे रीजनल प्रॉक्सी मिलिशिया को उसके सपोर्ट पर रोक लगेगी। ईरान ने किसी भी अमरीकी हमले का जितना हो सके उतना कड़ा जवाब देने की धमकी दी है और सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने पिछले हफ्ते कहा था कि उनकी सेना एक अमरीकी युद्धपोत को डुबो सकती है। किसी भी मिलिट्री ऑप्रेशन में जोखिम होता है लेकिन ईरान के खिलाफ लगातार अभियान शायद ट्रम्प द्वारा शुरू किए गए सबसे जटिल और खतरनाक मिलिट्री ऑप्रेशनों में से एक होगा, जिसमें अमरीका को मिडल ईस्ट में एक बड़े युद्ध में खींचने की क्षमता है। अधिकारियों के मुताबिक, ईरान पर किसी भी हमले के दौरान, कई बार बमबारी करने पर अमरीकी पायलट ईरानी एयर डिफैंस के लिए असुरक्षित हो सकते हैं। ईरानी मिसाइलें मिडल ईस्ट में मौजूद अमरीकी सैनिकों के बेस को निशाना बना सकती हैं। ईरान अपनी मिसाइलों और ड्रोन से इसराईल में आबादी वाले सैंटर को भी निशाना बना सकता है, जैसा कि उसने पिछले जून में ईरान, इसराईल और अमरीका के बीच 12 दिन के युद्ध के दौरान किया था। कुछ अधिकारियों ने कहा कि अमरीका को उम्मीद है कि ईरान अपनी सरकार की रक्षा के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक देगा और अमरीका के पास ईरानी मिसाइल हमलों का मुकाबला करने के लिए सिर्फ 2 हफ्ते के लिए ही इंटरसैप्टर हैं, जिससे अमरीकी हथियारों के जखीरे में पैट्रियाट, थाड और एस.एम.-3 हथियारों का सीमित स्टॉक और कम हो जाएगा। हाल के हफ्तों में, अमरीका ने जॉर्डन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब, बहरीन और इसराईल को और थाड और पैट्रियाट एंटीमिसाइल सिस्टम भेजकर मिडल ईस्ट में अपने एयर डिफैंस को मजबूत करने की कोशिश की है। एक नेवी अधिकारी के मुताबिक, अमरीका ने ईरानी खतरों को मार गिराने के लिए मिडल ईस्ट और मेडिटेरेनियन के पानी में 13 गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर भी भेजे हैं। पिछले जून में जब अमरीका ने ईरानी मिसाइल हमलों से इसराईल को बचाने में मदद की थी, तो इस लड़ाई से अमरीकी इंटरसैप्टर सप्लाई में खतरनाक कमी का पता चला। पिछले साल वसंत में जब अमरीका ने यमन में ईरान के सपोर्ट वाले हूती विद्रोहियों के खिलाफ लगभग 2 महीने तक बमबारी की थी, तब भी हथियारों के स्टॉक पर दबाव था। अमरीका का सबसे बड़ा वॉरशिप फोर्ड पिछले जून से समुद्र में है और अब 11 महीने की तैनाती के लिए तैयार है, जो किसी अमरीकी वॉरशिप के सबसे लंबे लगातार मिशन का रिकॉर्ड तोड़ देगा। नाविकों पर बहुत ज्यादा काम का बोझ है और कुछ तो घर लौटने के बाद नेवी छोडने पर भी विचार कर रहे हैं। पहले भी बहुत ज्यादा काम करने वाले क्रू की वजह से गलतियां और हादसे हुए हैं। अप्रैल और मई 2025 में, 8 महीने की तैनाती के आखिर में, एयरक्राफ्ट कैरियर यू.एस.एस. हैरी एस. ट्रूमैन ने रैड सी में हूती विद्रोहियों के हमलों का मुकाबला करते हुए कई जैट फाइटर खो दिए थे।

लखनऊ में लोक भवन के पास महिला ने किया आत्मदाह का प्रयास

लखनऊ,। भूमि विवाद में अधिकारियों द्वारा कार्रवाई न किये जाने से परेशान महिला ने आज शुक्रवार दोपहर हजरतगंज इलाके में लोक भवन के पास आत्मदाह करने का प्रयास किया, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस ने उसे बचा लिया। घटना राज्य की राजधानी में उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र लोक भवन रोड पर सेक्टर-1 में एक बैरिकेड के पास दोपहर करीब एक बजे हुई। लखनऊ पुलिस के अनुसार सुखदेव सिंह की पत्नी और शहर के मानकनगर की निवासी संध्या सिंह मौके पर पहुंची और कथित तौर पर खुद को आग लगाने की कोशिश में खुद पर एक ज्वलनशील पदार्थ डाला। वहां सुरक्षाकर्मियों ने तत्परता से उसे रोका और उसकी सुरक्षा की। बाद में उसे पूछताछ के लिए हजरतगंज थाने ले जाया गया। पूछताछ में महिला ने आरोप लगाया कि उसके पड़ोसी ने उसकी जमीन पर कब्जा कर लिया है। महिला ने दावा किया कि जब उसने विरोध किया तो उसे और उसके परिवार को धमकी दी गई।महिला ने कहा कि उसने पहले भूमि के सीमांकन की मांग की थी और इस संबंध में कई आवेदन दिए थे लेकिन अब तक उनकी जमीन का स्पष्ट सीमाकंन नहीं किया गया है। पुलिस ने महिला को मानक नगर थाने की टीम को सौंप दिया।

लिवर खराब होने पर शरीर में दिखते हैं ये लक्षण, संकेत मिलते ही तुरंत डॉक्टर के पास जाएं

हमारा लिवर शरीर का एक बहुत जरूरी अंग है, जो खून को साफ करता है, टॉक्सिन्स (जहरीले पदार्थ) को बाहर निकालता है, पाचन में मदद करता है और जरूरी प्रोटीन बनाता है। जब लिवर सही तरीके से काम नहीं करता, तो शरीर में कई बदलाव आने लगते हैं, जिनमें से कुछ सबसे पहले पेशाब में दिखाई देते हैं। पेशाब के ये छोटे-छोटे संकेत लिवर की खराबी का शुरूआती पता दे सकते हैं। आइए जानते हैं पेशाब में दिखने वाले ऐसे 5 मुख्य लक्षण जो आपके लिवर की तबीयत के बारे में चेतावनी देते हैं।

यूरिन का रंग गहरा पीला या भूरे रंग का होना

अगर आपके पेशाब का रंग सामान्य से ज्यादा गहरा पीला या भूरे रंग का हो गया है, तो यह लिवर की समस्या का पहला संकेत हो सकता है। लिवर ठीक से काम न करने पर शरीर में मौजूद बाइल (पित्त) का असर पेशाब के रंग पर पड़ता है और यह गहरा हो जाता है। ऐसे में आपको सतर्क हो जाना चाहिए और डॉक्टर से जांच करानी चाहिए।

यूरिन का झागदार होना

अगर पेशाब में लगातार झाग बन रहा है, तो यह लिवर की गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। ऐसा होने का मतलब है कि पेशाब में प्रोटीन की मात्रा बढ़ रही है, जिसे प्रोटीन लीकेज कहते हैं। यह लिवर सिरोसिस जैसी गंभीर बीमारियों से जुड़ा हो सकता है। ऐसे लक्षण दिखें तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें।

यूरिन की तेज और बदबूदार दुर्गंध

अगर पेशाब से असामान्य तेज और बदबू आने लगे, तो यह भी लिवर खराब होने की निशानी हो सकती है। जब लिवर ठीक से टॉक्सिन्स को फिल्टर नहीं कर पाता, तो वे किडनी और पेशाब के जरिए बाहर निकलते हैं, जिससे पेशाब में दुर्गंध पैदा होती है।

यूरिन करते समय जलन महसूस होना

लिवर की बीमारी के कारण शरीर में अमोनिया की मात्रा बढ़ सकती है, जो पेशाब करते समय जलन का कारण बनती है। अगर बार-बार पेशाब में जलन होती है तो इसे नजरअंदाज न करें और जल्द से जल्द डॉक्टर से संपर्क करें।

बार-बार यूरिन आना लेकिन कम मात्रा में

अगर आपको बार-बार पेशाब आने लगे लेकिन मात्रा कम हो, तो यह लिवर की गंभीर समस्या की तरफ इशारा कर सकता है। ऐसे लक्षण आने पर समय पर इलाज बेहद जरूरी होता है।

लिवर की बीमारी जानलेवा भी हो सकती है

लिवर की बीमारी धीरे-धीरे बढ़ती है और अगर समय रहते इसका इलाज न किया जाए तो यह जानलेवा भी हो सकती है। इसलिए अपने शरीर के इन संकेतों को हल्के में न लें। पेशाब में दिखने वाले ये छोटे-छोटे बदलाव आपके शरीर की चेतावनी हैं।

यूरिन में दिखने वाले लक्षणों से बचाव कैसे करें?

संतुलित और पौष्टिक आहार लें: हरी सब्जियां, फल, साबुत अनाज और प्रोटीनयुक्त आहार का सेवन करें। तैलीय, भारी और जंक फूड से बचें।

शराब का सेवन पूरी तरह बंद करें: शराब लिवर को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है, इसलिए इसका सेवन पूरी तरह से बंद करें।

वजन नियंत्रण रखें: अधिक वजन लिवर की समस्याओं को बढ़ावा देता है, इसलिए स्वस्थ वजन बनाए रखें।

नियमित व्यायाम करें: रोजाना कम से कम 30 मिनट व्यायाम करें ताकि लिवर सही तरीके से काम करे।

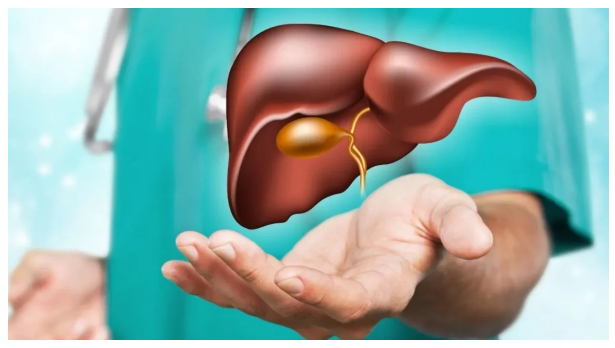

ड्रग्स और दवाइयों का सही इस्तेमाल करें: बिना डॉक्टर की सलाह के कोई दवा न लें, क्योंकि कुछ दवाइयां लिवर को नुकसान पहुंचा सकती हैं।

सफाई का ध्यान रखें: साफ-सफाई का ध्यान रखें ताकि संक्रमण न हो, क्योंकि कुछ लिवर की बीमारियां संक्रमण के कारण भी होती हैं।

समय-समय पर लिवर की जांच करवाते रहें: लिवर की सेहत पर नजर रखने के लिए नियमित ब्लड टेस्ट और जांच कराते रहें।

तनाव कम करें और अच्छी नींद लें: तनाव और नींद की कमी भी लिवर की सेहत पर असर डालती है, इसलिए मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अगर आपको अपने यूरिन में उपरोक्त कोई भी बदलाव नजर आए तो तुरंत किसी अच्छे डॉक्टर से मिलें और लिवर की जांच कराएं। सही समय पर इलाज से आप गंभीर बीमारी से बच सकते हैं और अपना स्वास्थ्य बेहतर रख सकते हैं।

आलू-प्याज छोड़िए, इस रेसिपी से बनाएं लजीज टमाटर के पकोड़े

टमाटर के पकौड़े बनाना आसान है, साथ ही झटपट तैयार हो जाते हैं और इसका स्वाद भी बेहद खास होता है। आइए जानते हैं घर पर टमाटर के क्रिस्पी लजीज पकौड़े कैसे बनाए जा सकते हैं। भारत में देसी स्नैक्स की बात की जाए तो पकौंडे और समोसे सबसे पहले सूची में आते हैं। पकौड़े की भी कई वैरायटी होती हैं जो हर मौसम में स्वाद के साथ खाए जाते हैं।

इसमें आलू के पकौड़े, प्याज के पकौड़े, पनीर के पकौड़े और ब्रेड पकौड़ा समेत कई तरह के पकौड़ों की लिस्ट बताई जा सकती है। लेकिन क्या आपने कभी टमाटर के पकौड़े खाएं हैं? अगर आप हर बार एक ही तरह के आलू-प्याज के पकौड़े खाकर बोर हो चुके हैं तो इस बार टमाटर के खट्टे-मीठे, चटपटे और कुरकुरे पकौड़े ट्राई कर सकते हैं। टमाटर के पकौड़े बनाना आसान है, साथ ही झटपट तैयार हो जाते हैं और इसका स्वाद भी बेहद खास होता है। आइए जानते हैं घर पर टमाटर के क्रिस्पी लजीज पकौड़े कैसे बनाए जा सकते हैं। टमाटर के पकौड़े बनाने की सामग्री दो मीडियम आकार के टमाटर एक कप बेसन दो बड़े चम्मच चावल का आटा आधा चम्मच अजवाइन आधा छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर चुटकीभर हल्दी एक छोटा चम्मच धनिया पाउडर नमक पानी तलने के लिए तेल

टमाटर के पकौड़े बनाने की विधि

स्टेप 1- टमाटर के पकौड़े बनाने के लिए टमाटर को गोल स्लाइस में काट लें। ध्यान रखें कि टमाटर के स्लाइस बहुत पतले न हों। स्टेप 2- अब एक कटोरे में बेसन, क्रिस्पी करने के लिए चावल का आटा, सभी मसाले, हरी मिर्च, अजवाइन आदि सभी कुछ डालकर अच्छे से मिला लें। स्टेप 3- इस मिश्रण में थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए गाढ़ा बैटर तैयार कर लें। स्टेप 4- अब एक बड़ी कढ़ाई में तेल गर्म करें। स्टेप 5- टमाटर के स्लाइस को बैटर में डुबोकर गर्म तेल में डालें। स्टेप 6- मीडियम आंच पर टमाटर के पकौड़े को सुनहरा और कुरकुरा होने तक तलें। स्टेप 7- जब पकौड़ें अच्छे से तल जाएं तो उन्हें नैपकिन पर निकाल लें ताकि अतिरिक्त तेल हट जाए। टमाटर के क्रिस्पी पकौड़े तैयार है। इसे हरी चटनी, मीठी चटनी या सॉस के साथ परोसें।

एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स का खजाना है ये सब्जी, कैंसर जैसी बीमारियों से दे सकती है सुरक्षा

100 ग्राम ब्रोकली से हमारे रोजाना के विटामिन-सी की 91 फीसदी और विटामिन के की 77 फीसदी पूर्ति की जा सकती है। आइए जानते हैं कि ब्रोकली को आहार का हिस्सा बनाना हमारे शरीर के लिए किस प्रकार से लाभकारी हो सकता है? ब्रोकली जिसे अक्सर हरी गोभी के नाम से भी जाना जाता है, ये सेहत के लिए बहुत फायदेमंद सब्जी है। ये विटामिन, खनिज, फाइबर, और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती है। फिटनेस फ्रीक लोगों की पसंद ब्रोकली के सेवन से शरीर को आवश्यक कई प्रकार के पोषक तत्व आसानी से प्राप्त हो सकते हैं। आहार विशेषज्ञों का कहना है कि अगर रोजाना इसका सेवन किया जाए तो यह हड्डियों से लेकर हार्ट और आंखों से लेकर मस्तिष्क तक के लिए कई प्रकार से फायदेमंद हो सकती है। ब्रोकली में सल्फोराफेन नामक एक यौगिक पाया जाता है, जो शरीर में कैंसर से लड़ने वाले एंजाइम्स को सक्रिय करता है। सल्फोराफेन स्तन, प्रोस्टेट, कोलन और फेफड़ों के कैंसर से लड़ने में प्रभावी हो सकता है।इसी तरह इसमेंइसमेंइंडोल-3-कारबिनोल भी होता है, जो हार्मोन-संबंधित कैंसर जैसे ब्रेस्ट कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर से बचाव में मदद कर सकता है। आइए जानते हैं कि ब्रोकली को आहार का हिस्सा बनाना हमारे शरीर के लिए किस प्रकार से लाभकारी हो सकता है?

पोषक तत्वों का खजाना है ये सब्जी

करीब 100 ग्राम ब्रोकली से हमारे रोजाना के विटामिन-सी की 91 फीसदी और विटामिन के की 77 फीसदी पूर्ति की जा सकती है। विटामिन सी एंटीऑक्सीडेंट के रूप में काम करता है जो प्रतिरक्षा प्रणाली को ठीक रखने और त्वचा के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। वहीं विटामिन-के, रक्त के थक्के जमने और हड्डियों के स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकता है।

इसमें फोलेट (विटामिन बी9) भी पाया जाता है जो गर्भवती लोगों में सामान्य ऊतकों की वृद्धि और कोशिका के कार्यों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। इसका सेवन कई प्रकार से हमारे लिए फायदेमंद है।

पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद

ब्रोकली में घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह का फाइबर होता है, जो आंतों को स्वस्थ रखता है। यह कब्ज, एसिडिटी और पेट की सूजन जैसी समस्याओं से राहत दिला सकती है। एक अध्ययन में पाया गया कि ब्रोकली खाने से आंतों में गुड बैक्टीरिया (गट माइक्रोबायोम) का संतुलन बेहतर होता है, जिससे पाचन स्वास्थ्य ठीक रहता है।

कोलेस्ट्रॉल-हृदय के लिए लाभकारी

ब्रोकली हृदय की सेहत के लिए फायदेमंद मानी जाती है, असल में यह हृदय रोग के जोखिम मार्कर्स को कम करने में सहायक है।

एक अध्ययन में पाया गया कि जो लोग ब्रोकली का सेवन करते हैं, उनमें एलडीएल कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड का स्तर कम होता है, ये दोनों कई प्रकार के हृदय रोगों का प्रमुख जोखिम कारक हैं।

इसके अलावा ब्रोकली, शरीर में इंफ्लामेशन को कम करने में भी मदद करती है जिससे हृदय की बीमारियों का जोखिम कम हो सकता है।

इम्यून सिस्टम होता है मजबूत

ब्रोकली में विटामिन सी की भरपूर मात्रा होती है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) को मजबूत करती है। यह सर्दी-जुकाम, संक्रमण और अन्य बीमारियों से शरीर को लड़ने में मदद करता है।इसके अलावा ब्रोकली में ल्यूटिन और जेक्सैन्थिन जैसे यौगिक भी होते हैं, जो मोतियाबिंद और उम्र से संबंधित मैक्यूलर डिजनरेशन से बचाव करते हैं।

बना रहता है भ्रम और सुनाई देती हैं डरावनी आवाजें, जानिए कितना खतरनाक है सिजोफ्रेनिया

आंकड़ों से पता चलता है कि दुनियाभर में लगभग 24 मिलियन (2.4 करोड़) लोग या 300 में से 1 व्यक्ति को सिजोफ्रेनिया की दिक्कत हो सकती हैं। सिजोफ्रेनिया एक दीर्घकालिक और गंभीर मानसिक बीमारी है जिसमें व्यक्ति को भ्रम बना रहता है। ये बीमारी आपके मस्तिष्क के काम करने के तरीके को प्रभावित कर देती है। मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं दुनियाभर में गंभीर चिंता का कारण बनी हुई हैं। हम सभी अपने शारीरिक स्वास्थ्य पर तो ध्यान देते रहते हैं पर मेंटल हेल्थ को अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। पर क्या आप जानते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य संबंधित कई समस्याएं काफी गंभीर हो सकती हैं? सिजोफ्रेनिया ऐसी ही एक गंभीर मानसिक स्वास्थ्य की समस्या है, जो दुनियाभर में लाखों लोगों को प्रभावित करती है। आंकड़ों से पता चलता है कि दुनियाभर में लगभग 24 मिलियन (2.4 करोड़) लोग या 300 में से 1 व्यक्ति को सिजोफ्रेनिया की दिक्कत हो सकती है। सिजोफ्रेनिया एक दीर्घकालिक और गंभीर मानसिक बीमारी है जिसमें व्यक्ति को वास्तविकता की धारणा में भ्रम होता है। ये व्यक्ति के व्यवहार, मानसिक स्थिति, सोचने-समझने की क्षमती सभी को प्रभावित कर सकती है। विश्व सिजोफ्रेनिया दिवस हर साल 24 मई को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य इस गंभीर मानसिक रोग के बारे में जागरूकता बढ़ाने और रोगियों की सहायता में सुधार करने पर ध्यान देना होता है।

सिजोफ्रेनिया और इसका खतरा

कल्पना कीजिए कि आप एक ऐसी दुनिया में जी रहे हैं जहां हर आवाज पर शक होता हो, हर चेहरा अजनबी लगता हो और खुद की सोच भी परायी लगने लगती हो। सिजोफ्रेनिया वास्तव में यही है। सिजोफ्रेनिया का आपके शारीरिक और मानसिक दोनों स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ये बीमारी आपके मस्तिष्क के काम करने के तरीके को प्रभावित कर देती है परिणामस्वरूप रोगियों के लिए दैनिक जीवन के कार्य भी काफी कठिन हो जाते हैं।

सिजोफ्रेनिया होने के कारण क्या हैं?

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि सिजोफ्रेनिया बीमारी किसी एक कारण से नहीं होती, बल्कि इसके लिए कई जैविक, आनुवंशिक और पर्यावरणीय कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। अगर परिवार में किसी को सिजोफ्रेनिया की दिक्कत रही है, तो इससे अन्य लोगों में भी होने की आशंका बढ़ जाती है। अध्ययनों से पता चलता है कि डोपामिन और ग्लूटामेट जैसे न्यूरोट्रांसमीटर का असंतुलन मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को बिगाड़ सकता है, इसके कारण भी सिजोफ्रेनिया होने का खतरा बढ़ जाता है। गर्भावस्था या प्रसव के दौरान संक्रमण, ऑक्सीजन की कमी, या पोषण की कमी से दिमागी विकास पर असर पड़ सकता है।

सिजोफ्रेनिया में क्या दिक्कतें होती हैं?

सिजोफ्रेनिया आपके जीवन को कई प्रकार से प्रभावित करने वाली हो सकती है। मतिभ्रम होना सिजोफ्रेनिया का सबसे आम लक्षण है। इससे प्रभावित लोगों को भ्रम और डर बना रह सकता है, रोगी उन चीजों को भी वास्तविक मानने लग जाते हैं जो असल में होती ही नहीं हैं।

रोगी को ऐसा लग सकता है जैसै कोई मेरा पीछा कर रहा है, मुझे मारने का प्रयास किया जा रहा है आदि।

आपको लग सकता है कि कोई आपके सोचने, बोलने या कार्य करने को नियंत्रित कर रहा है।

बोलते समय आपको अपने विचारों को व्यवस्थित करने में परेशानी हो सकती है।

अक्सर नकारात्मक विचार मन को परेशान करते रह सकते हैं, जिससे जीवन काफी कठिन हो जाता है। सिजोफ्रेनिया मानसिक स्वास्थ्य की गंभीर स्थिति है जिसका समय पर इलाज कराना जरूरी है। अगर आपको घर में किसी व्यक्ति में सिजोफ्रेनिया जैसे लक्षण दिख रहे हैं तो जल्द से जल्द मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ के पास ले जाएं। दवाइयां, थेरेपी और लाइफस्टाइल मैनेजमेंट की मदद से सिजोफ्रेनिया की जटिलताओं को कम किया जा सकता है।

मिट्टी के मटके के सामने फ्रिज हो जाएगी फेल, इन टिप्स से होगा पानी ज्यादा ठंडा

अगर आप चाहते हैं कि मटके का पानी फ्रिज के मुकाबले भी ज्यादा ठंडा और ताजा रहे तो कुछ आसान से टिप्स अपना सकते हैं। गर्मियों में इन आसान घरेलू उपायों से मटके के पानी को फ्रिज के पानी से ज्यादा ठंडा किया जा सकता है। गर्मी में ठंडा-ठंडा पानी शरीर और मन दोनों को सुकून देता है

लेकिन फ्रिज के ठंडे पानी का सेवन नुकसानदायक बताया जाता है। प्राकृतिक तौर पर तैयार किया गया ठंडा पानी अधिक फायदेमंद हो सकता है। लेकिन फ्रिज के बिना इतनी गर्मी में पानी को ठंडा कैसे किया जा सकता है। गर्मियों में मिट्टी के मटके में नेचुरल तरीके से पानी को ठंडा रखा जा सकता है। मिट्टी के मटके का पानी पीना सेहत के लिए तो फायदेमंद होता ही है, साथ ही ये नेचुरल तरीके से पानी को ठंडा भी रखता है। मटके के पानी में नेचुरल मिनरल्स और मिट्टी की खुशबू स्वास्थ्य वर्धक हो सकती है। अगर आप चाहते हैं कि मटके का पानी फ्रिज के मुकाबले भी ज्यादा ठंडा और ताजा रहे तो कुछ आसान से टिप्स अपना सकते हैं। गर्मियों में इन आसान घरेलू उपायों से मटके के पानी को फ्रिज के पानी से ज्यादा ठंडा किया जा सकता है। मटका छांव में रखें मटके को हमेशा ऐसी जगह रखें जहां सीधी धूप न आती हो। छांव में रखने से पानी ठंडा बना रहता है। मटके को गीले कपड़े से लपेटें मटके के चारों ओर गीला सूती कपड़ा लपेट दें। हवा लगने से वाष्पीकरण होगा और पानी ज्यादा ठंडा रहेगा। स्टैंड लगाएं मटके के नीचे लकड़ी या स्टील का स्टैंड लगाएं। इससे मटका जमीन से ऊपर रहेगा और हवा आसानी से चारों ओर चलेगी। रात में पानी भरें रात के समय जब वातावरण ठंडा हो, तभी मटके में पानी भरें। सुबह तक पानी और भी ठंडा हो जाएगा। मटके की समय-समय पर सफाई करें मटके में काई या गंध न हो, इसके लिए उसे हर हफ्ते अच्छे से साफ करें। इससे उसका कूलिंग इफेक्ट बना रहेगा। लाल मिट्टी का मटका खरीदें जिन मटकों में लाल या काली मिट्टी का उपयोग हुआ होता है, वे ज्यादा ठंडक बनाए रखते हैं। मटके पर ढक्कन जरूर लगाएं मटके को खुला न रखें। ऊपर लकड़ी या स्टील का ढक्कन लगाएं जिससे ठंडक बरकरार रहे और धूल न जाए।

गर्मी में वट सावित्री पूजा के लिए होना है दुल्हन की तरह तैयार, तो अपनाएं ये टिप्स

मई-जून की तेज गर्मी में भारी कपड़े, मेकअप और गहनों के साथ सहज रहना भी एक बड़ी चुनौती होती है। ऐसे में कुछ स्मार्ट और स्टाइलिश फैशन टिप्स को अपनाकर आप दुल्हन सी सुंदर दिख सकती हैं और गर्मी में भी कंफर्टेबल रह सकती हैं। गर्मी अपने चरम पर है और इसी बीच सुहागिनों का महत्वपूर्ण पर्व वट सावित्री व्रत मनाया जाना है। इस साल विवाहित महिलाएं 26 मई 2025 को वट सावित्री व्रत करेंगी। इस दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करके व्रत करती हैं और वट वृक्ष की पूजा कर अपने पति की लंबी उम्र की कामना

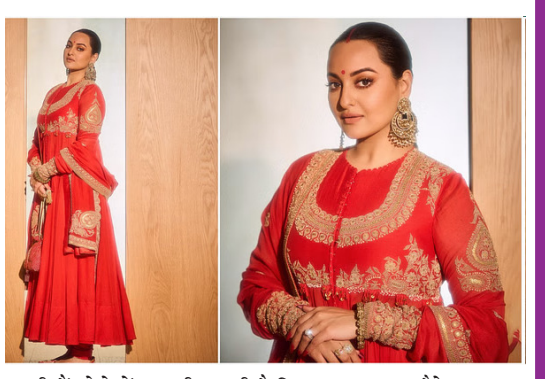

करती हैं। ऐसे में हर स्त्री चाहती है कि वह इस खास मौके पर दुल्हन की तरह खूबसूरत दिखे, लेकिन मई-जून की तेज गर्मी में भारी कपड़े, मेकअप और गहनों के साथ सहज रहना भी एक बड़ी चुनौती होती है। ऐसे में कुछ स्मार्ट और स्टाइलिश फैशन टिप्स को अपनाकर आप दुल्हन सी सुंदर दिख सकती हैं और गर्मी में भी कंफर्टेबल रह सकती हैं।

हल्के कपड़े चुनें

वट सावित्री व्रत के लिए ऐसे आउटफिट का चयन करें, जिसका फैब्रिक गर्मी में राहत दिलाने वाला हो। शिफॉन, जॉर्जेट, लिनेन, कॉटन सिल्क जैसे फैब्रिक गर्मी में बेस्ट होते हैं। यह पहनने में हल्के होते हैं और हवादार होते हैं, जिससे गर्मी में पसीना कम आता है।

पेस्टल टोन में ब्राइट कलर पहनें

गर्मियों के हिसाब से पेस्टल रंग ठंडे और आंखों को सुकून देने वाले होते हैं। हालांकि वट सावित्री व्रत में पारंपरिक तौर पर गहरे रंग पहनने होते हैं। ऐसे में लाल, गुलाबी, नारंगी जैसे पारंपरिक रंगों को पेस्टल या फेडेड टोन में चुनें। ये रंग परंपरागत भी दिखते हैं और गर्मी में आंखों को भी सुकून देते हैं।

सिंपल लेकिन एलीगेंट साड़ी या सूट

ज्यादा भारी लहंगा या कढ़ाईदार कपड़ों की बजाय हल्की बनारसी साड़ी, चिकनकारी सूट या फ्लोरल प्रिंटेड अनारकली पहनें। इससे ट्रेडिशनल लुक भी आएगा और गर्मी में घुटन भी नहीं होगी।

हल्का मेकअप करें

गर्मी में भारी मेकअप पसीने के कारण जल्दी खराब हो जाता है। मेकअप के कारण अधिक गर्मी भी महसूस हो सकती है। इसलिए बीबी क्रीम, वाटरप्रूफ काजल, लिप टिंट और लाइट हाइलाइटर से मिनिमल लुक अपनाएं।

गहनों का चयन

भारी हार या झुमकों की जगह लाइटवेट स्टोन ज्वेलरी, कुंदन सेट या ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी पहनें। मांगटीका या नथ के साथ छोटा सेट लुक को कम्पलीट कर सकता है।

घूम आइए भूटान! आईआरसीटीसी लाया है सस्ता और अच्छा टूर पैकेज, जानें पूरी डिटेल्स

अपने काम की थकान के बीच लगभग हर कोई चाहता है कि वो ऐसी जगह पर घूमकर आ जाए, जहां उसे थोड़े सुकून के पल मिल जाए। इसके लिए लोग सालभर में कम से कम एक बार तो ऐसी जगह पर जाते हैं, जहां वो नई-नई चीजों को देख सके, स्वादिष्ट और नए-नए पकवानों का स्वाद ले सके आदि। इन सबके बीच जब भी लोग कहीं घूमने का प्लान बनाते हैं तो सबसे ज्यादा दिक्कत आती है बजट की। लोग ऐसी जगह को चुनना चाहते हैं जहां पर पैसे भी कम लगे और ज्यादा से ज्यादा जगहों पर कवर किया जा सके। इसी बात को ध्यान में रखते हुए आईआरसीटीसी 'भारत-भूटान मिस्टिक माउंटेन टूर'लेकर आया है जिससे आप किफायती दाम में भूटान घूम सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इस टूर पैकेज के बारे में...

पहले पैकेज को जानिए

दरअसल, आईआरसीटीसी भारत-भूटान मिस्टिक माउंटेन टूर' का पैकेज लेकर आया है। ये पैकेज 13 रात और 14 दिन की यात्रा का होगा, जो 28 जून 2025 से दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन से शुरू होगी। इस यात्रा में 150 पर्यटक यात्रा कर सकेंगे। आप गाजियाबाद,

अलीगढ़, टूंडला जंक्शन, कानपुर, लखनऊ और वाराणसी स्टेशनों से भी ट्रेन पकड़ सकते हैं। क्या-क्या होगा यात्रा में? अगर आप इस पैकेज को चुनते हैं तो इसमें आपको गुवाहाटी, शिलांग, चेरापूंजी और भूटान के थिम्पू, पुनाखा और पारो की यात्रा करवाई जाएगी। इसमें पहले गुवाहाटी के कामाख्या मंदिर के दर्शन आप कर सकेंगे और इसके बाद शिलांग में उमियाम झील का सूर्यास्त देख सकेंगे। फिर इसके अगले दिन आप चेरापूंजी में सात बहनों के झरने, मोहखालिकाई और एलिफेंट फॉल्स जैसे शानदार झरनों और मावस्माई गुफाओं की सैर आप कर सकेंगे। इसके बाद शिलांग में एक और दिन स्थानीय स्थलों को देखने के बाद ब्रह्मपुत्र नदी पर आप सूर्यास्त क्रूज का मजा ले सकें और फिर ट्रेन भूटान सीमा के पास हसीमारा स्टेशन जाएगी। इसके बाद आप फुंटशोलिंग बॉर्डर के रास्ते भूटान में जाएंगे और अगले दिन यानी यानी यात्रा के पहले दिन थिम्पू में स्थानीय बाजार और आसपास की सैर होगी। इसके बाद अगले दिन थिम्पू में मोतिथांग चिड़ियाघर, पेंटिंग स्कूल, राष्ट्रीय पुस्तकालय, हस्तशिल्प बाजार और ताशी छो ढोंग जाएंगे। यहां पर रास्ते में दोचुला पास और पुनाखा ढोंग की सैर होगी। इसके बाद पारो में लंपेरी रॉयल बॉटनिकल पार्क, तमचोग ल्हाखंग लोहे का पुल और पारो ढोंग दिखाया जाएगा। फिर अगले दिन टाइगर नेस्ट और राष्ट्रीय संग्रहालय की यात्रा होगी। पर्यटक तीरंदागी और औषधीय पानी से हॉट स्टोन बाथ का अनुभव लेंगे। इसके बाद आप रात में सांस्कृतिक कार्यक्रम का लुफ्त उठा पाएंगे और फिर आपको स्वादिष्ट डिनर परोसा जाएगा। इसके बाद यात्रा समाप्त करके आप हसीमारा से ट्रेन के जरिए दिल्ली लौटेंगे।

लखनऊ में लोक भवन के पास महिला ने किया आत्मदाह का प्रयास

लखनऊ,। भूमि विवाद में अधिकारियों द्वारा कार्रवाई न किये जाने से परेशान महिला ने आज शुक्रवार दोपहर हजरतगंज इलाके में लोक भवन के पास आत्मदाह करने का प्रयास किया, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस ने उसे बचा लिया। घटना राज्य की राजधानी में उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र लोक भवन रोड पर सेक्टर-1 में एक बैरिकेड के पास दोपहर करीब एक बजे हुई। लखनऊ पुलिस के अनुसार सुखदेव सिंह की पत्नी और शहर के मानकनगर की निवासी संध्या सिंह मौके पर पहुंची और कथित तौर पर खुद को आग लगाने की कोशिश में खुद पर एक ज्वलनशील पदार्थ डाला। वहां सुरक्षाकर्मियों ने तत्परता से उसे रोका और उसकी सुरक्षा की। बाद में उसे पूछताछ के लिए हजरतगंज थाने ले जाया गया। पूछताछ में महिला ने आरोप लगाया कि उसके पड़ोसी ने उसकी जमीन पर कब्जा कर लिया है। महिला ने दावा किया कि जब उसने विरोध किया तो उसे और उसके परिवार को धमकी दी गई।महिला ने कहा कि उसने पहले भूमि के सीमांकन की मांग की थी और इस संबंध में कई आवेदन दिए थे लेकिन अब तक उनकी जमीन का स्पष्ट सीमांकन नहीं किया गया है। पुलिस ने महिला को मानक नगर थाने की टीम को सौंप दिया।

भारत को यह गलती पड़ न जाए भारी !: ऐसा हुआ तो बिना जीते भी सेमीफाइनल में पहुंचेगा वेस्टइंडीज

नई दिल्ली। भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ नेट रन रेट सुधारने का मौका गंवा दिया। बारिश की आशंका में, यदि भारत-वेस्टइंडीज मैच रद्द हुआ, तो बेहतर नेट रन रेट के कारण वेस्टइंडीज सेमीफाइनल में पहुंच सकता है। टीम इंडिया को अपनी गेंदबाजी और रणनीति पर तत्काल ध्यान देना होगा। टी20 विश्वकप 2026 अपने सबसे रोमांचक दौर में पहुंच चुका है। सेमीफाइनल के लिए जंग रोमांचक हो चली है। भारत के जिम्बाब्वे को हराते ही दक्षिण अफ्रीका की टीम अंतिम-चार में पहुंच गई। वहीं, इंग्लैंड की टीम पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। अब दो स्थानों के लिए जंग है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच एक मार्च को कोलकाता में नॉकआउट मुकाबला खेला जाएगा। वहीं, दूसरे स्थान के लिए न्यूजीलैंड और पाकिस्तान में टक्कर है। अगर न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को इंग्लैंड को हरा दिया तो उनकी सीट पक्की हो जाएगी। वहीं, इस मैच में अगर इंग्लैंड जीता तो पाकिस्तान के लिए भी रास्ते खुल जाएंगे। फिर उन्हें एक तय मार्जिन से अपने आखिरी सुपर-8 मैच में श्रीलंका को हराना होगा। हालांकि, इन सबके बीच एक

समीकरण ऐसा भी है, जिससे भारत को खतरा है। अगर ऐसा हुआ तो वेस्टइंडीज को भारत के खिलाफ जीत हासिल करने की जरूरत नहीं होगी, बिना जीते ही कैरिबियाई टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। आइए जानते हैं वह समीकरण कौन से हैं... भारत ने की बहुत बड़ी गलती दरअसल, भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में एक बहुत बड़ी गलती की। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद टीम ने बल्लेबाजी तो सुधारी, लेकिन गेंदबाजी फीकी पड़ गई। भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 256 रन बना दिए, लेकिन कागज पर कमजोर जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी को भारतीय गेंदबाज जल्द से जल्द समेटने में कामयाब नहीं हो सके। भारत के 257 रन के लक्ष्य के जवाब में जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में छह विकेट पर 184 रन बना डाले। टीम इंडिया ने यह मैच 72 रन से जरूर जीता, लेकिन नेट रन रेट अभी भी निगेटिव ही है। भारत -3.80 से -0.100 तक पहुंच पाया। भारत के पास नेट रन रेट बेहतर करने का मौका था यह एक ऐसा मैच या फिर यूं कहें 256 का स्कोर एक ऐसा स्कोर था, जहां भारत को अपना नेट रन रेट बेहतर करने का मौका था। अगर भारतीय टीम जिम्बाब्वे को जल्द से जल्द समेटती तो नेट रन रेट वेस्टइंडीज के आसपास करने का मौका था। ऐसा इसलिए क्योंकि दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी थी। इससे वेस्टइंडीज का नेट रन रेट +5.35 से गिरकर +1.791 हो गया। 100+ रन से जीत भारत को नेट रन रेट में वेस्टइंडीज के आसपास ले जा सकती थी। हम ऐसा क्यों कह रहे हैं, आइए जानते हैं... क्यों जल्दी न आउट करना चूक है? भारत ने शिवम दुबे से जबरदस्ती दो ओवर करवाए, जबकि जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या के एक-एक ओवर बाकी थे। इन दो ओवरों में शिवम दुबे ने 46 रन खर्च कर दिए। उन्हें एक विकेट जरूर मिला, पर टीम मैनेजमेंट का यह फैसला समझ से परे था। जहां टीम इंडिया को रन रोकने थे, वहां जबरदस्ती रन लुटाए गए। अगर यही दो ओवर हार्दिक और बुमराह से कराए जाते तो हो सकता था कि सिर्फ 10-15 रन बनते और भारत की जीत 100+ रन की होती। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। टीम इंडिया को इतने बड़े स्कोर के बाद जिम्बाब्वे पर दबाव बनाना चाहिए था, जैसा वेस्टइंडीज ने किया था और 254 के जवाब में 147 रन पर जिम्बाब्वे की पारी को समेट दिया था। तब वेस्टइंडीज ने 107 रन से जीत हासिल की थी और उनका नेट रन रेट +5.35 हो गया था। 110 या 120 रन से जीत भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के मौजूदा नेट रन रेट के करीब या उसके पार ले जा सकती थी। भारत और वेस्टइंडीज , दोनों के अंक फिलहाल दो-दो हैं। पर भारत से रणनीति में भारी चूक हो गई। अब भारत-वेस्टइंडीज नॉकआउट तो है, लेकिन इस नॉकआउट के साथ एक खतरा और है और वह खतरा है- बारिश से मैच धुलने का डर। क्या टीम मैनेजमेंट को इस बारे में नहीं सोचना चाहिए था? क्यों यह चूक पड़ सकती है भारी? यह तो तय है कि भारत और वेस्टइंडीज के बीच कोलकाता के ईडन गार्डेन्स में एक मार्च को जो जितेगा, वह सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा। पर अगर बारिश ने खलल डाला और मैच धुला तो भारत टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगा। बारिश से बाधित मैच में डकवर्थ लुईस नतीजे के लिए दोनों पारियों में कम से कम पांच-पांच ओवर का खेल जरूरी है। हालांकि, ऐसा संभव नहीं हो पाया और पूरे मैच में बारिश हुई और खेल नहीं हो पाया तो वेस्टइंडीज बेहतर नेट रन रेट के दम पर सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर जाएगा। इस मैच के लिए कोई रिजर्व डे भी नहीं है। वेस्टइंडीज को मैच खेलने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। दोनों टीमों को एक-एक अंक जरूर मिलेंगे, लेकिन नेट रन रेट नहीं बदलेगा और बेहतर नेट रन रेट के साथ वेस्टइंडीज दक्षिण अफ्रीका के साथ अंतिम-चार में पहुंच जाएगा।

शिवम दुबे की गेंदबाजी क्यों बनी चिंता का कारण?: बने सबसे महंगे ओवर वाले भारतीय

चेन्नई। भारत ने जिम्बाब्वे को 72 रन से हराकर टी20 वर्ल्ड कप में बड़ी जीत दर्ज की और 256 रन का बड़ा स्कोर बनाया। हालांकि, शिवम दुबे भारत की ओर से टी20 विश्व कप का सबसे महंगा ओवर फेंकने वाले गेंदबाज बने, जबकि मापोसा ने डेब्यू में 23 रन लुटाए। जीत के साथ कुछ कड़वे रिकॉर्ड भी जुड़े। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे को 72 रन से हराकर दमदार जीत दर्ज की, लेकिन इस मुकाबले में कुछ ऐसे रिकॉर्ड भी बने, जिन्हें खिलाड़ी शायद ही याद रखना चाहेंगे। जहां एक ओर भारत ने 256 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया, वहीं दूसरी ओर शिवम दुबे के नाम अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हो गया। भारत के 257 रन के लक्ष्य के जवाब में जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 184 रन बना डाले। दुबे ने दो ओवर में 46 रन लुटाए। भारत की विस्फोटक बल्लेबाजी टी20 विश्वकप में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट पर 256 रन बनाए। यह टूर्नामेंट का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर और भारत का टी20 विश्व कप इतिहास में सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा। अभिषेक शर्मा ने 30 गेंदों में 55 रन की तेज पारी खेली। वहीं, हार्दिक पांड्या ने 23 गेंदों पर नाबाद 50 रन जड़े। अंत में तिलक वर्मा ने सिर्फ 16 गेंदों में 44 रन बनाकर पारी को विस्फोटक अंदाज में खत्म किया। जिम्बाब्वे की कोशिश नाकाम 257 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 184 रन ही बना सकी। ब्रायन बेनेट ने 59 गेंदों में 97 रन की शानदार नाबाद पारी खेली, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिला। कप्तान सिकंदर रजा ने 31 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने चार ओवर में 24 रन देकर तीन विकेट झटके, जबकि वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल ने एक-एक सफलता हासिल की। शिवम दुबे के नाम शर्मनाक रिकॉर्ड इस बड़ी जीत के बावजूद शिवम दुबे का गेंदबाजी प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उन्होंने अपने दो ओवर के स्पेल में 46 रन खर्च किए।

अभिषेक को लेकर क्यों भिड़े भारत-पाकिस्तान के क्रिकेटर?: अश्विन का आमिर को करारा जवाब

चेन्नई। टी20 विश्वकप में लगातार तीन शून्य पर आउट होने के बाद अभिषेक शर्मा को पाकिस्तान के पूर्व गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने स्लॉगर करार दिया था। लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ 30 गेंदों में 55 रन की तूफानी पारी ने कहानी बदल दी। अश्विन ने आमिर की टिप्पणी का जवाब देते हुए कहा कि अभिषेक का बैट स्विंग बेहतरीन है और उनकी तुलना उनके मेंटर युवराज से भी की। टी20 विश्वकप के ग्रुप चरण में लगातार तीन बार शून्य पर आउट होने के बाद अभिषेक शर्मा आलोचकों के निशाने पर आ गए थे, लेकिन गुरुवार को उन्होंने 30 गेंद में चार चौके और चार छक्के की मदद से 55 रन की पारी खेली और जबरदस्त वापसी की। उनके फॉर्म में लौटने से फैंस को भी राहत मिली है, क्योंकि भारत का अगला मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ एक नॉकआउट मुकाबला है और अभिषेक उसमें काफी अहमियत रखेंगे। अभिषेक के लगातार शून्य पर आउट होने पर पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने अभिषेक को एक 'स्लॉगर' यानी लप्पेबाज बताया था। आमिर का कहना था कि युवा बल्लेबाज के खेल में रक्षात्मक तकनीक की कमी है और वह हर गेंद पर बड़े शॉट खेलने की कोशिश करते हैं। अब जिम्बाब्वे के खिलाफ अभिषेक के अर्धशतक के बाद रविचंद्रन अश्विन ने आमिर को करारा जवाब दिया है। अश्विन का पलटवार भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर आमिर की टिप्पणी का जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'आप उनके खेल के बारे में कुछ भी कह सकते हैं, लेकिन वह स्लॉगर नहीं हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच में उनका बैट स्विंग सबसे बेहतरीन में से एक है। हम सब जानते हैं कि युवराज सिंह उनके मेंटर हैं। शायद उनका बैट स्विंग युवराज से भी बेहतर है।

क्या टी20 विश्वकप के बाकी मैच खेलेंगे रिंकू सिंह?: पिता के निधन पर लौट सकते हैं घर

नई दिल्ली। रिंकू सिंह के पिता का स्टेज-4 लीवर कैंसर से निधन हो गया, जिसके कारण उनकी टी20 विश्वकप में आगे की उपलब्धता पर सस्पेंस बना हुआ है। भारतीय टीम कोलकाता में वेस्टइंडीज से अहम मुकाबला खेलने जा रही है, जबकि बीसीसीआई ने अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। भारतीय क्रिकेट टीम के मध्यक्रम बल्लेबाज रिंकू सिंह इस समय

निजी शोक से गुजर रहे हैं। उनके पिता खानचंद्र सिंह का स्टेज-4 लीवर कैंसर के कारण निधन हो गया। इस दुखद घटना के बाद टी20 विश्वकप में रिंकू की उपलब्धता को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। भारतीय टीम अब सेमीफाइनल की दौड़ में है और उसका अगला मुकाबला कोलकाता में वेस्टइंडीज से होना है। पिता का कैंसर से लंबा संघर्ष रिंकू सिंह के पिता खानचंद्र सिंह पिछले कुछ समय से लीवर कैंसर से जूझ रहे थे। उनकी हालत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों की निगरानी में उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया और लगातार रीनल रिप्लेसमेंट थेरेपी दी गई। बीमारी अंतिम चरण में पहुंच चुकी थी और तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। कौन थे खानचंद्र सिंह? खानचंद्र सिंह उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में एलपीजी सिलेंडर डिलीवरी का काम करते थे। उन्होंने वर्षों तक कड़ी मेहनत कर अपने परिवार का पालन-पोषण किया। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने रिंकू के क्रिकेट सपने को कभी टूटने नहीं दिया। आज रिंकू सिंह जिस मुकाम पर हैं, उसमें उनके पिता का बड़ा योगदान रहा है। पिता की तबीयत बिगड़ने पर घर लौटे रिंकू जब पिता की हालत गंभीर हुई तो रिंकू सिंह भारतीय टीम का साथ छोड़कर तुरंत घर पहुंचे। उस समय टीम चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले की तैयारी कर रही थी। हालांकि, पिता से मुलाकात के बाद रिंकू दोबारा टीम से जुड़ने के लिए चेन्नई लौट आए थे। हालांकि, अब वह दाह संस्कार कार्यक्रमों के लिए फिर टीम से दूर हो सकते हैं। टीम संयोजन पर पड़ा असर रिंकू सिंह की अनुपस्थिति का असर टीम संयोजन पर भी दिखा। जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा गया और संजू सैमसन को ओपनर के रूप में मौका दिया गया। हालांकि, दूसरी पारी के दौरान रिंकू को सूर्यकुमार यादव के स्थान पर सब्स्टीट्यूट फील्डर के रूप में मैदान पर देखा गया।

घर-घर ढोए सिलेंडर, कामयाबी के बाद भी न रुके, बेटे की सफलता के पीछे पिता का संघर्ष

अलीगढ़। रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह को गंभीर हालत में करीब तीन दिन पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पिता की गंभीर स्थिति की सूचना मिलते ही रिंकू सिंह टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बीच ही अपने पिता से मिलने आए थे। लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच से पहले दोबारा टीम के साथ जुड़ गए थे। भारतीय क्रिकेट

टीम के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया है। रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह स्टेज-4 लिवर कैंसर से जूझ रहे थे। उन्होंने ग्रेटर नोएडा के यथार्थ हॉस्पिटल में देर रात अंतिम सांस ली। करीब तीन दिन से अस्पताल में भर्ती थे। रिंकू सिंह की कामयाबी के पीछे उनके पिता का भी संघर्ष शामिल है। आईपीएल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से अलीगढ़ के रिंकू सिंह ने जैसे ही एक के बाद एक जीत के पांच छक्के लगाए, तो रिंकू सिंह हर जगह छा गए। इसके बाद रिंकू के एक के बाद एक सपने सच होते चले गए। इस सफलता में रिंकू सिंह के पिता की जी तोड़ मेहनत शामिल है। क्रिकेटर रिंकू सिंह का जन्म अलीगढ़ के गोविला गैस एजेंसी पर काम करने वाले खानचंद सिंह के यहां हुआ। रिंकू सिंह के पिता गैस गजेंसी में हॉकर का काम करते थे। रिंकू पांच भाई- एक बहन में तीसरे नंबर के हैं। रिंकू के पिता खानचंद ने गैस एजेंसी के दिए हुए दो कमरों के मकान में अपनी पत्नी और बच्चों को लेकर गुजर बसर किया। रिंकू को बचपन से ही क्रिकेट का शौक था। पिता खानचंद पूरे दिन कंधों पर सिलिंडर ढोकर जो कमाते थे, उसमें से ही रिंकू के लिए गेंद, बल्ला आदि सामान लाकर देते थे। कोच मसूद जफर अमीनी ने बताया कि पिता, रिंकू सिंह के क्रिकेट में शौक को देखते हुए अलीगढ़ के अहिल्याबाई होल्कर स्टेडियम में लेकर आए। जहां तैयारी करते हुए रिंकू सिंह ने अंडर 16 खेला। डीपीएस के वर्ल्ड कप में रिंकू को बतौर आमंत्रित खिलाड़ी खिलाया गया, जहां रिंकू ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए मैन ऑफ द सीरिज हासिल की। इसके बाद रिंकू अंडर 19 यूपी खेला, फिर रणजी और फिर आईपीएल में अपना जलवा दिखाया। पिता ने नहीं आना दिया रिंकू पर जिम्मेदारी का बोझ रिंकू सिंह के जन्म से कामयाब होने के बाद तक उनके पिता खानचंद कंधों पर सिलिंडर ढोते रहे, पर रिंकू हमेशा क्रिकेट में रहे। रिंकू को कभी भी पिता ने सिलिंडर ढोने की नौबत नहीं आने दी। आईपीएल और उससे पहले लकी रही 35 नंबर जर्सी 2012 में स्कूल क्रिकेट वर्ल्ड कप में डीपीएस की ओर खेलते हुए 35 नंबर की जर्सी पहनी थी। वर्ल्ड कप में रिंकू का बल्ला खूब गरजा था। आईपीएल-11 में रिंकू तीन नंबर की जर्सी में खेले थे। मगर, उनकी बल्लेबाजी फीकी नजर आयी थी। आईपीएल-12 में केकेआर के रिंकू ने 35 नंबर जर्सी पहनी। इस मौके को रिंकू ने भुनाने की कोशिश की, जिसमें 25 गेंद में एक चौका और दो छक्कों के सहयोग से 30 रन जड़ दिए। रिंकू को केकेआर ने 80 लाख रुपये में रिटेन किया था। आईपीएल-11 में केकेआर ने रिंकू को 80 लाख रुपये में खरीदा था। आइए जानते हैं उस जीत के बारे में जिसने रिंकू को रातोंरात बनाया स्टार आखिरी ओवर में केकेआर को जीत के लिए 29 रन की जरूरत थी। क्रीज पर रिंकू सिंह थे। उनके घरवालों ने भी जीत की उम्मीद छोड़ दी थी। फिर भी आखिरी गेंद फेंके जाने तक सभी टीवी स्क्रीन के सामने बैठे रहे। रिंकू के पिता खानचंद्र, मां बीना देवी सहित पूरा परिवार रिंकू सिंह का मैच देख रहा था। रिंकू के छोटे भाई जीतू ने बताया था कि आईपीएल में पहली बार भैया ने अच्छा खेला। आखिरी ओवर में जब 29 रन बनाने थे, तो सभी ने मान लिया था कि मैच जीतना मुश्किल होगा, लेकिन कहते हैं कि जब तक क्रिकेट में आखिरी गेंद न फेंक दी जाए किसी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होती है। ऐसा ही इस मैच में भी देखने को मिला, जब एक गेंद पर जीत के लिए चार बनाने थे, जिसे भैया ने छक्का मारकर हारी बाजी पलट दी। भैया की बल्लेबाजी और केकेआर की जीत पर मम्मी, पापा और घर वाले सभी खुश हुए। जश्न मनाने लगे।

तीन लाख करोड़ रुपये का होगा उपभोक्ता बाजार, जानें खरीदारी करने के तरीके में कैसे आया बदलाव

नई दिल्ली। जीआई ग्रुप की रिपोर्ट के अनुसार भारत का कंज्यूमर ड्यूरेबल्स बाजार 11% की दर से बढ़कर 2029 तक 3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इस ग्रोथ में युवा पेशेवर, ईएमआई आधारित खरीद, स्मार्ट डिवाइस की बढ़ती मांग और अपग्रेड की बदलती उपभोक्ता आदतें अहम भूमिका निभा रही हैं। भारत का उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं का बाजार तेजी से विस्तार के दौर में है। वर्ष 2029 तक इसके 11 प्रतिशत की वार्षिक चक्रवृद्धि वृद्धि दर से बढ़कर करीब तीन लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। जीआई ग्रुप होल्डिंग की रिपोर्ट

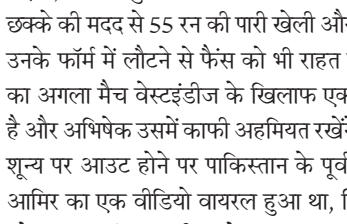

में यह आकलन किया गया है। वैल्यू फॉर मनी उत्पादों को दी जा रही प्राथमिकता रिपोर्ट में बताया गया कि 73 प्रतिशत उपभोक्ता अभी भी वैल्यू फॉर मनी उत्पादों को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन बेहतर प्रदर्शन मिलने पर लगभग 70 प्रतिशत लोग मिड-टियर या प्रीमियम उत्पादों में निवेश करने के लिए तैयार हैं। अपग्रेड का ट्रेंड कैसे हो रहा मजबूत? महिलाओं की भूमिका भी इस अपग्रेड ट्रेंड में तेजी से बढ़ रही है, जहां 61 प्रतिशत महिलाओं ने अधिक महत्वाकांक्षी खरीदारी की इच्छा जताई है। करीब 46 प्रतिशत उपभोक्ता हर 2-3 साल में अपने ड्यूरेबल उत्पाद बदल रहे हैं और 63 प्रतिशत लोग अपग्रेड के दौरान अक्सर ब्रांड भी बदल लेते हैं। ऐसे में खरीद का अनुभव, बिक्री के बाद सेवा और भरोसेमंद सपोर्ट बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त के अहम कारक बनते जा रहे हैं। स्मार्ट लिविंग की बढ़ रही मांग रिपोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि अगली बड़ी मांग स्मार्ट लिविंग से जुड़ी होगी। लगभग 42 प्रतिशत उपभोक्ताओं के पास पहले से कम से कम एक स्मार्ट डिवाइस है, जबकि 67 प्रतिशत लोगों ने कहा कि उनकी अगली खरीद स्मार्ट फीचर वाले उत्पाद की होगी। कंपनियों को उपभोक्ता रुझाने के अनुरूप खुद को ढालना होगा जीआई ग्रुप होल्डिंग की कंट्री मैनेजर सोनल अरोड़ा ने कहा कि बदलती मांग को देखते हुए कर्मचारियों का प्रशिक्षण, बेहतर रिटेल अनुभव, मजबूत आफ्टर-सेल्स सर्विस और पीएलआई योजनाओं के जरिए विस्तार बेहद जरूरी होगा। उन्होंने कहा कि जो कंपनियां इन उपभोक्ता रुझानों के अनुरूप खुद को ढालेंगी, वे भारत के तेजी से बढ़ते मध्यम वर्ग की जरूरतों को बेहतर तरीके से पूरा कर पाएंगी।

ब्लॉकचेन से बदलेगा लेन-देन का भविष्य', निवेशकों को ब्लॉकचेन विशेषज्ञ की अहम सलाह

ब्लॉकचेन-आधारित वित्तीय लेन-देन का उभार किसी अस्थायी ट्रेंड से अधिक, एक संरचनात्मक बदलाव है। तेज सेटलमेंट, सीमा-पार लेन-देन और पारदर्शी लेजर ने दुनिया भर में मूल्य के प्रवाह के तरीके को नया रूप दिया है। आइए इस बारे में विस्तार से जानें। वैश्विक वित्तीय प्रणाली एक शांत लेकिन निर्णायक परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। जो लेन-देन पहले कई स्तरों के मध्यस्थों, कागजी प्रक्रियाओं और संस्थागत भरोसे पर निर्भर होते थे, वे अब तेजी से कोड, एल्गोरिद्म और विकेंद्रीकृत नेटवर्क्स के माध्यम से संचालित हो रहे हैं। ब्लॉकचेन और डिजिटल एसेट्स अब सीमित या हाशिये की तकनीक नहीं रहे, बल्कि मुख्यधारा की वित्तीय चचाओं का

हिस्सा बनते जा रहे हैं। इसी तेज स्वीकार्यता के बीच, ब्लॉकचेन विशेषज्ञ और वित्तीय निवेशक बृजमोहन सिंह एक संतुलित दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं जो आशावाद के साथ सावधानी को भी समान महत्व देता है। बिजनेस डायरी सिंह के अनुसार, ब्लॉकचेन-आधारित वित्तीय लेन-देन का उभार किसी अस्थायी ट्रेंड से अधिक, एक संरचनात्मक बदलाव है। तेज सेटलमेंट, सीमा-पार लेन-देन और पारदर्शी लेजर ने दुनिया भर में मूल्य के प्रवाह के तरीके को नया रूप दिया है। सीमा-पार रेमिटेंस से लेकर संस्थागत स्तर की डिजिटल एसेट कस्टडी तक, वित्तीय लेन-देन की दुनिया स्पष्ट रूप से विकसित हो रही है। हालांकि, वे इस बात पर जोर देते हैं कि तकनीकी प्रगति को सुनिश्चित मुनाफे की गारंटी समझना एक बड़ी भूल हो सकती है। निवेश से पहले दो बार सोचिए, सिंह उद्योग से जुड़ी चचाओं में अक्सर दोहराते हैं। यह संदेश ब्लॉकचेन या क्रिप्टो का विरोध नहीं, बल्कि वित्तीय परिपक्वता की अपील है। इतिहास गवाह है कि हर बड़े वित्तीय नवाचार चाहे वह शेयर बाजार हो या डेरिवेटिव्स में शुरूआती उत्साह अक्सर समझ से पहले सट्टेबाजी को जन्म देता है। सिंह के अनुसार, ब्लॉकचेन भी इससे अलग नहीं है। वर्तमान अपनाने के चरण की एक विशेषता यह है कि अब वैश्विक व्यापारिक नेता और बड़े संस्थान इसमें सक्रिय रूप से शामिल हो रहे हैं। बड़े एसेट मैनेजर्स टोकनाइज्ड एसेट्स की संभावनाएं तलाश रहे हैं, बहुराष्ट्रीय कंपनियां ब्लॉकचेन-आधारित सप्लाई चेन पर प्रयोग कर रही हैं, और भुगतान कंपनियां तेज काम के लिए डिजिटल एसेट रेल्स को एकीकृत कर रही हैं। यहां तक कि पारंपरिक बैंक, जो कभी संशय में थे, अब ब्लॉकचेन रिसर्च और इन्फ्रास्ट्रक्चर में भारी निवेश कर रहे हैं। यह संस्थागत भागीदारी तकनीक में विश्वास को दशार्ती है, लेकिन यह व्यक्तिगत निवेशकों के लिए जोखिम को समाप्त नहीं करती। सिंह बताते हैं कि अनुभवी कारोबारी नेता ब्लॉकचेन को रणनीतिक दृष्टि से अपनाते हैं, भावनात्मक निर्णयों के आधार पर नहीं। उनकी भागीदारी आमतौर पर दीर्घकालिक विजन, नियामकीय अनुपालन और गहन शोध पर आधारित होती है। इसके विपरीत, खुदरा निवेशक अक्सर सुर्खियों, अल्पकालिक मूल्य उतार-चढ़ाव या सोशल मीडिया नैरेटिव्स से प्रभावित होकर बाजार में प्रवेश करते हैं। यही दृष्टिकोण का अंतर वित्तीय असुरक्षा को जन्म देता है। सिंह के विश्लेषण के अनुसार, नई वित्तीय लेन-देन दुनिया में तेजी से अधिक धैर्य और समझ को पुरस्कृत किया जाता है। ब्लॉकचेन का वास्तविक मूल्य घर्षण कम करने, भरोसा बढ़ाने और कुशल प्रणालियां बनाने में है न कि रातों-रात अमीर बनने में। वे जोर देते हैं कि निवेश से पहले मूलभूत पहलुओं, वास्तविक उपयोग मामलों, गवर्नेंस संरचनाओं और नियामकीय स्पष्टता का मूल्यांकन आवश्यक है। साथ ही, सिंह यह भी स्वीकार करते हैं कि दुनिया इस परिवर्तन को स्पष्ट रूप से स्वीकार कर रही है। देश डिजिटल एसेट्स के लिए नियामकीय ढाँचे विकसित कर रहे हैं, केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्राओं पर काम कर रहे हैं, और उद्यम अपने मुख्य संचालन में ब्लॉकचेन को शामिल कर रहे हैं। यह स्वीकृति दशार्ती है कि वित्तीय क्रांति न केवल शुरू हो चुकी है, बल्कि अपरिवर्तनीय भी है। इसलिए असली चुनौती संतुलन की है। सिंह का मानना है कि ब्लॉकचेन दुनिया के लेन-देन के तरीकों, एसेट्स के मूल्यांकन और आर्थिक भागीदारी को नए सिरे से परिभाषित करेगा।

बल्लेबाजी क्रम बदलने से कैसे लौटा तिलक का फॉर्म? बतौर फिनिशर खूब जंचे

चेन्नई। तिलक वर्मा ने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव के बाद शानदार वापसी करते हुए आलोचकों को करारा जवाब दिया। टीम मैनेजमेंट ने उन्हें इस बार फिनिशर की भूमिका में उतारा, जहां उन्होंने डेथ ओवर्स में आते ही आक्रामक अंदाज दिखाया और सिर्फ 16 गेंदों में 44 रन ठोक दिए। क्रम में इस बदलाव ने उन्हें खुलकर खेलने की आजादी दी। तिलक ने सही गेंदों का इंतजार किया, कमजोर गेंदबाजों को निशाना बनाया और तेजी से रन गति बढ़ाई। टी20 विश्वकप 2026 में आखिरकार भारतीय बल्लेबाज फॉर्म में लौटे आए हैं।

जिम्बाब्वे के खिलाफ 256 रन बनाकर भारत ने जिम्बाब्वे को 184 रन पर रोक दिया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद भारतीय बल्लेबाजी की खूब आलोचना हुई थी। फिर प्लेइंग-11 में बदलाव की बात भी हुई थी। ऐसा कहा जा रहा था तिलक वर्मा को बाहर किया जाएगा, क्योंकि शुरूआती पांच पारियों में उनके कुल 107 रन थे। जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच से पहले तिलक वर्मा बेहद दबाव में थे। बल्ले से रन नहीं आ रहे थे और हर तरफ जमकर आलोचना हो रही थी। हालांकि, गुरुवार को चेपॉक स्टेडियम में टीम मैनेजमेंट ने तिलक के बैटिंग ऑर्डर में बदलाव किया और यह दांव एकदम सही बैठ गया। ऑर्डर में 'डिमोशन' तिलक के लिए परफॉर्मेंस में 'प्रमोशन' के रूप में आया। तिलक ने 44 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली तिलक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 16 गेंदों में 44 रनों की धमाकेदार नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी में तिलक ने 275 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए चीन चौके और चार छक्के लगाए। अब गौर करने वाली बात यह है कि टी20 विश्व कप में इस मैच से पहले नंबर तीन पर खेलते आ रहे तिलक जिम्बाब्वे के खिलाफ नंबर छह पर बल्लेबाजी करने उतरे। इस मैच से पहले नंबर तीन पर खेलते हुए तिलक ने 25, 25, 25, 31 और एक रन बनाए थे। हालांकि, कप्तान और टीम मैनेजमेंट का यह प्रयोग तिलक के लिए वरदान साबित हुआ। फिनिशर के रोल में खूब जंचे तिलक वर्मा तिलक ने अंत के ओवरों में हार्दिक पांड्या के साथ मिलकर महज 31 गेंदों में 84 रनों की शानदार साझेदारी भी की, जिसके दम पर भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप का दूसरा और अपना सबसे बड़ा स्कोर खड़ा करने में सफल रही।

मनोरंजन

48 घंटे से अधिक समय से बसपा विधायक के ठिकानों पर आईटी रेड

लखनऊ,। बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी 48 घंटे से अधिक समय से जारी है। 25 फरवरी से शुरू हुई यह कार्रवाई लखनऊ, बलिया, सोनभद्र और कौशांबी तक हो रही है। शुक्रवार सुबह भी लखनऊ के गोमतीनगर स्थित सीएसआईएल कार्यालय में आयकर अधिकारियों की टीम दस्तावेजों की जांच में जुटी रही। उमा शंकर सिंह के करीबी ठेकेदार के यहां भी छापेमारी चल रही है। विधायक की कंपनी ह्यछात्र शक्ति इंफ्रा कंस्ट्रक्शन लिमिटेडह्न (सीएसआईएल) का कार्यालय गोमतीनगर के बी-5/299, विपुल खंड में स्थित है। आयकर विभाग की जांच का केंद्र कंपनी से जुड़े वित्तीय लेन-देन और खनन कारोबार से संबंधित दस्तावेज बताए जा रहे हैं। 48 घंटे से अधिक समय से जारी इस कार्रवाई ने प्रदेश की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है। जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा कि आयकर विभाग किन निष्कर्षों पर पहुंचता है। बुधवार सुबह 50 से अधिक आयकर अधिकारी गाड़ियों के काफिले के साथ गोमतीनगर स्थित विधायक के आवास पहुंचे और पूरे परिसर को घेर लिया था। किसी को अंदर-बाहर जाने की अनुमति नहीं दी गई थी।

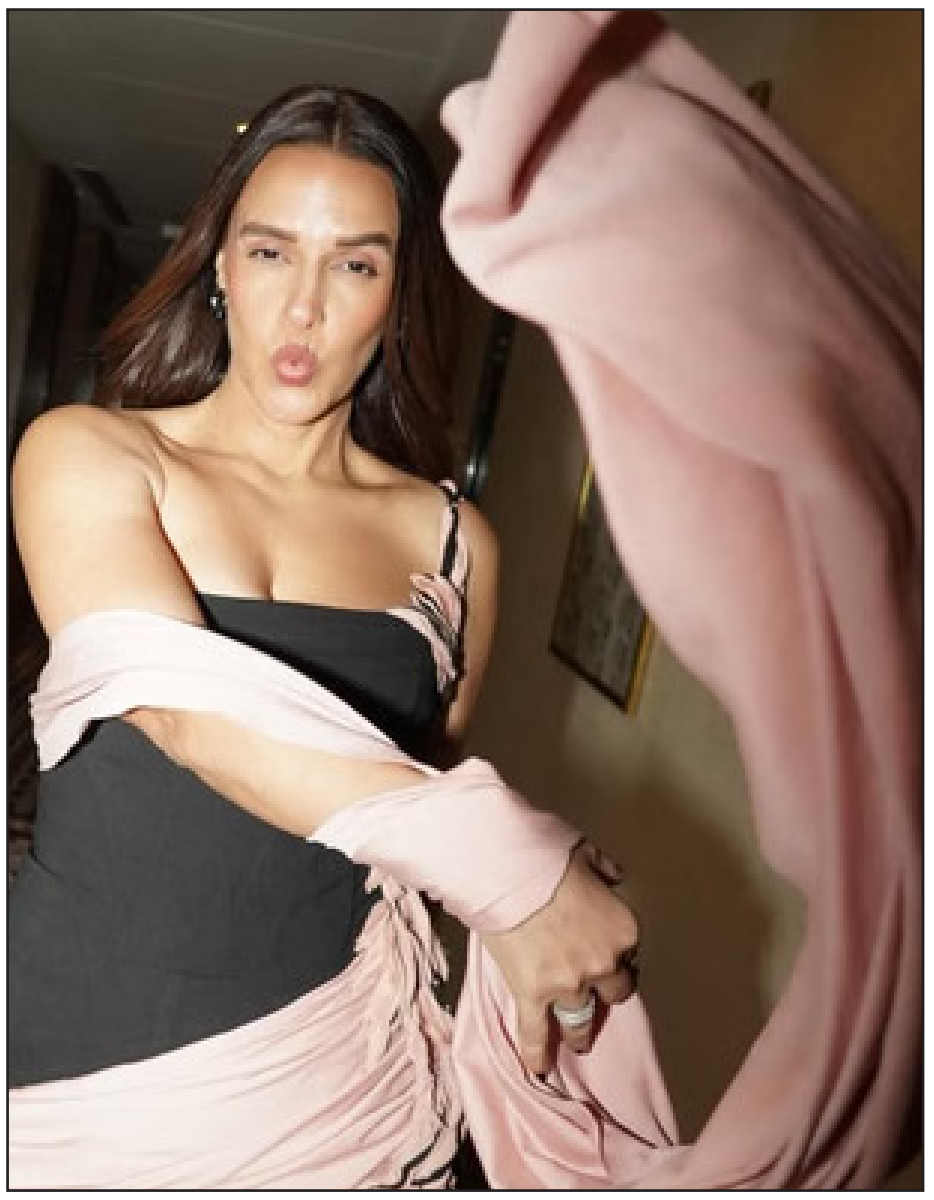

रणबीर कपूर के साथ नेहा धूपिया ने की मस्ती, पति अंगद संग रोमांटिक अंदाज में आई नजर; शेयर की बीटीएस तस्वीरें

नेहा धूपिया हाल ही में एक प्राइवेट इवेंट में शामिल होने पहुंची थी। इस इवेंट में उनके साथ उनके पति अंगद बेदी और रणबीर कपूर भी शामिल हुए।

नेहा धूपिया ने हाल ही में अटेंड किए प्राइवेट कार्यक्रम से जुड़ी तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वे अंगद के साथ खुशी भरे पल इंजॉए करती नजर आ रही हैं। नेहा ने कई सारी तस्वीरें पोस्ट की हैं। इनमें रणबीर कपूर भी नजर आ रहे हैं।

फैंस के साथ शेयर की तस्वीरें

नेहा धूपिया फिलहाल अपने यूट्यूब चैनल पर ज्यादा एक्टिव रहती हैं। वे व्लॉग्स के जरिए अपनी दिनचर्या फैंस के साथ शेयर करती हैं। हाल ही में वे एक प्राइवेट इवेंट में शामिल हुईं थी। अब उन्होंने इसकी तस्वीरें फैंस के साथ शेयर की हैं, जिसमें वे काफी खुश और इंजॉय करती नजर आ रही हैं।

कपल ने दिए कोजी पोज

उन्होंने ब्लैक और पिंक कलर की ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वे काफी सुंदर नजर आ रही हैं। उनके साथ में अंगद भी ब्लैजर में काफी कूल लग रहे हैं। शुरूआती तस्वीरों में कपल हंसी के पल शेयर करते नजर आ रहे हैं।

रणबीर कपूर भी आए नजर

तस्वीरों में आगे स्टेज पर आपको नेहा नजर आएंगी और उनके साथ रणबीर कपूर भी स्टेज शेयर करते दिखाई दे रहे हैं। वे ऑडियंस को स्पीच देती नजर आ रही हैं।

सबके साथ खिंचवाए ग्रुप फोटो

आगे तस्वीरों में वे ग्रुप में नजर आ रहे हैं, जिसमें नेहा, अंगद, रणबीर और उनके साथ कुछ लोग दिखाई दे रहे हैं। सभी लोग कार्यक्रम में एक दूसरे के साथ मजाकिया समय बिताते दिख रहे हैं।

नेहा ने दिया फनी कैप्शन

अपनी खुशियों से भरी और हंसी-मजाक करती तस्वीरों के साथ नेहा ने कैप्शन दिया- ह्यकिसी भी काम को करने के तरीके में थोड़ा सा अलग-सा या पागलपन जैसा हिस्सा जरूर होता है। तस्वीरें देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि वे काम के साथ इंजॉए भी कर रही हैं।

वर्कफ्रंट

नेहा धूपिया का वर्कफ्रंट कुछ दिनों पहले ही नेहा धूपिया सिंगल पापा में कुणाल खेमू के साथ नजर आयी थीं। नेहा 2022 में यामी गौतम के साथ क्राइम वेब सीरीज में भी नजर आयी थीं।

हाथों में हाथ और चेहरे पर बड़ी सी मुस्कुराहट, शादी के बाद पहली बार नजर आए विरोश

शादी के बाद विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना पहली बार मीडिया के सामने आए। देखिए किस अंदाज में दिखे विरोश और कैसे फैंस को बोला थैक्यू

फैंस के सबसे चहेते कपल विरोश यानी विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना अब आधिकारिक रूप से पति-पत्नी बन गए हैं। दोनों ने कल यानी 26 फरवरी को उदयपुर में एक-दूसरे का हाथ थामा।

अब शादी के अगले दिन विजय-रश्मिका पहली बार पति-पत्नी के तौर पर नजर आए। कपल को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। इस दौरान दोनों काफी खुश नजर आए और उन्होंने पैपराजी को पोज भी दिए।

काफी खुश नजर आया कपल

शादी के अगले दिन कपल हाथों में हाथ डाले रोमांटिक अंदाज में नजर आए। इस दौरान रश्मिका जहां लाल रंग के अनारकली सूट में नजर आईं, वहीं विजय देवरकोंडा लाइट व्हाइट कलर के शॉर्ट कुर्ते और पैंट में नजर आए।

इस दौरान कपल के चेहरे पर बड़ी सी मुस्कुराहट और शादी का ग्लो साफ झलक रहा था। कपल को देखते ही पैपराजी ने उन्हें मुबारकवाद दी, जिसका दोनों ने हंसकर जवाब दिया और हाथ जोड़कर अभिवादन किया। इस दौरान विजय-रश्मिका ने फैंस और पैपराजी को फ्लाइंग किस भी दिया। दोनों का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

आठ साल चले अफेयर के बाद एक हुए विरोश

लगभग आठ साल तक चले अफेयर के बाद विजय और रश्मिका ने 26 फरवरी को शादी कर ली। कपल ने तेलुगु और कोडवा दोनों परंपराओं से शादी की रस्में पूरी कीं। फैंस को लंबे वक्त से इस कपल के एक होने का इंतजार था। अंततः ये इंतजार कल पूरा हुआ। शाम में जैसे ही कपल ने शादी की तस्वीरें जारी कीं, फैंस और सेलेब्स के कमेंट की बाढ़ आ गई।

गीता गोविंदम के सेट पर हुई थी मुलाकात

विजय और रश्मिका की मुलाकात साल 2018 में आई फिल्म गीता गोविंदम के सेट पर हुई थी। इसके बाद दोनों ने साथ में 2019 में आई फिल्म डियर कॉमरेड में भी काम किया। इस दौरान दोनों की दोस्ती देखते-देखते प्यार में बदल गई। दोनों के अफेयर को लेकर चचाएं तो अक्सर ही उठती रहीं। दोनों को कई मौकों पर साथ स्पॉट भी किया गया, लेकिन कपल ने कभी भी खुलकर अपने रिश्ते को स्वीकार नहीं किया।

द केरल स्टोरी 2 के टिकट के पैसे किए गए रिफंड, याचिकाकर्ता नहीं उठाएंगे अगला कदम; अधर में फिल्म का भविष्य

फिल्म द केरल स्टोरी 2 आज सिनेमाघरों में रिलीज होने थी, लेकिन कोर्ट ने इस पर स्टे लगा दिया था। रोक के बावजूद इसके टिकट बिक रहे थे, ऐसे में याचिककर्ता ने आपत्ति जाहिर की। लेकिन अब इस फिल्म के टिकट के पैसे वापस किए जा रहे हैं। जानिए, क्या है ये पूरा मामला?

विवादों में घिरी फिल्म द केरल स्टोरी 2 की रिलीज पर केरल हाईकोर्ट ने 15 दिन की रोक लगा दी थी। लेकिन बाद में केरल हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने सिंगल जज का आदेश पलट दिया। सेंसर बोर्ड को दोबारा फिल्म देखने का निर्देश दिया। लेकिन इस स्थिति में भी फिल्म की रिलीज पर संशय बना रहा। इसी बीच खबर सामने आई है कि द केरल स्टोरी 2 के टिकट के पैसे रिफंड किए जा रहे हैं। ऐसे में याचिकाकर्ता ने अवमानना याचिका दायर करने से इंकार किया है।

इस वजह से रिफंड हुआ टिकट का पैसा

फिल्म द केरल स्टोरी 2 की स्क्रीनिंग का विरोध करने वाले याचिकाकर्ता के वकील ने शुक्रवार को बताया बुक किए गए टिकट रिफंड किए जा रहे हैं। साथ ही फिल्म थिएटर में रिलीज नहीं हुई है। याचिकाकर्ता श्रीदेव नंबूदरी के वकील मैत्रेयी सचिदानंद हेगड़े ने ढळकसे बातचीत में कहा, हम फिल्म के प्रोड्यूसर के खिलाफ अवमानना याचिका दायर नहीं करेंगे क्योंकि फिल्म रिलीज नहीं हुई है, टिकट की बिक्री का पैसा भी रिफंड किया जा रहा है।'

तृप्ति डिमरी ने शेयर किए इंटिमेट बर्थडे के खास पल, रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ दिया कॉजी

एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी ने हाल ही में अपना जन्मदिन मनाया, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। इसमें उनके साथ रूमर्ड बॉयफ्रेंड सैम मर्चेंट भी नजर आ रहे हैं।

एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी ने अपने बर्थडे पर मिले प्यार के लिए फैंस का दिल से धन्यवाद किया है। तृप्ति डिमरी ने सोशल मीडिया पर अपने खास दिन की कुछ प्यारी झलकियां शेयर कीं, जिनमें वह अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड सैम मर्चेंट के साथ भी नजर आईं।

फैंस का किया धन्यवाद

तृप्ति डिमरी ने फोटो का एक कैरोसेल पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, इतने प्यार की वजह से अभी भी मुस्कुरा रही हूंउन सभी का धन्यवाद, जिसने मुझे मैसेज या कॉल किया, या जिसने भी मेरे बारे में सोचा। ये मेरे लिए बहुत मायने रखता है और मैं इसे शब्दों में नहीं बयान कर सकती।

पोस्ट की पहली तस्वीर में वह खूबसूरत तरीके से सजी हुई टेबल के पास खड़ी नजर आ रही हैं, पीछे हैप्पी बर्थडे का बैनर लगा है और

सामने बेहद सुकून भरा सनसेट व्यू दिख रहा है। दूसरी तस्वीर में वे ब्लैक आउटफिट में बेहद क्लासी लग रही हैं और 1 और 3 शेप के सिल्वर बलून पकड़े हुए हैं, जिससे पता चलता है कि उन्होंने अपना 31वां जन्मदिन मनाया।

सैम मर्चेंट के साथ दिया कॉजी पोज

एक वीडियो में तृप्ति बच्चों के बीच केक काटती नजर आ रही हैं, जबकि एक बेहद भावुक तस्वीर में वह अपनी मां को गले लगाती दिखीं। इसके अलावा उन्होंने कई खूबसूरत बर्थडे केक्स, जलती हुई कैंडल्स और चमकीले सूरजमुखी के फूलों का बुके भी शेयर किया। एक तस्वीर में वे सैम मर्चेंट के साथ कॉजी पोज देती नजर आईं, जिसने सोशल मीडिया पर खास ध्यान खींचा।

फैंस ने बरसाया प्यार

फैंस ने उनकी पोस्ट पर कमेंट्स की बाढ़ लगा दी है। लोग उनके और सैम के फोटो पर जमकर प्यार बरसा रहे हैं। एक यूज ने कमेंट किया- दोनों साथ में प्यारे लग रहे हैं। वहीं एक ने लिखा- नजर ना लगे किसी की। वहीं एक यूजर ने लिखा- अपनों के साथ क्वालिटी टाइम की बात ही अलग है।

वर्कफ्रंट

वर्क फ्रंट की बात करें तो तृप्ति हाल ही में ओ रोमियो में नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ शाहिद कपूर थे। इस फिल्म ने अब तक कुल 60.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है।

इस फिल्म में लीड रोल निभाएंगे राघव जुयाल फिल्म की शूटिंग हुई शुरू

डांसर से एक्टर बने राघव जुयाल अपनी जिंदगी के एक नए और बड़े पड़ाव में कदम रख चुके हैं। उन्होंने अपनी नई फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है।

द बैड्स ऑफ बॉलीवुड की शानदार सफलता के बाद राघव अब पहली बार बतौर लीड एक्टर किसी फिल्म का हिस्सा बनने जा रहे हैं। इससे पहले वे द बैड्स ऑफ बॉलीवुड और किल

फिल्म में काम कर चुके हैं।

इस फिल्म में नजर आएंगे राघव

वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, राघव फिल्म भाई तेरा यार है में नजर आएंगे। इस हफ्ते फिल्म की शूटिंग दोबारा शुरू हुई है। पहले शूटिंग शेड्यूल को बीच में ही रोकना पड़ा था क्योंकि राघव का पैर टूट गया था। उस वक्त पूरी टीम को लंदन से वापस लौटना पड़ा था। अब राघव पूरी तरह ठीक हो चुके हैं और फिल्म की शूटिंग फिर से पटरी पर आ गई है।

इस फिल्म का निर्देशन विवेक अग्रवाल कर रहे हैं, जो आई सी यू के लिए जाने जाते हैं, जिसमें अर्जुन रामपाल नजर आए थे। राघव के लिए यह फिल्म खास है क्योंकि इससे पहले किल और द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में उन्होंने अहम भूमिकाएं निभाई थीं, लेकिन भाई तेरा यार है में वह पहली बार लीड रोल में दिखाई देंगे।

राघव की झोली में हैं और भी बड़े प्रोजेक्ट्स

राघव की झोली में और भी बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। वे नितेश तिवारी की फिल्म रामायण में रावण के बड़े बेटे मेघनाद का किरदार निभाते नजर आएंगे। उनका रोल फिल्म के पार्ट 2 में दिखेगा।

इसके अलावा, राघव शाहरुख खान की फिल्म किंग का भी हिस्सा हैं। इस फिल्म को सिद्धार्थ आनंद डायरेक्ट कर रहे हैं। इसमें सुहाना खान, दीपिका पादुकोण और अभिषेक बच्चन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 24 दिसंबर 2026 को रिलीज होने वाली है।

इसी के साथ राघव द पैराडाइज का भी हिस्सा हैं। इस मल्टीलिंगुअल फिल्म में नानी, कयादू लोहार, मोहन बाबू और सोनाली कुलकर्णी लीड रोल में हैं। यह फिल्म 21 अगस्त 2026 को रिलीज होगी।

यहां कोई वफादार नहीं होता, क्या करण जौहर ने जान्हवी कपूर पर कसा तंज?

निमार्ता-निर्देशक करण जौहर ने स्टार्स को लेकर कुछ ऐसा कहा है, जो अब चर्चा का विषय बन गया है। यही नहीं करण का ये बयान जान्हवी पर तंज माना जा रहा है। जानिए आखिर क्यों करण ने कहा कि एक्टर्स किसी के वफादार नहीं होते, वो सिर्फ इनसिक्योर होते हैं

फिल्म इंडस्ट्री में स्टार्स के करियर को मैनेज करने की जिम्मेदारी अलग-अलग कंपनियों की होती है। इसको लेकर कंपनियों के बीच होड़ भी देखने को मिलती है। कुछ महीने पहले खबरें आई थीं कि जाह्नवी कपूर का करियर पहले करण जौहर की धर्मा कॉर्नरस्टोन आर्टिस्ट एजेंसी मैनेज कर रही थी। लेकिन फिर जान्हवी ने अपनी एजेंसी बदल ली है। हालांकि, जान्हवी से पहले भी कई स्टार्स ऐसा कर चुके हैं। इस बीच अब करण जौहर का एक बयान सामने आया है, जिसमें उनका कहना है कि इस कंपटेटिव बिजनेस में कोई भी स्टार किसी के प्रति वफादार नहीं होता है।

कंटेंट मैनेजमेंट एक थैंकलेस जॉब

हाल ही में सार्थक आहूजा के साथ यूट्यूब पर एक पॉडकास्ट में करण जौहर ने टैलेंट मैनेजमेंट को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि टैलेंट मैनेजमेंट एक थैंकलेस काम है, क्योंकि असल में कोई भी वफादार नहीं होता।

हर दो साल में लोग एक एजेंसी से दूसरी एजेंसी में चले जाते हैं, क्योंकि वे इतने इनसिक्योर महसूस करते हैं कि उन्हें लगता है कि हम समयबद्ध हैं। इस बिजनेस में कोई वफादार नहीं है।

एक्टर्स बस इधर-उधर भटकते रहते हैं। आप अपने जीवन के दो साल किसी टैलेंट पर लगाते हैं और वे अचानक कहीं और चले जाते हैं। फिर उन्हें वहां अच्छा नहीं लगता और वे आपके पास वापस आना चाहते हैं। यह एक दुष्चक्र है।

ये काफी मुश्किल काम है

करण जौहर का मानना है कि इस बिजनेस में केवल कलाकारों के साथ जुड़कर पैसा कमाना बहुत मुश्किल है। इसलिए लोग अब इक्विटी निवेश की ओर देख रहे हैं। कई टैलेंट एजेंसियां अपने कलाकारों के साथ इक्विटी साझेदारी कर रही हैं और उन साझेदारियों से पैसा कमाने की कोशिश कर रही हैं।

कलाकारों पर केवल कमीशन से आपको कुछ नहीं मिलेगा, क्योंकि कलाकार कोई खास नहीं होते। इस व्यवसाय का 90 प्रतिशत हिस्सा लोगों, उनके अहंकार और इनसिक्योरिटी को संभालने से जुड़ा है और यह आसान नहीं है। अगर आप टैलेंट मैनेजमेंट को एक बिजनेस अपॉर्च्युनिटी के तौर पर देखेंगे, तो कुछ भी हासिल नहीं होगा।

यह खबर भी पढ़ें: तापसी पन्नू ने अस्सी को लेकर शेयर किया वीडियो, लोगों से की ये खास अपील; बोलीं- आप असहज हो सकते हैं

मेरी खुशी सफलता या असफलता पर निर्भर नहीं

निमार्ता-निर्देशक ने आगे कहा कि 31 साल इस बिजनेस में रहने के बाद मैं सफलता और असफलता के प्रति सहज हो गया हूं। मुझे लगता है कि मेरी खुशी और दुख मेरी सफलता और असफलता का परिणाम नहीं हो सकते, क्योंकि तब मैं आईसीयू में होऊंगा। करण की एजेंसी रोहित सराफ, सारा अली खान, शनाया कपूर, राशा थडानी जैसे कई स्टार्स का काम संभालती है।

योगी ने भरोसेमंद पूर्व आईएएस अवनीश अवस्थी का कार्यकाल बढ़ाया

लखनऊ,। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार अवनीश अवस्थी का कार्यकाल एक साल के लिए और बढ़ा दिया गया है। अब वह 28 फरवरी 2027 तक मुख्यमंत्री के सलाहकार बने रहेंगे। इस संबंध में शासन ने आदेश जारी किया गया है। रिटायर्ड आईएएस अवस्थी, मुख्यमंत्री योगी के करीबी अधिकारियों में गिने जाते रहे हैं। यूपी के अपर मुख्य सचिव पद से फरवरी 2022 में रिटायर होने के बाद उन्हें मुख्यमंत्री का सलाहकार नियुक्त किया गया था। इसके बाद लगातार चौथी बार उनका कार्यकाल बढ़ाया गया है। मुख्यमंत्री के चार दिवसीय सिंगापुर और जापान दौरे पर भी वह उनके साथ रहे। शुक्रवार भोर में मुख्यमंत्री लखनऊ लौटे हैं। 1987 बैच के आईएएस अधिकारी अवनीश अवस्थी 31 अगस्त 2022 को उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव पद से सेवानिवृत्त हुए थे। रिटायरमेंट के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें अपना सलाहकार नियुक्त किया था। इसके लिए प्रशासन ने एक अस्थाई ह्यनिःसंवर्गीय पदह्व का सृजन किया। पहली बार उन्हें फरवरी 2023 तक नियुक्त किया गया था, इसके बाद इसे बढ़ाकर फरवरी 2024 किया गया। फिर फरवरी 2025 और फरवरी 2026 तक सेवा विस्तार मिला। अब चौथी बार उन्हें फरवरी 2027 तक सेवा विस्तार मिला है। अवनीश अवस्थी ने उत्तर प्रदेश में सबसे लंबे समय तक गृह विभाग संभाला। 2017 में भाजपा सरकार बनने के बाद उन्हें केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस बुलाया गया।

जम्मू-कश्मीर पर दुष्प्रचार फैलाने वाले पाकिस्तान को कड़ी फटकार

जिनेवा/संयुक्त राष्ट्र। यूएनएचआरसी के 61वें सत्र में भारत ने पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाई। जम्मू-कश्मीर के विकास पर दुष्प्रचार को खारिज करते हुए भारत ने उसे भ्रम में जी रहा देश बताया। जयशंकर ने आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की मांग की। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 61वें नियमित सत्र के दौरान भारत ने पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर आईना दिखाते हुए उसे भ्रम की दुनिया में रहने वाला देश बताया है। भारत ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के लिए शायद यह यकीन करना असंभव है कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का विकास बजट, इस्लामाबाद की ओर से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मांगे गए हालिया आर्थिक पैकेज से दोगुने से अधिक है। जिनेवा में भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव अनुपमा सिंह ने उत्तर देने के अधिकार का उपयोग करते हुए यह तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि जिस

देश में नागरिक सरकारें बमुश्किल ही अपना कार्यकाल पूरा कर पाती हैं, वहां से लोकतंत्र पर उपदेश लेना हास्यास्पद और खोखला प्रतीत होता है। सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के आम चुनावों और विधानसभा चुनावों में हुआ रिकॉर्ड मतदान इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि वहां की जनता ने पाकिस्तान की ओर से प्रायोजित आतंकवाद और हिंसा की विचारधारा को पूरी तरह नकार दिया है। जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था और रहेगा भारत ने फिर वैश्विक मंच पर यह दोहराया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा। सिंह ने कहा कि अब एकमात्र लंबित विवाद पाकिस्तान की तरफ से भारतीय क्षेत्रों पर किया गया अवैध कब्जा है। पाकिस्तान को उन क्षेत्रों को तुरंत खाली कर देना चाहिए। ओआईसी जैसे संगठन पाकिस्तान के दुष्प्रचार का जरिया बनकर अपनी निष्पक्षता खो रहे हैं। अर्थव्यवस्था बचाने को गुहार लगा रहा पड़ोसी देश पाकिस्तानी दुष्प्रचार पर कड़ा प्रहार करते हुए भारतीय प्रतिनिधि ने कहा कि पिछले वर्ष जम्मू-कश्मीर में उद्घाटित दुनिया का सबसे ऊंचा चेनाब रेल ब्रिज नकली है तो निश्चित रूप से पाकिस्तान मतिभ्रम का शिकार है। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि जहां पाकिस्तान अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए आईएमएफ से गुहार लगा रहा है। जम्मू-कश्मीर राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से तेजी से आगे बढ़ रहा है। ज्ञात हो पिछले वर्ष आईएमएफ ने पाकिस्तान के लिए 9,100 करोड़ रुपये की किस्त मंजूर की थी, जिससे उनकी कुल जारी की गई राशि 19,110 करोड़ रुपये तक पहुंची है। आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस अपनाए संयुक्त राष्ट्र : जयशंकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 61वें सत्र को संबोधित करते हुए आतंकवाद पर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि भारत हर तरह के आतंकवाद का कड़ा विरोध करता है। निर्दोष लोगों को निशाना बनाने वाली ऐसी हरकतों का औचित्य नहीं हो सकता। जयशंकर ने यूएनएचआरसी और संयुक्त राष्ट्र निकायों से आतंकवादी कृत्यों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस (शून्य सहनशीलता) की वकालत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, आतंकवाद मानवाधिकारों का सबसे गंभीर उल्लंघन है। विदेश मंत्री ने मानवाधिकारों के मुद्दे पर राजनीति और दोहरे मानकों से बचने की सलाह दी।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान तनाव सुलझाने के लिए आगे आया चीन

शांति बनाए रखने की अपील की

बीजिंग। चीन ने शुक्रवार को पाकिस्तान और अफगानिस्तान से तुरंत युद्धविराम करने की अपील की है। चीन ने दोनों देशों के बीच बढ़ते सैन्य टकराव पर गहरी चिंता जताई है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने मीडिया ब्रीफिंग

में कहा कि चीन इस स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है। माओ निंग ने कहा कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान करीबी पड़ोसी हैं। ये दोनों ही देश चीन के भी पड़ोसी और अच्छे दोस्त हैं। चीन इस टकराव के कारण हुई मौतों से बहुत दुखी है। उन्होंने साफ किया कि चीन हर तरह के आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का समर्थन करता है। चीन चाहता है कि दोनों पक्ष शांति और संयम से काम लें। उन्हें आपसी बातचीत और सलाह-मशविरे से अपने मतभेदों को सुलझाना चाहिए। चीन ने अपील की है कि हालात को और बिगड़ने से रोकने के लिए जल्द से जल्द सीजफायर किया जाए।

न्यूयॉर्क के मेयर ममदानी ने राष्ट्रपति ट्रंप से की मुलाकात, दिया नकली अखबार

वॉशिंगटन। ट्रंप के साथ बैठक में ममदानी ने अजरबैजान की कोलंबिया विश्वविद्यालय की छात्रा एली अघायेवा की हिरासत का मुद्दा भी उठाया। छात्रा को संघीय आव्रजन एजेंटों ने गिरफ्तार किया था। ममदानी ने ट्रंप से अघायेवा को रिहा करने पर विचार करने का आग्रह किया। व्हाइट हाउस में हुई मुलाकात के कुछ ही समय बाद एक फोन कॉल में ट्रंप ने मेयर को बताया कि अघायेवा को रिहा कर दिया जाएगा। न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने गुरुवार को व्हाइट हाउस की यात्रा के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने ट्रंप को एक नकली अखबार का मुखपृष्ठ भेंट किया, ताकि शहर में बड़े पैमाने पर नए आवास निवेश पर चर्चा की जा सके। यह रणनीति डोनाल्ड ट्रंप को लुभाने के लिए बनाई गई है, जो अपनी मीडिया कवरेज को लेकर काफी चौकन्ने रहते हैं। रिपब्लिकन राष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक मेयर के बीच पिछले साल हुई पहली मुलाकात के बाद से सौहार्दपूर्ण संबंध बने हुए हैं। नकली अखबार में छिपा क्या संदेश? जोहरान ममदानी की संचार निदेशक अन्ना बहर ने बताया कि मेयर की टीम ने ट्रंप को दिखाने के लिए एक नकली मुखपृष्ठ और सुर्खियां तैयार कीं। जिससे उन्हें पता चले कि नए संघीय

आवास निवेश से किस तरह की प्रतिक्रिया हो सकती है। नकली न्यूयॉर्क डेली न्यूज के मुखपृष्ठ पर लिखा है, 'ट्रंप ने शहर से कहाः चलो निर्माण करें।' यह 1975 के उस मशहूर मुखपृष्ठ का एक व्यंग्यात्मक रूप है, जिस पर लिखा था, 'फोर्ड ने शहर से कहाः मर जाओ।' जो जेराल्ड फोर्ड की ओर से शहर को वित्तीय सहायता पर रोक लगाने की कसम का संदर्भ था। न्यूयॉर्क के मेयर ने ट्रंप के साथ अखबारों के पहले पन्नों वाली बैठक की तस्वीर अपने सोशल मीडिया पेज पर पोस्ट की। बहर ने कहा कि ट्रंप, ममदानी के प्रस्ताव को लेकर बेहद उत्साहित थे। इस प्रस्ताव के तहत क्वींस के सनसाइड यार्ड में रेल यार्ड के ऊपर एक डेक बनाने के लिए 21 अरब डॉलर से अधिक के संघीय अनुदान प्राप्त करके 12,000 नए किफायती घर बनाए जा सकेंगे। निवेश से रोजगार पैदा करने की परियोजना :मेयर कार्यालय मेयर कार्यालय का अनुमान है कि इस परियोजना से 30,000 नौकरियां पैदा हो सकती हैं और यह पिछले 50 वर्षों में आवास और बुनियादी ढांचे में किया गया सबसे बड़ा निवेश होगा। बहर ने बताया कि जब ट्रंप और ममदानी की आखिरी मुलाकात नवंबर में हुई थी, तब राष्ट्रपति ने ममदानी को न्यूयॉर्क शहर में मिलकर बड़ी-बड़ी चीजें बनाने के विचार के साथ उनके पास वापस आने के लिए प्रोत्साहित किया था।

क्या तालिबान ने मार गिराया पाकिस्तान का एफ-16?

काबुल। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा विवाद को लेकर लंबे समय से तनातनी जारी है। हाल ही में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में हवाई हमले किए थे, जिसके बाद से दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया। अफगान सैनिकों ने सीमा पर पाकिस्तानी चौकियों पर हमला कर उन पर कब्जा कर लिया। इससे भड़के पाकिस्तान जंग का एलान कर दिया है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के खिलाफ हवाई हमलों के बाद शुक्रवार को जंग

का एलान कर दिया। इस बीच तालिबान ने दावा किया है कि उसने पाकिस्तान का एक अमेरिकी लड़ाकू विमान एफ-16 मार गिराया है। अफगानिस्तान डिफेंस नाम के एक सोशल मीडिया हैंडल ने एक जलते हुए एफ-16 विमान के मलबे का वीडियो साझा किया है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि इस लड़ाकू विमान के पिछले हिस्से में एक छोटा पाकिस्तानी झंडा बना हुआ है। इसके साथ ही विमान पर '85510' नंबर लिखा दिखाई दे रहा है। अमर उजाला इस वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता है। एफ-16 को भारतीय वायुसेना भी चटा चुकी है धूल बीते कुछ वर्षों में भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान के खिलाफ हवाई लड़ाइयों में दो या दो से ज्यादा पाकिस्तानी एफ-16 विमानों को मार गिराया है। विश्लेषकों का मानना है कि पाकिस्तानी शस्त्रागार का अहम हिस्सा माना जाने वाला एफ-16 लड़ाकू विमान केवल नाम का ही खतरनाक है। यह वीडियो ऐसे समय में सामने आया है, जब पाकिस्तान की ओर से काबुल और कंधार पर हवाई हमले किए गए हैं। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में आतंकी संगठनों के खिलाफ ऑपरेशन 'गजब-लिल-हक' चलाया है। पाकिस्तान का दावा है कि उसने हमलों में 133 आतंकियों को ढेर किया है। वहीं, इन हमलों के बाद अफगानिस्तान ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। अफगान सैनिकों ने सीमा पर हमले तेज कर दिए हैं। आतंकी संगठनों को पनाह देने पर भिड़े पाकिस्तान-तालिबान पाकिस्तान ने कहा है कि उसके हवाई हमले गुरुवार रात को अफगान बलों द्वारा पाकिस्तानी सीमा सैनिकों पर किए गए हमले के जवाब में हैं। इन हमलों को तालिबान सरकार ने पहले हुए घातक हवाई हमलों का प्रतिशोध बताया है। पाकिस्तान ने आरोप लगाया है कि अफगानिस्तान ने पाकिस्तान में हमले करने वाले आतंकवादी समूहों के खिलाफ कुछ नहीं किया है, जिसे तालिबान सरकार ने नकार दिया है।

पाकिस्तान का अफगानिस्तान पर पलटवार; धमाकों और विमानों की आवाज से गूंजा काबुल

काबुल। सीमा पर गोलियों की गूंज थमी भी नहीं थी कि काबुल की रात धमाकों से कांप उठी। आसमान में मंडराते विमानों की आवाज ने हालात को और रहस्यमय बना दिया। क्या यह जवाबी कार्रवाई का अगला चरण है या किसी बड़े टकराव की आहट? अफगानिस्तान-पाकिस्तान तनाव अब खतरनाक मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है। पढ़ें पूरा अपडेट... अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में शुक्रवार तड़के तीन जोरदार धमाकों और लड़ाकू विमानों की आवाज सुनाई दी। ये घटनाएं उस समय हुईं जब कुछ ही घंटे पहले अफगानिस्तान ने पाकिस्तान पर जवाबी सैन्य कार्रवाई शुरू की थी। सीमा पार बढ़ते सैन्य तनाव के बीच राजधानी में इन धमाकों ने हालात को और गंभीर बना दिया है। हालांकि, धमाकों की सटीक जगह और किसी संभावित हताहत की तत्काल पुष्टि नहीं हो सकी है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब दोनों पड़ोसी देशों के बीच सीमा पर हालात पहले से ही विस्फोटक बने हुए हैं। पाकिस्तान पर अफगानिस्तान का जवाबी हमला अफगानिस्तानी सरकार की तरफ से पाकिस्तान के खिलाफ बड़े सैन्य अभियान का दावा किया गया है। उप प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि खोस्त प्रांत के अलीशेर-तेरेजी जिले में बाबरक पोस्ट के तहत अंजर सर इलाके में स्थित पाकिस्तानी शासन के मुख्यालय पर कब्जा कर लिया गया है। उनके अनुसार इस कार्रवाई में दर्जनों पाकिस्तानी सैनिक मारे गए या घायल हुए हैं और बड़ी मात्रा में हथियार अफगान बलों के हाथ लगे हैं। इसके बाद एक्स पर एक अन्य अपडेट में उन्होंने कहा कि डूरंड लाइन पर व्यापक जवाबी सैन्य अभियान को शुरू किया गया है। यह कार्रवाई 203 मंसूरी कॉर्प्स और 201 खालिद बिन वलीद कॉर्प्स की तरफ से पक्तिया, पक्तिका, खोस्त, कुनर, नूरिस्तान और नंगरहार प्रांतों के कई इलाकों में और टोरखम गेट पर की जा रही है। इस पोस्ट में फितरत की तरफ से दावा किया गया है कि अब तक एक मुख्यालय और 19 चौकियों पर कब्जा किया जा चुका है। चार चौकियां खाली कर दी गईं और उन्हें पूरी तरह जला दिया गया। उनके मुताबिक 55 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं, जिनमें से 23 के शव और कुछ अन्य सैनिकों को जिंदा हिरासत में लिया गया है। इसके अलावा दर्जनों हल्के और भारी हथियार जब्त, एक टैंक नष्ट किया गया और एक इंटरनेशनल हार्वेस्टर वाहन कब्जे में लेने का भी उन्होंने दावा किया है। उप प्रवक्ता के बयान में कहा गया है कि जवाबी सैन्य अभियान अभी जारी है और आगे की जानकारी बाद में दी जाएगी। डूरंड लाइन पर बढ़ा तनाव सीमा के एक अन्य हिस्से तोरखम पर भी दोनों देशों के बीच भारी गोलीबारी की खबर है। अफगान अधिकारियों ने सीमा के पास शरणार्थी शिविर खाली कराए, जबकि पाकिस्तान की ओर भी ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अफगानिस्तान की ओर से दागे गए मोर्टार गोले पाकिस्तान के कुछ गांवों में गिरे, हालांकि नागरिक हताहतों की पुष्टि नहीं हुई है। 2,611 किलोमीटर लंबी सीमा, जिसे डूरंड लाइन कहा जाता है, लंबे समय से विवाद का विषय रही है। अफगानिस्तान ने इसे औपचारिक रूप से मान्यता नहीं दी है। इसी क्षेत्र में हाल के महीनों में कई बार गोलीबारी और झड़पें हो चुकी हैं। किस बात से भड़की ताजा झड़प? इस पूरे घटनाक्रम की शुरूआत रविवार को हुई पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक से हुई थी। पाकिस्तान का कहना है कि उसने सीमा पार आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, जबकि अफगानिस्तान ने दावा किया कि इन हमलों में कई नागरिक, जिनमें महिलाएं और बच्चे शामिल हैं, मारे गए। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा कि ये सटीक हमले हालिया आतंकी घटनाओं के जवाब में किए गए थे। अक्तूबर की झड़पों के बाद से लगातार बढ़ता तनाव गौरतलब है कि अक्तूबर में सीमा पर हुई हिंसक झड़पों में दोनों देशों के सैनिकों और नागरिकों की मौत के बाद से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के रिश्तों में लगातार कड़वाहट बनी हुई है।

विदेशी स्टूडेंट्स के लिए ओपीटी वर्क रूट की फिर से होगी समीक्षा

वॉशिंगटन। यह बहस ऐसे समय में हो रही है जब ट्रंप प्रशासन रोजगार से जुड़े इमिग्रेशन कार्यक्रमों की व्यापक समीक्षा कर रहा है। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि कार्यकारी आदेशों के जरिए बनाए या बढ़ाए गए कार्यक्रमों पर फिर से विचार किया जा सकता है। भारत जैसे देशों के लिए यह समीक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। भारतीय छात्र एफ-1 वीजा पाने वालों में सबसे बड़ी संख्या में हैं। अमेरिका में पढ़ाई कर रहे हजारों विदेशी छात्रों पर असर डालने वाला एक बड़ा कदम उठाया गया है। अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) ने कहा है कि वह ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग यानी ओपीटी कार्यक्रम की दोबारा समीक्षा कर रहा है। इसका मतलब है कि पढ़ाई पूरी करने के बाद काम करने की जो व्यवस्था एफ-1 वीजा धारकों के लिए है, उसमें नियम बदले जा सकते हैं। होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने सीनेटर एरिक श्मिट को लिखे एक पत्र में बताया कि विभाग यह देख रहा है कि मौजूदा व्यवस्था- खासकर ट्रेनिंग की अवधि और दायरा क्या अमेरिका के श्रम बाजार, टैक्स व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में है या नहीं। साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि क्या यह व्यवस्था कांग्रेस की मंशा के अनुरूप है। अमेरिका में पढ़ रहे तीन लाख भारतीय छात्र इस समय अमेरिका में तीन लाख से ज्यादा भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। इनमें से बड़ी संख्या पढ़ाई पूरी करने के बाद ओपीटी के तहत काम कर रही है। नोएम ने पत्र में लिखा कि डीएचएस यह सुनिश्चित करना चाहता है कि इमिग्रेशन से जुड़े कार्यक्रम अमेरिकी कामगारों के हित में चलें और राष्ट्रीय सुरक्षा को सुरक्षित रखें। उन्होंने यह भी माना कि हाल के वर्षों में प्रैक्टिकल ट्रेनिंग कार्यक्रमों में विदेशी छात्रों की संख्या काफी बढ़ी है, जिससे कुछ जोखिम और चुनौतियां पैदा हुई हैं। लेटर के मुताबिक, यूएस इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट का स्टूडेंट एंड एक्सचेंज विजिटर प्रोग्राम इन मुश्किलों को समझता है और कमजोरियों को कम करने और आपकी चिंताओं को दूर करने के लिए एक्शन ले रहा है। ओपीटी कार्यक्रम के तहत एफ-1 वीजा पर पढ़ाई करने वाले छात्र अपनी डिग्री पूरी करने के बाद अमेरिका में अधिकतम 12 महीने तक काम कर सकते हैं। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित विषयों के छात्रों को अतिरिक्त 24 महीने की छूट मिलती है। नियमों में क्या बदलाव करने जा रहा ट्रंप प्रशासन? प्रोग्राम के लीगल बेसिस पर बात करते हुए, नोएम ने बताया कि ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग प्रोग्राम और उससे जुड़े ट्रेनिंग के मौके सीधे कानूनी टेक्स्ट के बजाय रेगुलेशन के जरिए बनाए गए थे। उन्होंने कहा कि, प्रेसिडेंट ट्रंप के डायरेक्शन और एडमिनिस्ट्रेशन की अमेरिका फर्स्ट इमिग्रेशन पॉलिसी के हिसाब से, डीएचएस यह फिर से देख रहा है कि क्या मौजूदा रेगुलेटरी फ्रेमवर्क झ जिसमें प्रैक्टिकल ट्रेनिंग का स्कोप और अवधि शामिल है झ यूएस लेबर मार्केट, टैक्स और नेशनल सिक्योरिटी के हितों को ठीक से पूरा करता है और कांग्रेस के इरादे के साथ जुड़ा हुआ है।

जो होना है, वह हमने बता दिया, यूरेनियम संवर्धन पर ईरानी विदेश मंत्री अराघची की अमेरिका को दो टूक

जिनेवा। अमेरिका का आकलन है कि ईरान ने अभी तक हथियार कार्यक्रम फिर से शुरू नहीं किया है, लेकिन उसने ऐसे कदम उठाए हैं जो भविष्य में परमाणु हथियार बनाने की स्थिति में उसे सक्षम बना सकते हैं। ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के दौरान जिनेवा में दोनों देशों ने वार्ता की। कई घंटों की बैठक के बाद ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि यह गहरी चिंता भरी लंबी बातचीतों में से एक है। जिनेवा में अब तक हुई इन चचाओं के बाद कोई समझौता नहीं हो सका, जिससे पश्चिम एशिया में फिर से युद्ध की आशंका बनी हुई है। अब्बास अराघची ने गुरुवार को ईरानी सरकारी टीवी से बातचीत में कहा कि जो कुछ होना है, वह हमारी ओर से साफ कर दिया गया है। हालांकि उन्होंने बातचीत के विवरण साझा नहीं किए। अमेरिकी पक्ष की ओर से भी तत्काल कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई और व्हाइट हाउस ने भी प्रतिक्रिया नहीं दी। अगले हफ्ते फिर होगी अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत जिनेवा में हुई कई घंटों की अप्रत्यक्ष वार्ता के बावजूद दोनों पक्षों के बीच कोई समझौता नहीं हो सका। वार्ता में मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाले ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल-बुसैदी ने कहा कि बातचीत में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। हालांकि, उन्होंने भी विस्तार से जानकारी नहीं दी। आगे की वार्ता का दौर अगले सप्ताह वियना में होगा, जहां अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी का मुख्यालय स्थित है।

जिनेवा में यूएस-ईरान परमाणु वार्ता हुई पूरी, पश्चिम एशिया में सैन्य जमावड़े से युद्ध की आशंका

जिनेवा। जिनेवा में अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर एक और दौर की अप्रत्यक्ष वार्ता हुई। इसी बीच पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य जमावड़ा बढ़ने से क्षेत्रीय तनाव तेज हो गया है और संभावित युद्ध की आशंकाएं फिर गहरा गई हैं। अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर एक बार फिर अप्रत्यक्ष वार्ता हुई। स्विट्जरलैंड के जिनेवा में हो रही इस बातचीत पर पूरी दुनिया की नजर टिकी थी, क्योंकि इसी के साथ पश्चिम एशिया में सैन्य हलचल भी तेज हो गई है। वार्ता का उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर समझौता करना और संभावित युद्ध को टालना बताया गया है, जबकि अमेरिका पश्चिम एशिया में अपने विमान और युद्धपोतों का बड़ा बेड़ा तैनात कर रहा है। ओमान के विदेश मंत्री बदर अल-बुसैदी, जो वार्ता के मध्यस्थ हैं, ने कहा कि वार्ता पूरी हो गई है और जल्द ही फिर शुरू होगी। उन्होंने ट्वीट किया कि बातचीत में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, हालांकि विस्तृत विवरण नहीं दिया गया। तकनीकी स्तर की वार्ता अगले सप्ताह वियना में अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (कअएअ) के मुख्यालय में होगी। युद्ध टालने की कोशिश, लेकिन खतरा बरकरार ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने जिनेवा रवाना होने से पहले चेतावनी दी कि अगर अमेरिका हमला करता है तो क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकाने निशाने पर होंगे।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।